वर्ष : 3 अंक: 192 मूल्य : 4 रु.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

# मदरलैण्ड वॉइस

मंगलवार, 8 मार्च 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

## निजी मेडिकल कॉलेजों की आधी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेज के समकक्ष ही लगेगी फीस: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच जंग के चलते यहां अध्ययनरत हजारों भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे थे जिन्हें ऑपरेशन गंगा के तहत भारत लाया गया है। इनमें से ज्यादातर छात्र यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई के लिए गए हुए थे। बताया जाता है कि यूक्रेन में भारत की तुलना में मेडिकल की पढ़ाई काफी सस्ती है। यूक्रेन से लौट आए छात्रों से मुलाकात के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सरकार इस बात को लेकर जरूर कुछ करेगी। इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने तय किया है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में आधी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेज के बराबर है फीस लगेगी।

जाहिर सी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से यह फैसला ऐसे वक्त में लिया गया है जब हजारों विद्यार्थियों की किस्मत दांव पर है। सस्ती फीस की वजह से कई भारतीय विदेशों में जाकर मेडिकल की पढ़ाई करते हैं। लेकिन सरकार के इस कदम से उन्हें भी भारत में रहकर पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जन औषधि दिवस पर लोगों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इसी दौरान प्रधानमंत्री की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले सरकार की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है जिसका लाभ गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को मिलेगा।

अपने संवाद में प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को निरंतर मजबूत कर रही है। आजादी के इतने दशकों के बाद भी देश में केवल एक एम्स था, लेकिन आज देश में 22 एम्स है। हमारा लक्ष्य देश के हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज खोलने का है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर आगे बढ़ रहे भारत में सबके जीवन को सम्मान मिलें। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है जिसका बड़ा लाभ गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को मिलेगा। हमने तय किया है कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में आधी सीटों पर सरकारी मेडिकल कॉलेज के बराबर ही फीस लगेगी।

## श्रीनगर में आतंकियों ने ग्रेनेड से किया अटैक, 2 की मौत, 35 घायल

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। श्रीनगर में आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमले किए। हमले में 2 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक घायल की मौत रविवार को हुई थी, जबकि एक की मौत सोमवार को हुई। पुलिस अधिकारियों की माने तब शाम चार बजकर 20 मिनट पर आतंकवादियों ने हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर तैनात पुलिस और सुरक्षाबलों पर एक ग्रेनेड से हमला किया। वहीं हमले में घायल हुई 19 साल की एक लड़की की मौत सोमवार हो गई। एक मृतक की पहचान मोहम्मद असलम मखदूमी (70) के रूप में की गई है, जो शहर के नौहट्टा इलाके का निवासी था। अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर के हजरतबल निवासी नजीर अहमद टिंडा की बेटी राफिया ने आज सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मध्य कश्मीर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुजीत कुमार ने कहा कि रविवार को अमीरा कदल श्रीनगर के पास व्यस्त स्थान पर एक ग्रेनेड फेंका गया। एक सवाल के जवाब में डीआईजी ने कहा कि यह सुरक्षा में कोई चूक नहीं है। उन्होंने कहा, ‖हमें सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, और कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं ‖ डीआईजी ने कहा कि अभी तक किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है और पुलिस हमलावरों को पकड़ने के लिए सुराग पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि व्यस्त स्थानों पर हमले रोकने के लिए पुलिस कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि हम इस एक चलन नहीं बनने देने वाले है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर समेत पूरे कश्मीर में सुरक्षा एक चुनौती है.

वहीं राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हमले की निंदाकर कहा कि सरकार आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को तोड़ने और पड़ोसी देश के मंसूबों को नाकाम करने के प्रति संकल्पित है। सिन्हा ने ट्वीट किया, मैं श्रीनगर में किये गए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। निर्दोष नागरिक की मौत पर उसके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हम आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को तोड़ने और पड़ोसी देश के मंसूबों को नाकाम करने के प्रति संकल्पित हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने एक बयान में इस हमले की निंदा की।

## संक्षिप्त समाचार

### फलस्तीन में भारत के राजदूत की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी फलस्तीन में भारत के राजदूत मुकुल आर्या की रहस्मयी हालात में मौत हो गई है। आर्या रमल्ला स्थित भारतीय दूतावास के अंदर ही मृत पाए गए। आर्या रविवार को रमल्ला स्थित भारतीय दूतावास के अंदर ही मृत पाए गए। अभी तक उनकी मृत्यु के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। वो एक युवा राजनयिक थे और 2008 में ही भारतीय राजनयिक सेवा से जुड़े थे। उन्होंने जून 2021 में फलस्तीन में कार्यभार संभाला था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनकी मृत्यु के बारे में जानकारी देते हुए एक ट्वीट में उन्हें एक तेजस्वी और प्रतिभावान अधिकारी बताया। फलस्तीन की सरकार ने एक बयान जारी कर कहा आर्या की मृत्यु पर विस्मय और दुख व्यक्त किया। बयान में यह भी कहा गया कि फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और प्रधानमंत्री मोहम्मद शतयेह ने सभी संबंधित विभागों को आर्या की मृत्यु के कारण के बारे में जानकारी हासिल करने के आदेश दिए हैं फलस्तीन से पहले आर्य अफगानिस्तान में भारतीय उच्च आयोग, रूस में भारतीय दूतावास और फ्रांस में यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि मंडल में काम किया था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और सिंगापुर के ली कुआं यू स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ाई की थी। फलस्तीन में भारत का पूर्ण दूतावास नहीं है। फलस्तीन में भारतीय मिशन को भारत का प्रतिनिधि कार्यालय और वहां का कार्यभार संभालने वाले भारतीय अधिकारी को भारत का प्रतिनिधि कहा जाता है। भारत ने यह कार्यालय 1996 में गजा में स्थापित किया था। 2003 में इसे गजा से रमल्ला स्थानांतरित कर दिया गया। फलस्तीन का समर्थन भारत की विदेश नीति का एक अहम हिस्सा रहा है। 1974 में भारत फलस्तीन लिबरेशन ऑगेर्नाइजेशन (पीएलओ) को फलस्तीनी लोगों के एकमात्र और जायज प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने वाले पहला गैर-अरब देश बन गया था।

### कृषि और प्रसंस्करित खाद्य उत्पादों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि और प्रसंस्करित खाद्य उत्पादों का निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान 23 प्रतिशत बढ़कर 19.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। एक साल पहले समान अवधि में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात 15.97 अरब डॉलर रहा था। समीक्षाधीन अवधि में चावल का निर्यात 7.7 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर था। इस तरह गेहूं का निर्यात बढ़कर 1.74 अरब डॉलर हो गया। इसतरह वित्त वर्ष 2021-22 के पहले दस महीने में मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पादों का निर्यात 13 प्रतिशत बढ़कर 3.40 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जबकि फलों और सब्जियों का निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 1.20 अरब डॉलर रहा।

## जनता ने सोच समझ के वोट दिया होगा वही लेगी सही निर्णय : प्रियंका

### यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी, नतीजे 10 मार्च को आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सोमवार 7 मार्च को अंतिम चरण के लिए मतदान संपन्न हो गया। इसी के साथ यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में आज चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। लेकिन आज मतदान के बाद शाम को एग्जीट पोल आएंगे। इनसे काफी हद तक साफ हो जाएगा कि किस राज्य में किसकी सरकार बन रही है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर 7 चरणों में चुनाव हुई हैं, जबकि पंजाब (117 सीट), गोवा (40 सीट), उत्तराखंड (70 सीट) में एक चरण में चुनाव हुए थे। वहीं, मणिपुर की 60 सीटों पर दो फेज में चुनाव हुए हैं।

उत्तर प्रदेश चुनाव पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जनता जिस तरह से चुनाव में मतदान कर रही है और भाजपा के नेताओं को आइना दिखा रही है उससे साफ है कि सपा की सरकार आ रही है। भाजपा के नेताओं में परेशानी और चिंता से साबित होता है कि वहां (उत्तर प्रदेश में) समाजवादी पार्टी जीत रही है। बता दें कि आज यूपी में आखिरी चरण की वोटिंग चल रही है। उत्तराखंड में इस बार 632 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 626 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया है। इनमें से 17 फीसदी यानी 107 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे ज्यादा कांग्रेस ने 23 दागी उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं, बीजेपी के 13, आप के 15, बीएसपी के 10 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उत्तर प्रदेश में सभी 403 सीटों पर कुल 4442 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 4406 सीटों का विश्लेषण किया है। इन 4406 उम्मीदवारों में से करीब 26 फीसदी यानी 1142 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। यूपी में 7वें चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। एक बजे तक 35.51 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है। जनता ने किसे कितने वोट दिए हैं इसका असली एग्जिट पोल 10 मार्च को सामने आएगा। उधर, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सोमवार को जयपुर पहुंची। इस दौरान चुनाव नतीजों को लेकर उन्होंने कहा, जनता ने सोच समझ के वोट दिया होगा। जनता सही निर्णय लेगी। चुनाव के नतीजे आने दीजिए फिर देखते हैं क्या परिस्थितियां बनती हैं। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने पहुंचे। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, यह बैठक चुनाव नतीजों को लेकर नहीं थी। मैंने गृहमंत्री के साथ सामान्य चर्चा की। नतीजे आने के बाद विस्तार से चर्चा होगी। मैंने पंजाब के मुद्दे पर चर्चा की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि पंजाब में कौन जीत रहा है।

## वित्तमंत्री ने कहा, बजट 2022 कर-अनुकूल व्यवस्था प्रदान करने में मददगार होगा

बेंगलुरु, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 का बजट निरंतरता कायम रखने और एक कर-अनुकूल व्यवस्था प्रदान करने में मददगार होगा। वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के साथ बजट-परिचर्चा में कहा कि बजट में इस तरह की व्यवस्था की गई है, जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब वह इसका लाभ ले सकेगा। उन्होंने कहा कि बजट अगले 25 साल का दृष्टिकोण पेश करता है। सीतारमण ने कहा, यह बजट निरंतरता कायम करने वाला, अनुकूल कर व्यवस्था उपलब्ध कराने वाला और हमारी अगले 20 से 25 साल की योजनाओं को पूरा करने वाला साबित होगा। बजट हमें दृष्टिकोण प्रदान करता है और साथ ही बुनियादी ढांचे में हम जो हासिल करना चाहते हैं उसके लिए रूपरेखा भी प्रदान करता है।

सीतारमण ने कहा कि बजट में प्रौद्योगिकी और अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने पर जोर है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश अब भी कोरोना के प्रभाव से बाहर आने का प्रयास कर रहा है। देश को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए समर्थन देने वाली प्रणाली की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब बच्चों पर भी ध्यान देने की जरूरत है जिनकी शिक्षा के दो साल खराब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बजट के जरिये यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों में राज्यों की भागीदार की भूमिका हो। उनके साथ कोष साझा किया जा रहा है। राज्य भी बुनियादी ढांचा निर्माण में सक्रिय तरीके से भागीदारी कर सकते हैं।

## युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सरकार का कर्तव्य: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन-रूस जंग से बिगड़ते हालात के मद्देनजर वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए सारे प्रयास करने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार से कहा कि उसका कर्तव्य है तथा अतीत में भी ऐसे हालात में पूर्ववर्ती सरकारों ने सफल अभियान चलाए थे। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि रूस, यूक्रेन और नाटो को बातचीत जरिए तत्काल शांति बहाल करना चाहिए तथा सभी मुद्दों का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, ‘कांग्रेस पार्टी यूक्रेन में सैन्य संघर्ष बढ़ने को लेकर आशंकित और दुखी है। निर्दोष लोगों के मारे जाने, बड़े पैमाने पर तबाही होने, लोगों का बड़े स्तर का पलायन और मानवीय त्रासदी का विकराल रूप लेना अस्वीकार्य है।’

उसने कहा, ‘हम युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए हजारों भारतीय छात्रों एवं नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं।’ बयान में कहा गया है, ‘कांग्रेस पार्टी अपील करती है कि सभी तरह की शत्रुता को तत्काल खत्म किया जाए और लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए भौगोलिक रूप से तय मानवीय गलियारा बनाया जाए जिसका दोनों पक्ष सम्मान करें।’ उसने आह्वान किया कि रूस, यूक्रेन और नाटो को गंभीर संवाद करना चाहिए ताकि शांति बहाल हो सके और सभी मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला जा सके। कांग्रेस ने जोर देकर कहा, ‖यह भारत सरकार का कर्तव्य है कि हमारे सभी नागरिकों को वापस लाने के लिए सारे प्रयास किए जाएं। यह स्मरण करना आवश्यक है कि भारत ने अतीत में खाड़ी युद्ध के दौरान, लेबनान, लीबिया और इराक से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए अपनी वायुसेना और नौसेना के माध्यम से सफल व्यापक अभियान चलाया और साथ ही किसी दलीय दुष्प्रचार में भी नहीं पड़ा।’

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की और करीब 35 मिनट तक चली इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में उभरती परिस्थितियों पर चर्चा दोनों नेताओं के बीच बात ऐसे समय में हुई है, जब रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन से छात्रों समेत अपने नागरिकों को निकालने के लिए भारत हर संभव प्रयास कर रहा है।

## भारत ने फिर से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परिक्षण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रुस-यूक्रेन जंग के बीच भारत ने फिर से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परिक्षण किया है। दो दिन पहले भी भारत ने इसका टेस्ट किया था। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक मिसाइल ने अधिक दूरी पर सटीक हमला करने में खुद को साबित किया है। मिसाइल को अंडमान-निकोबार समुद्र से एक निर्जन टापू पर लांच किया गया था। मिसाइल ने अपनी निर्धारित जगह पर एकदम सटीक हमला किया। इस मिसाइल को बिना वारहेड के लांच किया गया था।

बता दें कि भारतीय नौसेना ने आईएनएस चेन्नई से लंबी दूरी तक हमला करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का परिक्षण किया था। उस वक्त मिसाइल को आईएनएस चेन्नई से लांच किया गया था, जो पूरी तरह से स्वदेश में निर्मित पोत है। इस टेस्ट में भी मिसाइल ने तय लक्ष्य पर सटीक वार किया था। इस मिसाइल में कई एडवांस फीचर्स शामिल किए गए हैं, इसकारण इसकी मारक क्षमता और बढ़ गई है। ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल की यदि खासियत की बात करें, तब ये 400 किमी. तक की रेंज में बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। अब वैज्ञानिक इसकी रेंज को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। इस लेकर लगातार टेस्ट भी किए जा रहे हैं। यह मिसाइल को भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है, ये दुनिया की सबसे विश्वसनीय और घातक मिसाइलों में से एक है। ये मिसाइल करीब 8.4 मीटर लंबी है, इसकी चौड़ाई करीब 0.6 मीटर है। यह मिसाइल 2.5 टन तक परमाणु युद्धास्त्र ले जाने में भी सक्षम है। इसकी दो बड़ी खासियतों में शामिल है, इसकी तेज रफ्तार और इसका दुश्मन से छिपा रहना। ये खासियत मिसाइल को अचूक और अत्यधिक घातक बना देती है। भारत ने इसके अब तक नेवी, एयरफोर्स और थल सेना के लिए अलग-अलग वर्जन को सफलतापूर्वक शामिल किया है। ये मिसाइल अब तक हर टेस्ट में सफल साबित हुई है। इस वर्ष फरवरी में भारत ने मिसाइल का टेस्ट किया था। उस वक्त इस मिसाइल को आईएनएस विशाखापत्तनम से लांच किया गया था।

## ‘आपरेशन गंगा’ के तहत 15,920 से अधिक भारतीय यूक्रेन से भारत लाए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई के बाद शुरू किए गए भारतीय छात्रों के निकासी अभियान ‘ऑपरेशन गंगा’ के तहत भारत 76 उड़ानों में अपने 15,920 से अधिक नागरिकों को वापस लाया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। हंगरी स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि इस देश से निकासी अभियान पूरा होने वाला है, क्योंकि अभियान के अंतिम चरण की उड़ानों की शुरूआत की जा रही है। भारत अपने नागरिकों को रोमानिया, पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और मोल्दोवा के रास्ते वापस ला रहा है। भारतीय नागरिक यूक्रेन की जमीनी सीमा बिंदुओं को पार करके इन देशों में पहुंचे हैं। पहली उड़ान 26 फरवरी को फंसे भारतीयों को बुखारेस्ट से लेकर वापस आई थी।

रूस द्वारा सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यूक्रेन ने नागरिक विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। अधिकारियों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 13 उड़ानों में करीब 2,500 भारतीयों को निकाला गया। उन्होंने कहा कि हंगरी, रोमानिया और पोलैंड से फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले 24 घंटों में सात उड़ानें निर्धारित हैं। बुडापेस्ट से पांच उड़ानें होंगी, पोलैंड में रेजजो और रोमानिया में सुचेवा से एक-एक उड़ान संचालित की जाएगी। एक अधिकारी ने कहा ऑपरेशन गंगा के तहत, अब तक 76 उड़ानें 15,920 से अधिक भारतीयों को भारत वापस ला चुकी हैं। इन 76 उड़ानों में से 13 उड़ानें पिछले 24 घंटों में भारत में उतरी हैं।

हंगरी में भारतीय दूतावास ने ट्विटर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा पोस्ट की, जिसमें भारतीय छात्रों से कहा गया है कि वे भारत लौटने के लिए निर्दिष्ट संपर्क बिंदुओं पर रिपोर्ट करें। हंगरी में स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया महत्वपूर्ण सूचनाः भारतीय दूतावास ऑपरेशन गंगा के तहत अंतिम चरण की निकासी उड़ानों की सोमवार से शुरूआत कर रहा है। जो भी छात्र (दूतावास के अलावा) खुद से किये गए प्रबंध में रह रहे हैं, उन्हें बुडापेस्ट स्थित यूटी 90 रकोजी हंगरी सेंटर में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक पहुंचने का अनुरोध किया जाता है। वहीं, यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने उन सभी भारतीय नागरिकों से जो अभी भी संघर्षग्रस्त देश में फंसे हुए हैं, तत्काल एक ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए कहा।

गूगल आवेदन पत्र में नाम, ईमेल, फोन नंबर, वर्तमान ठिकाना, पासपोर्ट का ब्योरा, लिंग और उम्र का विवरण देने को कहा गया है। आवेदन में दूतावास ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों की वर्तमान स्थिति बताने को भी कहा है। आवेदन में स्थलों की एक सूची दी गई है और उनमें से चयन का विकल्प दिया गया है। ऑनलाइन आवेदन में जिन स्थलों की सूची दी गई है, वे इस प्रकार हैं चेरकासी, चेर्निहिव, चेरनिवित्सी, निप्रोपेत्रोव्स्क, दोनेत्स्क, इवानो-फ्रांकिवस्क, खारकीव, खेर्सोन, खमेलनित्स्की, किरोवोग्राद, कीव, लुहांस्क, लवीव, मिकोलेव और ओडेसा। इसके अलावा पोलतावा, रिवने, सूमी, तेरनोपिल, विनित्स्या, वोलिन, जकरपत्या, जापोरोज्या और झितोमीर को भी सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि संघर्ष शुरू होने से कुछ सप्ताह पहले परामर्श जारी होने के बाद से अब तक 21,000 से अधिक भारतीय यूक्रेन से बाहर आ गए हैं।

## भाजपा के लोग गिनती में गड़बड़ी कर और हारे हुए कैंडिडेट को जीत का सर्टिफिकेट दिलवाएंगे : टिकैत

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर 10 मार्च को नतीजे आने हैं। 7 मार्च को आखिरी चरण के साथ ही चुनाव खत्म हो गए, लेकिन ईवीएम को लेकर अब राजनीति शुरू हो गई है। हालांकि इसकी शुरूआत की है, किसान नेता राकेश टिकैत ने कर दी है। टिकैत ने दावा किया है कि भाजपा अनुचित तरीके से मतगणना को प्रभावित कर सकती है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मतगणना केंद्रों की निगरानी करें। टिकैत ने कहा कि मतगणना में फजीर्वाड़ा होगा है। इस रोकने के लिए भी किसानों को तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि इसकी आशंका है कि यह लोग गिनती में गड़बड़ी कर और हारे हुए कैंडिडेट को जीत का सर्टिफिकेट दिलवाएंगे। इसकारण जनता को निगाह रखनी होगी।

दरअसल, टिकैत ने कहा कि हमने वोट दे रखा है। हम यह देखने आए थे कि वोट को कहा बंद कर रखा गया है। नवीन मंडी वह क्षेत्र है, जहां मतदान के बाद ईवीएम रखी जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे 2 दिनों की छुट्टी रखें। किसानों को इधर भी निगरानी रखनी होगी। पंचायत चुनाव के समय सरकार ने गड़बड़ी की थी। इस बार भी गड़बड़ी हो सकती है। हालांकि टिकैत ने इसकी अपील की कि हार जीत चाहे किसी की भी हो, लोगों को शांति रखनी होगी। कोई जुलूस ना निकाले बल्कि शांतिपूर्ण तरीके से अपने घर जाएं।

टिकैत ने कहा, देश को बचाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। किसानों के मुद्दे पर सरकार ने वादाखिलाफी की है। इस बीच, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त चुनाव अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि वोटों की गिनती कड़ी सुरक्षा और चुनाव आयोग के निर्देश के तहत निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से की जाएगी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में पहले चरण में मुजफ्फरनगर, बुढाना, पिरकाजी, खतोली, मुरापुर और चरथवाल समेत छह विधानसभा सीटों पर 10 फरवरी को मतदान हुआ था।

# दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए खुशखबरी, 15 दिनों के भीतर शुरू हो जाएगा आश्रम अंडरपास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आश्रम चौक पर चल रहे अंडरपास का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम चरण में है जो 15 दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा और यह अंडरपास 22 मार्च से ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। सोमवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ अंडरपास के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इसके साथ-साथ उपमुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन आश्रम फ्लाईओवर व प्रगति मैदान के पास बन रहे अंडरपास के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

इस मौके पर श्री सिसोदिया ने कहा कि कोरोना के कारण लॉकडाउन की वजह से पिछले साल आश्रम अंडरपास के निर्माण कार्य को कई बार रोकना पड़ा। इससे अंडरपास के काम को पूरा होने में देरी हुई है लेकिन अब अंडरपास का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में चल रहा है और 15 दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 22 मार्च से इस अंडरपास को ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा जिससे रोजाना लाखों लोगों को फायदा होगा।

उपमुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने अधिकारियों के साथ आश्रम फ्लाईओवर व प्रगति मैदान से निजामुद्दीन के बीच चल रहे अंडरपास के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की व संबंधित अधिकारियों को तेजी के साथ निर्माण कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए ताकि लोग जल्द इन रास्तों का प्रयोग कर सके। श्री सिसोदिया ने बताया कि आईटीओ, रिंग-रोड, केन्द्रीय सचिवालय, इंडिया गेट, सेंट्रल दिल्ली जाने के लिए रोजाना लाखों लोग इन रास्तों का प्रयोग करते है। इसका ध्यान रखते हुए जल्दी ही यहां निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आश्रम फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अगस्त तक व दिल्ली सरकार व केंद्र सरकर के सहयोग से बन रहे प्रगति मैदान अंडरपास का कार्य मई महीने तक पूरा हो जाएगा।

- उपमुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री मनीष सिसोदिया ने आश्रम अंडरपास के निर्माण कार्य का लिया जायजा
- आश्रम अंडरपास का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में, 22 मार्च से खुल जाएगा ट्रैफिक, रोजाना लाखों लोगों को होगा फायदा : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

## उतरैणि रजत जयंती समारोह में हुआ नवीन जोशी 'नवल' के कुमांऊनी बाल उपन्यास का विमोचन

नयी दिल्ली। कवि एवं साहित्यकार नवीन जोशी ह्यनवलह्ण के द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार यशपाल निर्मल द्वारा लिखित डोगरी बाल उपन्यास ह्यछुट्टियांह्ण का कुमाऊंनी भाषा में अनुदित पुस्तक ह्यछुट्टिह्ण का विमोचन उत्तराखंड लोकपर्व उतरैणि रजत जयंती समापन समारोह में स्थानीय विधायक श्री संजीव झा के द्वारा किया गया।

विदित है कि बुराड़ी में विगत २५ वर्षों से कुमाऊं सांस्कृतिक कला मंच के तत्वावधान में उत्तराखंड लोकपर्व उतरैणि का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दो दिवसीय रजत जयंती कार्यक्रम ५ मार्च को भव्य शोभायात्रा और ६ मार्च को स्वर कोकिला कौशल पाण्डे के नेतृत्व में अनेक प्रसिद्ध गीतकार एवं संगीतकारों द्वारा उत्तराखंड गीत माला की सुंदर प्रस्तुति का आयोजन किया गया।जिसमें हजारों की संख्या में उत्तराखंड प्रवासी एवं समस्त क्षेत्रवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस कार्यक्रम के संयोजक व संचालक गिरीश जोशी व संस्था के संरक्षक वास्वानंद नैलवाल, अध्यक्ष खीम सिंह रावत ने नवीन जोशी ह्यनवलह्ण द्वारा अनुवादित कुमाऊँनी बाल उपन्यास ह्यछुट्टिह्ण का विमोचन करवाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तरी विभाग कार्यवाह श्रीमान देवेंद्र जोशी, निगम पार्षदा रेखा सिन्हा, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव खारी, डॉ० सुभाष शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, गोपाल झा, संध्या कुमारी, भारती जोशी, नीना शर्मा, शरद दीक्षित, भरत पटेल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### कोविड से मौतों का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने पर जांच का आदेश दे सकता है सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डॉक्टरों द्वारा कोविड-19 से हुई मौतों के लिए अनुग्रह राशि का दावा करने के लिए लोगों को फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वह इस मामले की जांच का आदेश दे सकता है। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमआर शाह की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया कि कोविड की मृत्यु से संबंधित दावों को प्रस्तुत करने के लिए एक बाहरी सीमा तय की जा सकती है, अन्यथा प्रक्रिया अंतहीन हो जाएगी। मेहता ने कहा शीर्ष अदालत ने आदेश दिया है कि डॉक्टर के प्रमाण पत्र के आधार पर अनुग्रह राशि की अनुमति दी जा सकती है और कुछ मामलों में इसका दुरुपयोग किया गया है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि वह मामले की स्वतंत्र जांच का आदेश दे सकती है और मामले को अगले सोमवार के लिए स्थगित कर दिया। फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट पर चिंता जताते हुए बेंच ने कहा, चिंता की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा दिया गया फर्जी सर्टिफिकेट एक बहुत गंभीर मुद्दा है। शीर्ष अदालत, अधिवक्ता गौरव बंसल द्वारा कोविड पीड़ितों के परिवारों को राज्य सरकारों द्वारा अनुग्रह मुआवजे के वितरण के संबंध में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने मेहता की दलीलों से सहमति जताई कि कोविड की मौत के दावों को दर्ज करने के लिए एक समय सीमा होनी चाहिए। पीठ ने कहा कुछ समय-सीमा होनी चाहिए, अन्यथा प्रक्रिया अंतहीन रूप से चलेगी। न्यायमूर्ति शाह ने फर्जी कोविड मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले डॉक्टरों के संबंध में केरल सरकार के वकील से सुझाव मांगे। पीठ ने कहा कृपया सुझाव दें कि हम डॉक्टरों द्वारा जारी किए जा रहे फर्जी प्रमाणपत्रों के मुद्दे पर कैसे अंकुश लगा सकते हैं। शीर्ष अदालत विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा कोविड-19 मौतों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि के वितरण की निगरानी कर रही है।

### पंजाब को लेकर नतीजों से पहले अमित शाह से मिले कैप्टन अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा के चुनाव संपन्न हो गए और अब 10 मार्च को आने वाले परिणामों के लेकर सभी दले को प्रतीक्षा है। लिहाजा सूबे में राजनीतिक हलचले बढ़ हैं। इन सबके बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आज नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। हालांकि जब कैप्टन अमरिंदर सिंह से बातचीत को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह गृह मंत्री के साथ सामान्य चर्चा थी। पंजाब चुनाव को लेकर परिणाम आने के बाद विस्तृत चर्चा होगी। बैठक में पंजाब के विषयों पर चर्चा हुई है। उन्होंने साफतौर पर इस बात से इंकार कर दिया कि बैठक में चुनाव को लेकर कोई चर्चा हुई है। उन्होंने साफ कहा कि परिणाम अभी तक आए नहीं हैं, इसलिए इस पर चर्चा नहीं हुई है। नतीजों को लेकर जब कैप्टन अमरिंदर सिंह से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं कोई पंडित नहीं हूं। मैं कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो भविष्यवाणी कर सके।

## दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया कला शिविर आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 मनाने के लिए नई दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नई दिल्ली जिला प्रशासन के सहयोग से 4 और 5 मार्च 2022 को 10:30 बजे से पूर्वाह्न से 05:00 बजे तक पटियाला हाउस कोर्ट के लॉन में 'जागरूक, नारी' विषय के साथ एक कला शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली भर से कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कला शिविर का उद्घाटन शैलेंद्र कौर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नई दिल्ली (कार्यवाहक), कंवलजीत अरोड़ा, सदस्य सचिव डीएसएलएसए और गीता ग्रोवर, एसडीएम चाणक्य पुरी द्वारा किया गया।। कंवलजीत अरोड़ा ने रेखांकित किया कि महिला को अपने जीवन में विभिन्न भूमिकाएँ निभानी होती हैं और कहा कि हर साल हर व्यक्ति के जीवन में महिलाओं के महत्व और महत्व का जश्न मनाने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जाता है। महिला दिवस हर क्षेत्र में महिलाओं को पहचानता और मनाता है गीता ग्रोवर, एसडीएम चाणक्य पुरी ने सुमीत आनंद, सचिव, डीएलएसए को कलाशिविर आयोजित करने की अवधारणा और विचार करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उन महिलाओं को मनाने का दिन है जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हर दिन कड़ी मेहनत करती हैं। शैलेंद्र कौर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नई दिल्ली (कार्यवाहक) ने साझा किया कि कभी-कभी शब्द महिलाओं के काम और ज्ञान को चित्रित करने में असफल होते हैं लेकिन इस कला कार्य के माध्यम से कलाकार महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त कर सकते हैं।हरजोत सिंह भल्ला, न्यायाधीश एमएसीटी, नई दिल्ली ने भी कला शिविर में भाग लिया। डीएलएसए इस कला कार्य को अपने भविष्य के कार्यक्रमों और पुस्तिकाओं में उपयोग करने का इरादा रखता है। कला शिविर के बाद कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

## पीएम मोदी ने पुतिन से 50 मिनट की बात, राष्ट्रपति जेलेंस्की से सीधी बातचीत करने का आग्रह

### प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस और यूक्रेन वॉर पर कूटनीतिक गलियारों से बड़ी खबर आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन संकट पर रुसी राष्ट्रपति से लंबी बातचीत की है। यूक्रेन संकट पर ये दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच दूसरी बातचीत है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से 50 मिनट तक लंबी बातचीत की है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ सीधी बातचीत करने का आग्रह किया है। इसपर राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के सुमी शहर से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस द्वारा सीजफायर घोषणा के लिए राष्ट्रपति पुतिन की तारीफ की। इससे पहले पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की थी। सरकार के टॉप सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार की सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से लंबी बात की है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच लगभग 11.30 बजे 35 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन में पैदा हुई युद्ध की स्थिति पर चर्चा की और इसके अलग अलग आयामों पर विचार किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी सीधी बातचीत की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने में यूक्रेन सरकार द्वारा दी गई सहायता के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सुमी से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए यूक्रेन सरकार से समर्थन की मांग की।

बता दें कि भारत की चिंता सुमी शहर में फंसे अपने नागरिकों को निकालने की है। इस बीच राष्ट्रपति पुतिन ने कीव, सुमी, खारकीव और मारियूपोल में युद्ध विराम का ऐलान कर दिया है।पीएम मोदी कुछ दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात कर चुके हैं।पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बात की थी। इस बीच बड़ी खबर है, पीएम मोदी से रूसी राष्ट्रपति पुतिन की वार्ता के बीच रूस ने चार इलाकों में सीजफायर का ऐलान किया है। इससे यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र-छात्राओं को भी राहत मिलेगी और जल्दी से उन्हें युद्ध क्षेत्र से निकाला जा सकेगा।

## जनता ने सोच समझ के वोट दिया होगा वही लेगी सही निर्णय : प्रियंका गांधी

-यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी, नतीजे 10 मार्च को आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सोमवार 7 मार्च को अंतिम चरण के लिए मतदान संपन्न हो गया। इसी के साथ यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में आज चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। लेकिन आज मतदान के बाद शाम को एग्जीट पोल आएंगे। इनसे काफी हद तक साफ हो जाएगा कि किस राज्य में किसकी सरकार बन रही है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर 7 चरणों में चुनाव हुई हैं, जबकि पंजाब (117 सीट), गोवा (40 सीट), उत्तराखंड (70 सीट) में एक चरण में चुनाव हुए थे। वहीं, मणिपुर की 60 सीटों पर दो फेज में चुनाव हुए हैं। उत्तर प्रदेश चुनाव पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जनता जिस तरह से चुनाव में मतदान कर रही है और भाजपा के नेताओं को आइना दिखा रही है उससे साफ है कि सपा की सरकार आ रही है। भाजपा के नेताओं में परेशानी और चिंता से साबित होता है कि वहां (उत्तर प्रदेश में) समाजवादी पार्टी जीत रही है। बता दें कि आज यूपी में आखिरी चरण की वोटिंग चल रही है। उत्तराखंड में इस बार 632 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 626 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया है। इनमें से 17 फीसदी यानी 107 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे ज्यादा कांग्रेस ने 23 दागी उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं, बीजेपी के 13, आप के 15, बीएसपी के 10 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उत्तर प्रदेश में सभी 403 सीटों पर कुल 4442 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 4406 सीटों का विश्लेषण किया है। इन 4406 उम्मीदवारों में से करीब 26 फीसदी यानी 1142 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। यूपी में 7वें चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। एक बजे तक 35.51 प्रतिशत वोटिंग हुई है। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है। जनता ने किसे कितने वोट दिए हैं इसका असली एग्जिट पोल 10 मार्च को सामने आएगा।

## समाजसेवी संजय अग्रवाल व आप पार्टी कार्यकर्ता मंजू संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम आयोजित किया

» जावेद खान, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार में स्थित महाराजा बैंकुअट में सरस्वती विहार वार्ड-65 एन आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता संजय अग्रवाल व भावी उम्मीदवार मंजू संजय अग्रवाल द्वारा आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी पश्चिम विहार के अध्यक्ष डॉ अरुण गुप्ता, महाराजा अग्रसेन भवन के अध्यक्ष सतीश अग्रवाल, वार्ड-67 एन की संगठन मंत्री शालू दुग्गल, समाजसेवी देशराज सिंघला, बवाना इंडस्ट्री के चेयरमैन प्रकाश चंद जैन सहित आम आदमी पार्टी पश्चिम विहार व सरस्वती विहार के सभी पदाधिकारी एंव कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में आम आदमी पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता संजय अग्रवाल ने सम्मेलन में उपस्थित जनता को मुख्यमंत्री अरवींद केजरीवाल और स्थानीय विधायक डॉ सत्येंद्र जैन के कार्यों से अवगत करवाया और आगामी नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी का समर्थन देने की अपील की। इस अवसर पर वार्ड-65 एन सरस्वती विहार की भावी उम्मीदवार मंजू संजय अग्रवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले नगर निगम चुनाव में अगर आप पार्टी उन्हें उम्मीदवार के रुप में मौका देती हैं तो वह अपने क्षेत्र में विकास कार्य करेंगी और अपने क्षेत्र को गंदगी मुक्त बनाएंगी। इस सम्मेलन में उपस्थित जनता ने आम आदमी पार्टी का समर्थन किया।

## दिल्ली के नजफगढ़ में 346 किमी सीवर लाइन बिछाने का काम हुआ शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की विभिन्न अनधिकृत कॉलोनियों में 505 किलोमीटर सीवर नेटवर्क बिछाने का काम शुरू कर दिया है। इसी के तहत जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने सीवेज सिस्टम को मजबूत कर यमुना को साफ करने के उद्देश्य से रविवार को नजफगढ़ में 346 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन का शिलान्यास किया। इस दौरान सत्येंद्र जैन ने कहा कि, ह्लसीवरों को इंस्टॉल किए जाने से क्षेत्र के हजारों निवासियों को लाभ होगा। वर्तमान में, क्षेत्र में उत्पन्न सभी सीवेज को स्थानीय तालाब, सेप्टिक टैंक और स्टॉर्मवाटर ड्रेन में छोड़ा जाता है। नाले का निर्वहन अप्रत्यक्ष रूप से यमुना में जाता है। वहीं सरकार के अनुसार, परियोजना के पूरा होने पर, 76 कॉलोनियों और नजफगढ़ और उसके आसपास के 26 गांवों में लगभग 8 लाख लोगों को लाभ होगा। नजफगढ़ नाले के माध्यम से सीवेज नदी में चला जाता है, जिससे इसके प्रदूषण स्तर में वृद्धि होती है। इस जल-प्रदूषणकारी सामग्री को कम करने के लिए, सीवेज को इकट्ठा करने और पास के एक संयंत्र में इसका ट्रीटमेंट करने के लिए सीवर लाइनें बिछाई जाएंगी। जैन ने कहा कि यह काम 15 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। वहीं इस मौके पर मौजूद परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि,ह्लयह सभी नजफगढ़ निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। पिछली सरकारों ने दिल्ली के गांवों को 70 साल से अधिक समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में बाहरी दिल्ली के गांव और कॉलोनियां हर दिन विकास की नई कहानियां लिख रही हैं। पानी की पाइप लाइन उपलब्ध कराने के बाद अब हम ग्रामीण क्षेत्र के हर घर को सीवर लाइन से जोड़ेंगे। इसी तरह मटियाला में 159 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन का शिलान्यास जैन ने स्थानीय क्षेत्र के विधायक गुलाब सिंह के साथ मिलकर किया। ये ज्यादातर अनधिकृत कॉलोनियां हैं और इस परियोजना से आठ कॉलोनियों और 11 गांवों में रहने वाले लगभग 15 लाख लोगों को लाभ होगा। जैन ने कहा, ह्लसीवर लाइनें बिछाना मटियाला के गांवों के विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में काम करेगा।ह्व बता दें कि हाल ही में, दिल्ली सरकार ने बवाना और नरेला निर्वाचन क्षेत्रों की 16 अनधिकृत कॉलोनियों में भी 80 किमी और 10 किमी सीवर लाइनों की नींव रखी थी। क्षेत्र के सभी घरों को सीवेज नेटवर्क से जोड़ने के लिए संगम विहार और देवली में 71.51 किमी लंबी सीवर लाइन बिछाई गई थीं।

## जन औषधि योजना से लोगों को मिल रही हैं सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयां: आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ह्यजन औषधि दिवसह्ण के उपलक्ष्य में वर्चुअल संबोधन का आयोजन आज गोविंदपुरी में किया गया जिसमें वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम श्री नरेन्द्र मोदी ने जन औषधि केंद्र के मालिकों और योजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी एवं सांसद श्री रमेश बिधूड़ी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज जन औषधी योजना महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधित सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह योजना भारत में एक मौन क्रांति के रुप में हमारे सामने आया है। प्रदेश के गोविंदपुरी में जन औषधी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मांडविया ने कहा कि आज कई युवाओं को इस जन औषधि योजना के तहत रोजगार भी मिला है। इस योजना माध्यम से कोई भी जिसके पास मेडिकल स्टोर खोलने का सर्टिफिकेट हो, एक सिंगल पेज फॉर्म भरने मात्र से वह जन औषधि केंद्र खोल सकता है क्योंकि इसकी प्रक्रिया बहुत ही आसान है। जन औषधि परियोजना आम जन को सस्ती एवं उत्तम दवाईयां उपलब्ध करवा रही हैं।

श्री मनसुख मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि योजना गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों का साथी बन चुका है क्योंकि कम दामों में उन्हें जेनरिक दवाएं उपलब्ध हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि जन औषधि जन उपयोगी साबित हुआ है। जिस तरह से प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रमों चाहे वह मन की बात हो, लाल किले से भाषण हो या फिर संसद के अपने संबोधन में जन औषधि के बारे में बताते हैं, उसस लोगों को प्रोत्साहन मिलता है और इसके प्रति लोगों की रुचि और बढ़ती है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने सभी को भारत के प्रतीक जन औषधि दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश भर में 8664 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से जनता को सस्ती व गुणवत्तापूर्ण 1400 से अधिक दवाएं उपलब्ध करा रही है जिससे पिछले सात सालों में जरुरतमंदों के लगभग 13000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि जब लोग बिमार होते थे तो मंहगाई के कारण वे अपना इलाज करा पाने में असहाय महसूस करता था या वे अपना इलाज नहीं करा पाते थे। लेकिन आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गरीब एवं असहाय लोगों को भी जन औषधि योजना एवं आयुष्मान योजना के तहत स्वास्थ लाभ पहुंचाने का काम किया है।

श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि ह्यटेलीमेडिसिनह्ण भारत में एक क्रांति लेकर आया है जिससे दूरदराज ग्रामिण क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भी बेहतर चिकित्सा परामर्श एवं विशेषज्ञों से किसी भी बिमारी के बारे में जानकारी मिल रही है। जो लोग बिमारी का इलाज कराने के लिए शहरों का रुख लेते थे आज उन्हें टेलीमेडिसिन के माध्यम से पैसा और आने-जाने का खर्च दोनों की बचत हो रही है। उन्होंने मनसुख मांडविया को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज दिल्ली के हर एक वार्ड के अंदर जन औषधि केंद्र के खुलने से आम जन और गरीब व्यक्ति भी सस्ती एवं अच्छी दवाइयों का लाभ ले रहे है।

नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में वायदा किया था कि वह प्रदेश में आयुष्मान योजना को लागू करेंगे लेकिन आज तक उसे लागू नहीं किया। केजरीवाल को डर है कि कही आयुष्यमान योजना लागू करने से जो गरीबों को अस्पतालों के अंदर लूटा जाता है, वह लूट की कमाई कम न हो जाए।

संक्षिप्त समाचार

## केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कृष्णा यादव के परिजनों को बंधाया ढांढस

मदरलैंड संवाददाता, सिकंदराराऊ केंद्रीय मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने नगर के मोहल्ला गौसगंज निवासी हिंदूवादी व भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री कृष्णा यादव की असामयिक मृत्यु पर शोक जताया। बता दें कि कृष्णा यादव भारतीय जनता पार्टी के लिए सक्रिय रूप से पिछले कई वर्षों से कार्य कर रहे थे। वह प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए उनके विधानसभा क्षेत्र करहल भी गए थे। तीसरे चरण में जिस दिन मतदान चल रहा था। उसी दिन उनकी मौत हो गई। बघेल ने कहा कि कृष्णा यादव पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता थे। उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति पहुंची है। वह मेरे चुनाव में भी सहयोग करने के लिए गए थे। इस अवसर पर पंकज पचौरी, रामेश्वर यादव, अमन गुप्ता, अनुज यादव, संतोष यादव, रवि यादव, तन्नू यादव, राज वार्ष्णेय, नितिन यादव, सत्ता यादव, जीतू यादव, अर्जुन यादव, शिवम्यादव, योगेश कुमार, कृष्णवीर सिंह, अंकुश यादव आदि मौजूद थे।

## नगर में भव्यता के साथ निकली खाटू श्याम की निशान यात्रा

फैजान भारती, मदरलैंड संवाददाता, सिकन्दराराऊ– कस्बा में सोमवार को बाबा श्री खाटू श्याम की निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ मोहल्ला बगिया बढ़ सैनी से हुआ। यात्रा कस्बा के विभिन्न मार्गों से होती हुई गुजरी। श्याम प्रमियों ने यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। यात्रा के दौरान युवाओ एवं महिलाओं ने बढ़चढ़ भाग लिया। हारे के सहारे खाटू श्याम हमारे के जयघोषों से नगर का वातावरण भक्ति में हो गया। यात्रा के दौरान युवा भक्ति के भजनों पर थिरकते हुए नजर आए। यात्रा में कृष्ण कुमार राघव, गौरव वार्ष्णेय, सौरभ सांवरिया, विवेक कुमार, विशाल दरगढ़, चेतन शर्मा, गौरव वर्मा, बंटी खलीफा, पिंटू नेताजी, पारस गुप्ता, आर्य, शिवम माहेश्वरी, अभिषेक वार्ष्णेय, सोहित माहेश्वरी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विक्की राइडर, मोनू सेठ, रिंकू भैया, आलोक वर्मा, अरुण पचौरी, सोमेश पंडित, सुनील पचौरी, कुशल उर्फ पीलू, प्रकाश कश्यप, कमल वार्ष्णेय, नितिन माहेश्वरी, सोनू, दीपक, आशीष महाजन, शेर सिंह, गोपाल पाठक, दीपांशु शर्मा आदि श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

## अज्ञात कारणों से झोपड़ी में लगी आग, तीन जानवर झुलसे

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र के बल्लमपुर सिगनी में अज्ञात कारणों से झोपड़ी में लगी आग से एक गौवंश सहित तीन जानवर घायल हो गए। ग्रामीणों ने बमुश्किल जब तक आग पर काबू पाया तब तक गौवंश गम्भीर रूप से घायल हो चुके थे। थाना क्षेत्र के ग्राम बल्लमपुर निवासी रामनरेश यादव की झोपड़ी में दो भैंस व एक गौवंश बंधा था। सोमवार को लगभग 4 बजे झोपड़ी में धुआं निकला जब तक कुछ समझ पाते तब तक झोपडी में लपटें निकलने लगीं, आग की लपटों को देखते ही घर के लोग चिल्लाने लगे। आनन फानन में झोपड़ी से बमुश्किल से जानवरों को निकालकर आग पर काबू पाया गया। तब तक झोपड़ी जलकर राख हो चुकी थी। रामनरेश ने बताया कि आग की लपटों से उनकी एक भैंस झुलस गई व गौवंश गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिसका उपचार चल रहा है।

## मेंड काटने से रोकने पर की मारपीट

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी/किशनी। शमशेरगंज निवासी विमलेश पुत्र आछेलाल ने तहरीर दी कि उनके गांव के गिरन्द पुत्र बांकेलाल, अनुज पुत्र गिरन्द शाक्य ने उनके खेत की मेंड काट ली थी। जब उन्होंने उक्त लोगों से पूछताछ की तो दोनों ने उन्हें गालियां दीं औा मारपीट की। उनके सर, पैर तथा हाथों में चोटें आगई। चीखपुकार करने पर गांव के लोगों ने आकर बचाया।

## फ्रन्ट पर खरीदी दस फुट जमीन, लेकिन कब्जा कर रहे साठ फुट पर

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी/किशनी। गांव लक्ष्मीपुर समान निवासी दयाराम पुत्र सुमेर ने तहरीर दी कि गांव में उनकी जमीन जिसका गाटा संख्या 3913/0.405है0 है। उन्होंने बताया कि उन्होंने उक्त गाटा संख्या में से फ्रन्ट पर 10 फुट जमीन गांव बल्लमपुर निवासी प्रमोद यादव पुत्र रक्षपाल सिंह को बेच दी थी। अब उक्त क्रेता उनकी जमीन पर अबैध कब्जा करने के उद्देश्य से साठ फुट पर अपनी निहास भर रहा है। उन्होंने अबैध कब्जा रोकने की मांग की है।

## शराब पीकर पत्नी को धमकी देता है कि दूसरी शादी करेगा, पीडिता ने दी तहरीर

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी/किशनी। ज्योतिकुमारी पत्नी सुनील जाटव ने निवासी नगला दनू ने तहरीर दी कि उसका पति सुनील पुत्र बृजेश जाटव अक्सर शराब पीकर घर पर आता है और उनके साथ मारपीट करता है। पीडिता ने बताया कि जब पति मारपीट करता है तो ससुराल पक्ष का कोई सदस्य उनको बचाने भी नहीं आता है। शराब के नशे में उनका पति दूसरी शादी करने की धमकी भी देता है। परेशान होकर वह अपने भाई के साथ पुलिस की मदद लेने आई है। पुलिस ने सुनील को शान्तिभंग की धारा में पावन्द कर दिया है।

# जिलाधिकारी ने मिशन इन्द्रधनुष टीकाकरण अभियान का फीता काटकर किया शुभारंभ

» मदरलैंड संवाददाता

एटा। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने सोमवार को प्रातः शांति नगर में लगे बूथ पर मिशन इन्द्रधनुष टीकाकरण अभियान का फीता काटकर बच्चों को ड्रॉप पिलाकर शुभारंभ किया। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन बच्चों का टीकाकरण किया जाना है उनकी ड्यूलिस्ट समय से तैयार कर टीकाकरण किया जाए। अभियान में लगे अधिकारी कर्मचारी सौंपे दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करें जिससे कि जनपद में इस अभियान को सफल बनाया जाए। जो बच्चे गत अभियान के दौरान छूट गए हैं उन पर विशेष रूप से फोकस कर उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत सघन मिशन इन्द्रधनुष 4 का प्रथम चरण 15 मार्च को सम्पन्न होगा।

प्रथम चरण के लक्ष्य के अन्तर्गत 1568 सत्र नियोजित किये गये हैं जिनके अन्तर्गत 0 से 2 वर्ष के 18025 बच्चों एवं 5757 गर्भवती स्त्रियों को टीकाकरण से आच्छादित किये जाने हेतु चिन्हांकन किया गया है। इस अभियान के अन्तर्गत 0 से 02 वर्ष तक के ऐसे सभी बच्चों को जिनके नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत लगायी जाने वाली कोई भी वैक्सीन की डोजबूस्टर यदि छूटा हुआ है तो उन्हें उन सभी छूटी हुई वैक्सीन की खुराकों से सघन मिशन इन्द्रधनुष 4 के तीनों चरणों में सुनियोजित तरीके से आच्छादित करते हुए उनका सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जाना है।

गर्भवती स्त्रियों का भी छूटी हुई टी0डी0 वैक्सीन की खुराकों से शतप्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित किया जाए। इस प्रकार 0 से 02 वर्ष तक के समस्त बच्चों को विभिन्न बीमारियों तथा टीवी काली खॉसी गला घोटूं टिटनस पोलियो जानलेवा निमोनिया पीलिया जानलेवा दस्त खसरा रूबेला रतोधी आदि बीमारियों से सुरक्षा कवच प्रदान किया जाना है तथा समस्त गर्भवती स्त्रियों को रूबेला बीमारी से बचाने हेतु एवं नवजात शिशुओं को नवजात टिटनस की बीमारी से बचाने हेतु सुरक्षा कवच प्रदान किया जाना है।

इस अवसर पर एसीएमओ डा0 राम सिंह एमओआईसी डा0 रिषभ सक्सैना यूनीसेफ डीएमसी आलोक कुमार आदि मौजूद रहे।

# सीओ व कोतवाल ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

» मदरलैंड संवाददाता

सिकंदराराऊ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पेट्रोल पंप, एटीएम, ग्राहक सेवा केन्द्र आदि के सुरक्षार्थ संदिग्ध दोपहिया व चार पहिया वाहनों की चैकिंग हेतु विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया। सोमवार को पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में जनपद में पेट्रोल पंप, एटीएम, ग्राहक सेवा केन्द्र तथा अन्य संस्थानों के सुरक्षार्थ व दो पहिया एवं चारपहिया वाहनों की सघन चेकिंग हेतु विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया। जिसके क्रम में क्षेत्राधिकारी सुरेन्द्र सिंह एवं प्रभारी अशोक कुमार सिंह एवं चौकी प्रभारियों द्वारा मय पुलिस फोर्स के अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले पेट्रोल पंप, एटीएम, ग्राहक सेवा केन्द्र एवं लेन-देन के महत्वपूर्ण स्थानों पर पहुंचे और थाना क्षेत्र में स्थान चिन्हित कर बैरियर लगाकर सघन चैकिंग की गई तथा पुलिस द्वारा पेट्रोल पंप पर जा कर सीसीटीवी कैमरों की दिशा एवं दशा चेक की गई। साथ ही सभी प्रबन्धकों से सकुशलता जानी गयी। इस अभियान के दौरान अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही एवं शांति व कानून व्यवस्था के दृष्टिगत विभिन्न पॉइंट्स व क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की बैरियर लगाकर चैकिंग की गयी। जिसमें तेज रफ्तार मोटरसाईकिल सवार व्यक्तियों, मोटरसाईकिल सवार नई उम्र के लडकों, बिना नम्बर प्लेट वाहन, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों को चैक कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की गयी। वाहन चेकिंग व तलाशी अभियान के दौरान तेज गति से वाहन चलाने, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, बिना हेलमेट चलने वाले, चार पहिया वाहन में बिना सीट बेल्ट यात्रा करने वाले व्यक्तियों का मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया गया एवं लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया।

# अर्पित शाक्य एवं परिजनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जताया आभार

» अंटू मिश्रा, मदरलैंड संवाददाता

एटा। जिला चिकित्सालय सम्बद्ध वीरांगना अवंतीबाई लोधी स्वाासी मेडिकल कालेज के चीफ फामार्सिस्ट डा0 नरेश शाक्य निवासी आवास विकास कालोनी के पुत्र अर्पित शाक्य डेनिप्रो विश्वविद्यालय यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। उनको पांच वर्ष हो चुके हैं। वह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में ही रहते हैं। अर्पित शाक्य ने बताया कि 23 फरवरी को उनके हॉस्टल के पास तेज धमाका हुआ जब उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो पता चला कि डेनिप्रो एयरपोर्ट पर रूस की मिसाइल गिरी थी। जिसे देखकर हॉस्टल में रह रहे सभी छात्र घबरा गये और सोचने लगे कि अब यहां रहना सुरक्षित नहीं है तो सभी ने अपने वतन आने का मन बना लिया। यूक्रेन के अन्य हिस्सों में दिन प्रतिदिन हालात बिगड़ते जा रहे थे। उड़ानें भी रद्द कर दी गयी थीं। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि अब यहां से बाहर कैसे निकला जाए परन्तु इसी बीच सीमावर्ती देशों से भारत ने उड़ान शुरू करा दीं। लेकिन वहां तक भी पहुंचना भी एक बड़ी चुनौती भरा था।

डेनिप्रो से रोमानिया बार्डर की दूरी लगभग 1300 किमी है। बसें आसानी से नहीं मिल रही थीं। स्थानीय मित्रों की सहायता से एक बस मिली जिसमें भारत आने वाले हम 60 छात्रों को 7 लाख रूपया किराये के रूप में देने पड़े। रास्ते भर में चैक पोस्टों पर बस की कड़ी चेकिंग की गईं परन्तु रोमानिया बॉर्डर पर किसी तरह की कोई समस्या नहीं हुई। 10 मिनट में सभी औपचारिकताएं पूरी करके रोमानिया के अंदर हम सभी छात्रों को प्रवेश दे दिया गया। रोमानिया कैम्प में रहने और खाने का इंतजाम भारतीय दूतावास की ओर से किये गये थे। 4 मार्च को प्रातः सुसेवा एयरपोर्ट से उन्हें फ्लाइट मिली। 5 को सुबह 6 बजे वह दिल्ली पहुंच गये। उसके बाद टैक्सी से अपने निवास स्थान एटा आ गये।

अर्पित के घर पहुंचते ही उनके माता पिता एवं अन्य परिवारीजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राहत की सांस ली अर्पित की मां ने मिष्ठान खिलाकर अर्पित का स्वागत किया।

# मतगणना कार्मिकों को जनेश्वर मिश्र सभागार में दिया गया प्रशिक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

एटा। आगामी 10 मार्च को प्रातः 8 बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाए सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कृषि उत्पादन मण्डी समिति में मतगणना सम्पन्न कराई जाएगी। मतगणना को सम्पन्न कराने हेतु 368 मतगणना कार्मिकों को तैनात किया गया है जिनको दो चरणों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ईवीएम की मतगणना हेतु विधान सभावार 14 - 14 टेबल की व्यवस्था की गई है तो वहीं पोस्टल बैलेट की मतगणना हेतु 4 - 4 टेबिल लगाई जाएंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को जनेश्वर मिश्र सभागार में गणनाकार्मिकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के दौरान मतगणना को सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। मतगणना कार्य को पूर्ण निष्पक्षतापूर्वक सम्पादित किया जाए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी मतगणना के दौरान पूर्ण सावधानी भी बरती जाए। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे गणना कार्मिकों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान जो भी जिज्ञासाएं आएं उनको दूर किया जाए जिससे कि मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

डीईओ ने कहा कि गणना कर्मी यह सुनिश्चित करें कि मतगणना के दौरान कन्ट्रोल यूनिट को ऑन करने पर किसी भी प्रकार का कोई एरर डिस्प्ले होता है अथवा अन्य किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसे तत्काल आर0ओ0 को अवगत कराया जाए तथा आर0ओ0 के निदेर्शों का अनुपालन करेंगे। मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन सिगरेट पान मसाला आदि ले जाना वर्जित है। गणना कर्मियों को 9 मार्च को द्वितीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। मतगणना स्थल पर समस्त कर्मियों के खानपान जलपान की भी व्यवस्था की गई है।

प्रभारी अधिकारी कार्मिक डा0 अवधेश कुमार वाजपेयी ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर कुलदेव सिंह, पीडी निर्मल कुमार द्विवेदी, बीएसए संजय सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण गणना कार्मिक आदि मौजूद रहे।

# श्री श्याम प्रभू खाटू धाम व बाबा मोहनराम के मेले पर श्रद्वालूओं के जत्थे पहुंच रहे हैं

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। श्री श्याम प्रभू खाटूधाम पर चल रहे फल्गुन मेले को लेकर जिला से बडी तादाद में श्रद्वालू कांधे पर बाबा का ध्वज लिए भजन मंडलियां पैदल व निजि वाहनों से गंतव्य पर कूच कर रहे हैं। खाटूश्याम जाने से पूर्व सामुहिक जत्थों का जोरदार ढंग से स्वागत किया जा रहा है।

उधर दूसरी तरफ प्रसिद्व बाबा मोहनराम के काली खोली धाम में लगे फल्गुन मेले को लेकर पंजाब, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, मध्ययप्रदेश, दिल्ली, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल आदि राज्यों के श्रद्वालू दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी काल नियमों में सरकारी तौर से हुए बदलाव से श्रद्वालूओं में अच्छा खासा उत्साह हैं। जबकि गत वर्ष कोरोना की वजह से मेले पर प्रशासनिक रोक लगी हुई थी।

यहां, यह बताना जरूरी है कि बाबा मोहनराम के काली खोली धाम पर रक्षाबंधन व होली के मौके पर वर्ष में दो बार मेलों का आयोजन होता है और मेले में लाखों की तादाद में देश के कोने-कोने से दर्शन करने भक्तजन पहुंचते हैं। कोरोना काल में मेले पर रोक लगी रहने के बावजूद श्रद्वालू बाहर से ही बाबा के दर्शन कर लोट जाते थे। लेकिन इस बार कोरोना नियमों में किए गए बदलाव से श्रद्वालूओं की आवाजाही शुरू हैं। तावडू सीमा से गुजर रहे भक्तजन दंडवती (पेट पलनिया), पैदल व संगीत-भजनों की टोलियां बाबा का ध्वज लिए जय बाबा मोहनराम के जयघोष नारों से क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। शिव-शनि पीठ डिढारा (तावडू) पर भक्तों के ठहरने, चाय-नाश्ता, भोजन, चिकित्सा आदि की भी व्यवस्था की हुई हैं। महंत नरेशगिरि ने बताया कि मंदिर प्रबंधन हर वर्ष खाटू श्याम व मोहनराम के फल्गुन मेले की श्रद्वालूओं के लिए व्यवस्था करता और इस बार भी हर तरह की व्यवस्था की हुई हैं।

# नूंह शहर में डाली जा रही सीवरलाईन में घटिया सामग्री का इस्तेमाल

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। नूंह शहर में डाली जा रही सीवरलाईन में ढक्कन व पाईप लाईन घटिया स्तर के होने से वह निर्माण के वक्त ही टूट रहे हैं, शहरवासियों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री लगाने से यह लाईन कुछ ही वर्ष में दम तोड देगी और गडडों पर लगे ढक्कन वाहनों के दबाव से टूटकर दुर्घटनाओं को न्यौता दे डालेंगे। जबकि इससे पहले शहर में डाली गई सीवरलाईन के ढक्कर, पाईप आदि टूट कर अब हादसों का कारण बने हुए हैं।

शहरवासी संजय कुमार, राजू, रवि, पवन, सुरेन्द्र सिंह, माटा आदि ने बताया कि नूंह शहर में डाली जा रही सीवरलाईन में घटिया सामग्री लगाई जा रही है जिससे करोडों रूप्ये की इस योजना का शहरवासी कोई खास लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। जबकि इससे पहले डाली गई लाईन दम तोड चुकी हैं। उन्होंने बताया कि लाईन में पतले पाईप, खस्ताहाल ढक्कन अभी से ही टूटने लगे हैं।

इस बारे में जलदाय विभाग के उप मण्डल अभियंता ने सोमवार सांय माना कि शहर में सीवरेज लाईन का कार्य प्रगति पर हैं और साथ ही दावा कर कहा कि निर्धारित मानकों के तहत ही निर्माण कार्य किए जा रहे हैं।

# मतगणना शुरआत से अंत तक निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ हो संपन्न:अविनाश

## मतगणना को लेकर चुनावी अधिकारियों ने तैयार की रूप रेखा

» अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जिला निवार्चन अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने गणना स्थल कृषि उत्पादन मंडी समिति में वरिष्ठ अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि मतगणना का कार्य बेहद संवेदनशील है, सभी आर.ओ., ए.आर.ओ. मतगणना से सम्बन्धित निवार्चन आयोग के निदेर्शों का भलि-भांति अध्ययन कर अपने दायित्वों, कतर्व्यों के प्रति पूरी तरह भिज्ञ हो लें ताकि मतगणना के दिन किसी प्रकार का संशय न रहे, अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के गणना अभिकताओं के पहचान पत्र तत्काल जारी कर दें, प्रत्येक विधान सभा में गणना हेतु लगने वाली 14 टेबल एवं पोस्टल बैलेट, ईटीपीबीएस मतपत्रों की गणना हेतु लगने वाली मेजों के अनुसार गणना अभिकताओं की तैनाती की जाये इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधान सभा में गणना अभिकर्ता के रिलीवर के रूप में भी प्रत्याशियों, उनके निवार्चन अभिकताओं से सूची लेकर फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी किया जाये, गणना अभिकताओं की तैनाती प्रत्येक दशा में सभी रिटर्निंग अधिकारी कल प्रातः तक प्रत्येक दशा में करना सुनिश्चित करें। उन्होने रिटर्निंग अधिकारियों से कहा कि स्ट्रॉग रूम से गणना पंडाल तक जाने वाले कन्ट्रोल यूनिट का पूरा प्लान तैयार कर लें, स्ट्रॉगरूम पर जिम्मेदार कामिर्कों की तैनाती की जाये, गणना प्रारंभ होने से लेकर समाप्ति तक पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदशिर्ता के साथ सम्पन्न हो, सुनिश्चित किया जाये।

श्री सिंह ने कहा कि गणना स्थल कृषि उत्पादन मंडी समिति में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है, मंडी परिसर में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकेगा इसलिए जिन कामिर्कों, गणना एजेंटों की तैनाती की जाये उन्हें तत्काल फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी किये जायें, किसी भी गणना कामिर्क, गणना अभिकर्ता, अन्य किसी भी व्यक्ति को इलैक्ट्रॉनिक गैजेट्स, मोबाइल, ज्वलनशील सामग्री ले जाने की इजाजत नहीं है, सभी को ड्यूटी पत्र, पहचान पत्र उपलब्ध कराते समय इस बारे में अवश्य बताया जाये। उन्होने अधिशाषी अभियंता लोक निमार्ण को निदेर्शित करते हुये कहा कि बैरीकेडिंग सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण करायी जायें, बैरीकेडिंग की मजबूती का विशेष ध्यान दिया जाये, संपूर्ण परिसर की ठीक प्रकार से सफाई करायी जाये, पीने हेतु स्वच्छ पानी की उपलब्धता के लिए प्रत्येक विधान सभा के गणना पंडाल के पास पानी के टैंकर की व्यवस्था रहे। उन्होने कहा कि गणना परिसर में सभी नगर निकायों से मोबाइल टॉयलेट मंगाकर स्थान चिन्हित कर खड़े कराए जाएं, गणना एजेंट, मतगणना कामिर्कों हेतु अलग-अलग स्थानों पर मोबाइल टॉयलेट उपलब्ध रहें, महिला कमिर्यों के लिए अलग से टॉयलेट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि कंट्रोल यूनिट का डिस्प्ले की रिकॉर्डिंग न हो, स्ट्रांग रूम से गणना पंडाल तक जाने वाली ईवीएम की निरंतर सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्डिंग रहे, गणना एजेंट की गतिविधियों के साथ-साथ सीलिंग के कार्य की भी निबार्ध रूप से सीसीटीवी के माध्यम से रिकॉर्डिंग कराई जाए, गणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएं प्रत्येक दशा में कल सुबह तक पूर्ण कर ली जाएं, बैरिकेडिंग, जाली की मजबूती का विशेष ध्यान रखा जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय, मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार, उप जिला निवार्चन अधिकारी राम जी मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी.पी. सिंह, रिटर्निंग अधिकारी मैनपुरी, भोगांव, किशनी, करहल, नवोदिता शर्मा, राज नारायण त्रिपाठी, जय प्रकाश, आर.एन. वर्मा, क्षेत्राधिकारी नगर अमर बहादुर सिंह, डिप्टी कलेक्टर प्रेम प्रकाश, नरेंद्र कुमार सिंह, आदेश सागर, अधिशाषी अभियंता लोक निमार्ण रविदत्त, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मयंक शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी क्यामुद्दीन अंसारी, तहसीलदार सदर, भोगांव, किशनी, करहल आदि उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज कार्यकर्ताओं ने भोजन के पैकेट बांटे

देहरादून, एजेंसी। वर्ल्ड ऑर्गेनाईजेशन रिलिजन एंड नॉलेज के कार्यकर्ताओं ने जामा मस्जिद के सामने पलटन बाजार में सभी आम जन मानस को कढ़ी चावल व छोले चावल के पैकेट बांटे, साथ ही पानी की बोतलों का वितरण किया। इस अवसर पर वर्क ट्रस्ट के मोहम्मद दानिश अफजल ने बताया कि इस प्रकार के सामाजिक कार्य देश हित व समाज हित में काफी समय से करते हुए जनता को फायदा पहुंचाने का हर संभव कार्य कर रहा है। वर्क ट्रस्ट के कार्यकताओं ने सभी से इस प्रकार के कार्य करने और इस प्रकार के कार्यों में जिसमें देश, समाज व गरीब, असहाय लोगों का भला हो। इस अवसर पर आरिफ हुसैन वारसी ने कहा है कि हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई एकता बनी रहे, अखंड भारत बने, भारत विश्व गुरु बनकर उभरे। वहीं उन्होंने इस तरह के आयोजनों में भाग लेने का भी आह्वान किया। कहा कि हम सब मिलजुल कर भारत को मजबूत बना सकते हैं तथा इसकी अखंडता और एकता को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सब को आगे आना चाहिए और देश को बर्बाद कर रही ताकतों को परास्त कर देश को तरक्की देने वाले कार्य करने चाहिए। इस अवसर पर अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### अतुल शर्मा भारतीय ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश प्रभारी मनोनीत

देहरादून, एजेंसी। भारतीय ब्राह्मण महासंघ ने उत्तराखंड में प्रभारी के रूप में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अतुल शर्मा को मनोनीत किया है। उन्होंने उनसे उत्तराखंड में संगठन को मजबूत करने और आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने की आशा जताई है। यहां जारी एक बयान में भारतीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन शर्मा ने उत्तराखंड में अतुल शर्मा को प्रदेश प्रभारी मनोनीत किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अतुल शर्मा ब्राह्मण समाज को संगठित करने एवं उनकी समस्याओं के निराकरण करने के साथ-साथ सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध ब्राह्मण युवक युवतियों को जागरुक कर राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पण की भावना पैदा करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यही नहीं महासंघ की ओर से समय-समय पर मिलने वाले दिशा निर्देशों का सम्यक पालन करेंगे। महासंघ में जिम्मेदारी मिलने पर अतुल शर्मा का कहना था कि वह संगठन को उत्तराखंड में मजबूत करने की दिशा में शीघ्र ही एक सदस्यता अभियान शुरू करेंगे और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी जल्द ही संगठन की बैठक आयोजित की जाएगी। वहीं संगठन को व्यापक स्तर पर मजबूत करने का काम किया जायेगा।

### युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

देहरादून, एजेंसी। थाना सेलाकुई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजावाला भाऊवाला क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगा ली। पुलिस से मिली सूचना पर तत्काल उप निरीक्षक दिनेश चमोली को आवश्यक पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर भेजा गया तो पाया कि विनोद पंत पुत्र दिनेश पंत उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पांणखी पोस्ट ऑफिस चाकी सैण थाना थलीसैण जनपद पौड़ी गढ़वाल हाल निवासी राजावाला सेलाकुई एक रस्सी के सहारे पंखे से झूल रहा था जिसको तत्काल रस्सी से नीचे उतारकर नियमानुसार वीडियोग्राफी फोटोग्राफी कर तत्काल सरकारी अस्पताल सहसपुर ले गए। पुलिस ने बताया कि जहां पर चिकित्सकों द्वारा विनोद उपरोक्त को मृत घोषित किया गया घटना की सूचना घर से आ रहे हैं पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी करने पर मालूम हुआ कि मृतक विनोद पंत वर्तमान समय में मोहन प्रसाद गौड़ पुत्र माधवानंद गौड निवासी राजावाला सेलाकुई देहरादून की गौड़ रसोई रेस्टोरेंट में काम करता था, जो काफी दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात जैसी सूरत होगी वैसी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

### सिडकुल से महिला स्मैक तस्कर समेत दो गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल पुलिस ने रविवार की देर शाम को अलग-अलग क्षेत्रों से महिला स्मैक तस्कर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला से भारी मात्रा में स्मैक और युवक के पास से एक चाकू बरामद किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जिनको मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। सिडकुल प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार उनियाल ने बताया कि बीती शाम को पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस ने सूचना पर सम्राट मार्किट के समीप शिव मन्दिर की गली से महिला स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से पुलिस ने 04.10 ग्राम स्मैक बरामद की है। जिसको पकड कर थाने लाया गया। जहां पर पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम सोनिया देवी पत्नी पिंकू उर्फ राजा निवासी रावली महदूद सिडकुल हरिद्वार बताया है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस ने गश्त के दौरान रोशनाबाद जाने वाले मार्ग से एक संदिग्ध को दबोचा है। जिसके पास से पुलिस ने एक चाकू बरामद किया है। पुलिस आरोपी को लेकर थाने पहुंची, जहां पर पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम नाजिम पुत्र मुन्ने निवासी कस्बा खुदागंज शाहजहांपुर हाल कबूल बस्ती रोशनाबाद नवोदय नगर सिडकुल बताया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

### पीएसी महिला कर्मियों को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

देहरादून, एजेंसी। डिस्टिक वूशु एसोसिएशन हरिद्वार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दो दिवसीय आत्मरक्षा शिविर 40 वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार के परिसर में आयोजन किया गया है। जिसमें महिला कर्मियों को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण दिया गया और वूशु के कई टिप्स दिए गये। आज डिस्टिक वूशु एसोसिएशन, हरिद्वार की सचिव आरती सैनी ने बताया कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि ददन पाल आईपीएस सेनानायक 40 वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि विशिष्ट अतिथि उप सेनानायक सुरजीत पंवार, उप सेनानायक एटीसी अरुणा भारती एवं वरिष्ठ पत्रकार, लेखिका, चिंतक, विचारक डॉ. राधिका नागरथ उपस्थित रही।

### पीएसी महिला कर्मियों को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

देहरादून, एजेंसी। डिस्टिक वूशु एसोसिएशन हरिद्वार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दो दिवसीय आत्मरक्षा शिविर 40 वीं वाहिनी पीएसी हरिद्वार के परिसर में आयोजन किया गया है।

# उत्तराखंड शुगर मुख्यालय की नीतियों के विरुद्ध श्रमिक संगठनों एवं कर्मचारियों में आक्रोश

## विभिन्न मांगों को लेकर प्रबंधक मंडल को सौंपा मांग पत्र

देहरादून, एजेंसी। श्रमिक संगठनों एवं कर्मचारियों ने प्रबंधक मंडल व उत्तराखंड शुगर मुख्यालय की नीतियों के विरुद्ध, वेतन कटौती व उत्पीड़न को कार्य बहिष्कार अन्य कदम उठाने पर विचार किये जाने को मांग पत्र प्रबंधक मंडल को सौंपा। साथ ही चेतावनी दी गई कि समस्याओं का समाधान जल्द नहीं किया गया तो आंदोलन किया जायेगा। आज डोईवाला चीनी मिल के चीनी मिल श्रमिक संगठनों एवं कर्मचारियों ने प्रबंधक मंडल की नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाते हुए डोईवाला शुगर कंपनी के अधिशासी निर्देशक को मांग पत्र के माध्यम से 13 बिंदुओं पर पूर्ण करने की मांग की। इस अवसर पर श्रमिक संगठनों में समन्वय समिति के संयोजक विनोद शर्मा, उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम यूनियन एटक के महामंत्री कमल बहादुर व राजेश सैनी, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष राममिलन व महामंत्री अवधेश कुमार एवं श्रमिक संगठन महामंत्री व प्रदेश सयोजक विजय शर्मा ने कहा कि गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, शासन एवं मिल प्रबंधक ने चीनी मिल वेजबोर्ड कर्मचारियों का पुनरीक्षित वेतनमान 1 अक्टूबर 2015 से 31 दिसंबर 2016 के एरियर का भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वहीं मिल कर्मचारियों के मासिक वेतन को समय के अनुरूप नहीं दिया जा रहा है कर्मचारियों ने मांग की है कि कर्मचारियों का वेतन मान माह की 10 तारीख तक किया जाए। मिल में कई वर्षों से सेवानिवृत्त कर्मचारियों का ग्रेजुएटी भुगतान नहीं किया जा रहा है भुगतान भी किया जाए, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष बढ़ता जा रहा है। ह्य

इस अवसर पर डोईवाला शुगर कंपनी कामगार यूनियन अध्यक्ष कृष्ण पाल शर्मा, डोईवाला चीनी मिल मजदूर संघ के अध्यक्ष गोपाल शर्मा एवं चीनी मिल एम्पलाई यूनियन के महामंत्री सुभाष पाल ने कहा कि प्रदेश की सरकार व शासन और उत्तराखंड शुगर मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा प्राइवेट चीनी मिलों के प्रबंधकों के प्रभाव में कार्य कर रहा है जिसमें सरकारी व सहकारी चीनी मिलों में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी व उनके अन्य पूर्ववर्ती मांगों को पूरा करने के बजाएं बेज बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सभी सुविधाओं को काटने का कार्य करता जा रहा है। इस अवसर पर श्रमिक संगठनों में नरेन्द्र धीमान, प्रभु विश्वकर्मी, प्रताप रावत, ओमप्रकाश सुभाष मिश्रा ने कहा कि प्रबंधक मंडल द्वारा कर्मचारियों की मांगों व समस्या पर विचार नहीं किया जा रहा है जिसमें कई बार प्रबंधन मंडल अवगत कराया जा चुका है। इस अवसर पर अनेकों कर्मचारी शामिल रहे।

# विस चुनाव की मतगणना से पूर्व भाजपा कोर कमेटी की बैठक आयोजित

## भाजपा एक बार फिर से बना रही है सरकारः धामी

देहरादून, एजेंसी। विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले भाजपा की एक अहम कोर कमेटी की बैठक राजधानी में शुरू हुई। बैठक में मतगणना को लेकर विशेष तौर पर चर्चा की गई। आज सुभाष रोड स्थित एक होटल में आयोजित भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में मतगणना सहित अन्य बिन्दुओं पर व्यापक स्तर पर मंथन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनाव में अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि हम मतगणना से पहले बैठक कर रहे हैं इसके साथ ही सभी पहलुओं पर चर्चा की गई है। इस अवसर पर सीएम धामी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि भाजपा एक बार फिर से सरकार बना रही है। इस अवसर पर कोर कमेटी की बैठक में प्रदेश के विधानसभा चुनाव प्रभारी व केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमेश पोखरियाल निशंक सहित प्रदेश के विधायक प्रत्याशी व अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

# डीएम और एसएसपी ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

हरिद्वार, एजेंसी। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी विनय शंकर पाण्डेय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. योगेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के आगामी 10 मार्च को होने वाली मतगणना के दृष्टिगत बीएचईएल सेक्टर-1 स्थित शिवडेल स्कूल, मतगणना स्थल-का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शिवडेल स्कूल भवन के विभिन्न कक्षों में जनपद हरिद्वार की ग्यारह विधान सभाओं के ईवीएम एवं पोस्टल बैलेट की मतगणना की व्यवस्थाओं का प्रत्येक कक्ष में जाकर बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मतगणना की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों से विस्तृत विचार-विमर्श किया। विनय शंकर पाण्डेय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. योगेन्द्र सिंह रावत ने मतगणना स्थल पर कहां से स्टाफ की एण्ट्री होगी, कहां से उम्मीदवारों के एजेण्ट की एण्ट्री होगी, कहां पर पार्किंग की व्यवस्था की जायेगी, किस क्षेत्र को जीरो जोन करना है, कहां-कहां साइनेज लगने हैं, मतगणना स्थल पर लाइटिंग की चाक-चैबन्द व्यवस्था तथा सुरक्षा-व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मतगणना स्थल पर बनाये गये सीसीटीवी निगरानी कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुद्धियाल, सचिव हरिद्वार विकास प्राधिकरण उत्तम सिंह चैहान, एमएनए दयानन्द सरस्वती, सिटी मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह, एसडीएम पूरन सिंह राणा, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण सुरेश तोमर, मुख्य उद्यान अधिकारी नरेन्द्र यादव, खाद्य पूर्ति अधिकारी केके अग्रवाल सहित प्रशासन तथा पुलिस के सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# भाजपाईयों ने मनाया राष्ट्रीय जन औषधि दिवस

देहरादून, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने आज राष्ट्रीय जन औषधि दिवस मनाया। पार्टी ने जनता से अपील की कि वह जन औषधियों का उपयोग करें। इससे उनके खर्च में कमी आएगी, साथ ही स्वास्थ्य की भी गारंटी रहेगी। आज भाजपा उत्तराखंड के प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों व विधानसभा प्रत्याशियों की बैठक में भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजय कुमार ने अपने संबोधन में जन औषधि दिवस का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई यह कल्याणकारी योजना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमें इस योजना के बारे में जनता को अधिकाधिक अवगत कराना चाहिए और स्वयं भी इन दवाओं का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने इस योजना को जनहित की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने इस योजना को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जन सामान्य विशेष तौर पर गरीब व्यक्ति महंगी दवाइयों के खर्चे के कारण अपना इलाज या तो करा नहीं पाते अथवा बीच में छोड़ देते हैं, लेकिन यह योजना गरीब व्यक्ति के लिए वरदान है। इसकी दवाएं ब्राण्डेड दवाइयों की तुलना में बहुत सस्ती व गुणवत्तापूर्ण हैं। इस अवसर पर भाजपा स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान के प्रदेश संयोजक व प्रदेश महामंत्री सुरेश भट्ट ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महत्वपूर्ण योजना के बारे में जन सामान्य के बीच जागरण का कार्य करना चाहिए, क्योंकि यह योजना एक जन सामान्य के हित की योजना है इसके केंद्र में आम लोग विशेष तौर पर गरीब लोग हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष व अभियान के सह संयोजक डॉ. देवेंद्र भसीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश का कोई नागरिक इलाज से वंचित न हो। इसके लिए गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने और उत्तराखंड सरकार द्वारा सभी परिवारों को लाख रु का स्वास्थ्य कवरेज देना शामिल है। इस अवसर पर अभियान के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, चिकित्सक सदस्य डॉ. आदित्य कुमार, व महिला सदस्य, प्रदेश मंत्री किरण सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# सीएम से स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाये जाने की मांग, ज्ञापन

देहरादून, एजेंसी। दून उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने पलटन बाजार में चल रहे स्मार्ट सिटी के कार्यों में तेजी लाये जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। साथ ही उन्हें ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही करने की मांग की। आज व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें बताया कि दून स्मार्ट सिटी का कार्य निरंतर पिछले लगभग तीन सालों से चल रहा है लेकिन अभी भी काम अधूरा है अब इसी क्रम में कोतवाली से लक्खीबाग चैकी तक का काम तीव्र गति से शुरू होने जा रहा है वहीं घंटाघर से कोतवाली तक का काम अधूरा है जिसे पूरा करने की आवश्यकता है। पलटन बाजार में ड्रैनेज, फुटपाथ और सड़क एक फुट नीचे किये जायें ताकि ड्रैनेज सिस्टम में किसी भी अपरिहार्य स्थिति उत्पन्न होने पर बारिश और नाली का पानी किसी भी स्थिति में दुकानों में न घुसे, और व्यापारियों का माल खराब न हो। उन्होंने कहा कि नालियों का निर्माण दुरुस्त तरीके से किया जाये ताकि बारिश का पानी सड़क पर नहर की तरह बहने के स्थान पर सीधा नालियों में जाये। प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में कहा कि सीवर बीच वाली डक्ट में बह रहा है ऐसी जानकारी स्थानीय व्यापारियों द्वारा दी गई है उसे तुरंत साफ किया जाना है। सीवर की सही प्रकार से मैनेजमेंट की जानी आवश्यक है इसे तत्काल प्रभाव से किया जाये। ज्ञापन में कहा गया कि जलापूर्ति स्मार्ट सिटी के अंतर्गत जो पानी के पाइप डाले गये हैं वह अभी तक चालू नहीं किये गये हैं जिससे इस क्षेत्र में पीने योग्य पानी का जल संकट हो रहा है और आगे गर्मियां आ रही तो जल आपूर्ति को तत्काल प्रभाव से चालू किया जाये। प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में कहा कि टाइल और फुटपाथ नीचे किये जायें। उन्होंने कहा कि टाइल्स की जो क्वालिटी स्मार्ट सिटी द्वारा लगाकर जनता एवम व्यापारियों के साथ छल किया गया है उसे तत्काल प्रभाव से बदलकर उच्च कोटी की सुंदर टाइल्स लगाई जाये या वहीं पुरानी सडक बना दी जाये। बसवार एक ओर जहा पलटन बाजार में आने वाले ग्राहकों और उनके बच्चों की जान जान का को खतरा है वहीं दूसरी ओर दुकानदारों की दुकानें छुपाने और पलटन बाजार के व्यापारियों का व्यापार चैपट करने के उद्देश्य से लगाये गये हैं जिससे व्यापार चैपट हो रहा है इन्हें भी हटाया जाना चाहिए। वहीं बाजारों में कुर्सियां लगाने का कोई प्रावधान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाजारों में साईनबोर्ड जल्दी लगवाये जायें और बाजारों में जो दुकानों के छज्जे तोड़े.गये हैं उस पर यह तय हुआ था कि सरकार द्वारा वहां पर साइन बोर्ड बनाये जायेंगे, लेकिन अभी तक इस पर कोई काम नहीं हुआ है साइन बोर्ड तत्काल प्रभाव से बनवाये जाये। ज्ञापन देने वालों अनेकों व्यापारी शामिल रहे।

# पहली बार उत्तराखंड में बनी फिल्म 'पताल-ती होली वाटर' का होगा वर्ल्ड प्रीमियर

- बुसान अंतर्राष्ट्रीय शार्ट फिल्म फेस्टिवल में होगा प्रीमियर

देहरादून, एजेंसी। 39वें बुसान अंतर्राष्ट्रीय शार्ट फिल्म फेस्टिवल (दक्षिण कोरिया) में पहली बार उत्तराखंड में बनी एक फिल्म 'पताल-ती होली वाटर' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है। पताल-ती होली-वाटर विश्व के 111 देशों से आई 2548 फिल्मों में से चुनी गई 40 शार्ट फिल्मों में से एक है। आज परेड ग्राउंड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए फिल्म के निमार्ता व निर्देशक संतोष सिंह रावत ने कहा है कि फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में ध्वनि संयोजन ऑस्कर विजेता रेसुल पूकुट्टी (स्लमडॉग मिलियनेयर), एडिटिंग संयुक्ता काजा (तुम्बाड) और पूजा पिल्ले (पाताल लोक) एवं रंग संयोजन ईरान के हामिद रेजाफातोरेचिअन ने किया है। फिल्म की शूटिंग रुद्रप्रयाग और चमोली जनपद के कई स्थानों पर की गई है। फिल्म के निमार्ता-निर्देशक संतोष सिंह रावत एवं मुकुंद नारायण ने इस फिल्म में हिमालय के एक गाँव के जीवन को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के लिए टीम ने 20 दिनों में 4500 मीटर की ऊंचाई तक हिमालय में 300 किलोमीटर से भी ज्यादा की पैदल यात्राएं की हैं। यह फिल्म भोटिया जनजाति की लोक कथा पर आधारित है, जिसमें किशोरावस्था की तरफ बढ़ रहा एक लड़का अपने दादा की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए, भूत और भौतिक के बीच की दूरी को नापता है। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रकृति और जीवन के बीच संघर्ष इस फिल्म को मानवीय पक्ष से और भी संवेदनशील और भावपूर्ण बना देता है। फिल्म में प्राकृतिक रोशनी, कैमरे और कलाकारों के नाम मात्र के संवादों में की गयी अदाकारी इसे और भी खास बना देती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि इस फिल्म को 39वें बुसान अंतरराष्ट्रीय शार्ट फिल्म फेस्टिवल (दक्षिण कोरिया) में प्रीमियर के लिए चुना गया है। इस फिल्म में आयुष रावत, धन सिंह राणा, कमला कुंवर, भगत सिंह बुरफाल ने प्रमुख भूमिका निभाई है। फिल्म के एक्सिक्यूटिव प्रोड्यूसर गजेंद्र रौतेला व सत्यार्थ प्रकाश शर्मा हैं। जबकि फिल्म का फिल्मांकन बिट्टू रावत और दिव्यांशु रौतेला ने किया है। इस अवसर पर फिल्म के अनेकों कलाकार भी शामिल रहे।

# ज्वालापुर में ससुरालियों से नाराज महिला ने लगाई फांसी

- सिडकुल में करना चाहती थी नौकरी, ससुराली कर रहे थे इंकार
- मायके ने लगाया पति समेत पांच पर हत्या का आरोप

हरिद्वार, एजेंसी। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्रान्तर्गत नवा गांव में रविवार की रात को ससुरालियों से नाराज होकर महिला ने फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि ससुरालिये खुद महिला को जिंदा होने की सम्भावना को देखते हुए फंदे से उतार कर उपचार के लिए भूमानंद हॉस्पिटल ले गये। जहां पर चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने हॉस्पिटल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं मृतका के मायके की ओर से बेटी की हत्या किये जाने का आरोप मढते हुए पति समेत पांच लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने सोमवार को मृतका का चिकित्सकों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम कराते हुए शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। कोतवाली ज्वालापुर एसएसआई नितिश शर्मा ने बताया कि बीती रात सूचना मिली कि नवा गांव सराय ज्वालापुर हरिद्वार निवासी एक महिला ने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो मालूम हुआ कि ससुरालिए महिला को फंदे से उतार कर भूमानंद हॉस्पिटल ले गये। जहां पर चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। जिसकी पहचान सोनिया पत्नी मिथुन (26) निवासी नवा गांव सराय ज्वालापुर के रूप में हुई है। एसएसआई के अनुसार मृतका के दो बच्चे हैं और वह दो माह से सिडकुल स्थित फैक्ट्री में नौकरी करने का प्रयास कर रही थी। लेकिन ससुराल पक्ष के लोग सोनिया के नौकरी करने के पक्ष में नहीं थे। घटना वाले दिन सोनिया मायके गयी और अपने दोनों बच्चों को छोड़ कर देर शाम को नौकरी के लिए बायोडाटा बनाकर ससुराल पहुंची। जिसको लेकर सोनिया ने सास से कहा कि वह नौकरी के लिए सिडकुल जाएगी। इसी बात को लेकर बहू और सास के बीच कहासुनी हो गयी। जिससे नाराज महिला ने ऊपरी मंजिल स्थित अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। ससुरालियों ने दरवाजे को खोलकर फंदे से लटकी महिला को उपचार के लिए भूमानंद हॉस्पिटल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। वहीं मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर सोनिया की हत्या का आरोप मढ़ा है। जिसके सम्बंध में मृतका के भाई विकास पुत्र स्व. महेराज निवासी सराय ज्वालापुर की ओर से पति समेत पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर दी गयी है। एसएसआई नितिन शर्मा ने माना है कि मायके वालों की ओर से तहरीर दी गयी है। लेकिन पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने की प्रतिक्षा कर रही है। जिसके बाद ही पुलिस कार्यवाही करेगी।

संक्षिप्त समाचार

## 25वां सिल्वर जुबली अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित

मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) के द्वारा 25वां सिल्वर जुबली अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन एल.पी.जी.आई.एस.ए की पूर्व ग्लोबल वाईस चेयर पर्सन एडवाइजरी श्रीमती उत्तरा शर्मा को समर्पित किया गया। पंजाबी के प्रसिद्ध कवि डॉ. हरजीत सिंह सधर इस गोष्ठी में मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने उत्तरा जी को श्रद्धांजलि दी और अपनी कविता से सबका दिल जीता। भारत से प्रसिद्ध कवि प्रेम विज गैस्ट ऑफ ऑनर रहे। पंजाबी की प्रसिद्ध कवयित्री हरजिंदर कौर सधर और आर्या गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल संतोष गोयल ने भी गैस्ट ऑफ ऑनर के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की और उत्तरा जी के साथ बिताए समय को याद किया। प्रसिद्ध कवि डॉ. विनोद शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे।सम्मेलन का सफल संचालन मीनू संयोग, मीनाक्षी गांधी गुप्ता, वैशाली रस्तौगी (इंडोनेशिया) और रेखा नायर (भारत) ने बहुत ही बेहतरीन ढंग से किया। स्पेशल रिमार्कस गीतिका मल्होत्रा (भारत) और धन्यवाद प्रस्ताव डॉ.मंजू रुस्तगी (भारत) द्वारा पेश किया गया। दुनिया भर से जाने-माने कवि इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस गोष्ठी में डॉ. हरजीत सिंह सधर, प्रो. हरिंदर कुमार शर्मा, प्रेम विज, हरजिंदर कौर सधर, डॉ.विनोद शर्मा, संतोष गोयल, प्रफुल निर्मल रंजन, रेखा नायर, डॉ. मंजू रुस्तगी, कविता अरोरा, गीतिका मल्होत्रा, विजेता भारद्वाज, डॉ. लखबीर सिंह, मंजरी पसार, मीनाक्षी वर्मा, रूपाली अग्रवाल, राजीव प्रखर, ज्ञान प्रकाश राही, अंजली सारस्वत शर्मा,, नंदिता माजी शर्मा, नवदीप कौर, सरिता नोहरिया, अवतार चहल, चेतना अग्रवाल, रीता सिंह (भारत), आशीष शर्मा, योगिता शर्मा, मीनू संयोग, मिनाक्षी गांधी गुप्ता, वैशाली रस्तौगी, डॉ.नीता सरोजिनी, मनोज भट्ट, अभिलक्ष शर्मा, वेदिका गुप्ता, काव्य गुप्ता (इंडोनेशिया), चित्रा गुप्ता, डॉ. स्मिता सिंह, आलोक मिश्रा, रीता पांडे, अनिल कुलश्रेष्ठ, अंकुर गुप्ता (सिंगापुर), सिमी सूद, सुनीता महेंद्रू (थाईलैण्ड), अंजू पुरोहित (मलेशिया), सुमन जैन, उर्मिला मिश्रा (आस्ट्रेलिया), जया वर्मा (इंग्लैंड), करुणा राठौर (यू ए ई ), चंद्रा जोशी गुरुरानी (कतर), रचना श्रीवास्तव, शुभ्रा ओझा, नेहा राजवंशी, चहक मित्तल (अमेरिका) ने श्रीमती उत्तरा शर्मा को श्रद्धांजलि दी और माँ पर लिखी अपनी रचनाओं से काव्य संध्या को मातृ प्रेम के रंग से रंग दिया।

## उच्च श्रेणी की शिक्षा प्राप्त करने के साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी धारण करें बच्चे : विपिन शर्मा

मदरलैंड संवाददाता, नारनौल। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के दिशा निदेर्शानुसार आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कमानियां में बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा व नशा निषेध जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। नैतिक मूल्यों की शिक्षा के राज्य के नोडल अधिकारी एवं पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन कुमार शर्मा ने स्कूल के सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज व्यक्ति एवं समाज में सांप्रदायिकता, अराजकता, जातीयता, भाषावाद, हिंसा, अलगाववाद की संकीर्ण भावनाओं को समस्याओं के मूल में नैतिक मूल्यों का पता नहीं उत्तरदाई कारण है। उन्होंने बताया कि वास्तव में नैतिक गुणों की कोई सूची नहीं बनाई जा सकती। हम इतना अवश्य कह सकते हैं कि मनुष्य में अच्छे गुणों को हम नैतिक कह सकते हैं जो व्यक्ति के स्वयं के विकास और कल्याण के साथ दूसरों के कल्याण में भी सहायक हो। नैतिक मूल्यों का समावेश जीवन के सभी क्षेत्रों में होता है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति परिवार, समुदाय, समाज, राष्ट्र से मानवता तक नैतिक मूल्यों की यात्रा होती है। नैतिकता समाज में सामाजिक जीवन को सुगम बनाती है। मानव को सामाजिक प्राणी होने के नाते कुछ सामाजिक नीतियों का पालन करना पड़ता है जिनमें संस्कार, सत्य, परोपकार, अहिंसा आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये भी नैतिक गुणों में आते हैं और बच्चों को इन्हें बचपन से ही धारण कर लेना चाहिए ताकि अच्छे परिवार, समाज, राष्ट्र का निर्माण हो सकें। उन्होंने बच्चों को उच्च श्रेणी की शिक्षा प्राप्त करने के साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा को भी धारण करने के लिए प्रेरित किया। उनसे अपने बुजुर्गो, अध्यापकों व अपने सभी सगे-संबंधियों का आदर करने व अपने जीवन में कामयाब इंसान के साथ एक अच्छे इंसान बनने की अपील की। इस मौके पर नशा मुक्ति एवं पूनर्वास केन्द्र के परियोजना निदेशक रोहताश रंगा ने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ नशे आदि से दूर रहना चाहिए तथा अपने परिवार, सगे-सम्बन्धियों को भी नशे से दुर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। नशा मनुष्य को शारीरिक, मानसिक व सामाजिक रूप से कमजोर बनाता है जिससे वह व्यक्ति समाज में भी अपना सम्मान खो देता है तथा उसे सभी हीन भावना से देखते है।

## उभरते हुए सेंसेशन, पाव धरिया द्वारा सेन्योरीता की बेहतरीन धुन पर आपके कदम खुद थिरकना शुरू कर देंगे

चंडीगढ़, 3 मार्च, 2022- ऑस्ट्रेलिया स्थित पंजाबी गायक- गीत लेखक, पाव धरिया ने आज सोनी म्यूजिक इंडिया के साथ गठबंधन में अपना लेटेस्ट सिंगल, सेन्योरीता प्रस्तुत किया। सेन्योरीता लेटिन की झलक के साथ एक ताजगीभरा, अर्बन, पंजाबी- इंग्लिश ट्रैक है। इस पार्टी स्टार्टर की हुक-लाईन को आप अपने दिमाग से निकाल नहीं पाएंगे, इसकी आकर्षक बीट पर आपके कदम अपनेआप थिरकने लगेंगे और ऐसा मनोरंजक वीडियो आपने कहीं और नहीं देखा होगा।

सेन्योरीता उसको समर्पित है, जिसने टेनिस ग्राउंड में पाव का दिल चुरा लिया। इस गैरपारंपरिक एवं विचित्र वीडियो में तेजी से उभरता हुआ पंजाबी पॉप-स्टार एवं कलाकार, गीतकार एवं कंपोजर पाव धरिया 3 भूमिकाओं में दिखाई देगा। वह एक ह्यगुड गॉयह्ल, ह्यकोच जलेबीह्ल और ह्यदैट कुत्ताह्ल के रूप में दिखाई देगा। गुड गॉय केवल मैच नहीं जीतता, बल्कि एक जेंटलमैन और ईमानदार खिलाड़ी बनकर अपनी सेन्योरीता का दिल जीत लेता है। इस वीडियो में फनी लुक्स और अद्वितीय सेटअप के साथ चुलबुला, खुशनुमा एवं रेट्रो वातावरण दिखाया गया है।

गीत के लॉन्च पर गायक-गीतलेखक, पाव धरिया ने कहा, ह्यह्यमैं सेन्योरीता के रिलीज के लिए बहुत उत्साहित हूँ। मैं जब भी यह गीत सुनता हूँ, तो मेरे कदम स्वयं थिरकने लगते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन डांस ट्रैक बन जाएगा ! इस गाने में चुलबुला और खुशनुमा वातावरण है और यह फौरन आपका मूड बेहतर बना देगा। पक्का है कि आप इसकी धुन पर झूमने लगेंगे ! मेरे ट्रैक्स हमेशा किसी न किसी रूप में कहानी सुनाते हैं और दुनिया में मेरे फैंस को यह बहुत पसंद है। मजे और प्यार की भावना को एक साथ प्रस्तुत करके मैंने बॉल को सेन्योरीता के पाले में डाल दिया है। मुझे आशा है कि आने वाले दिनों में यह गाना म्यूजिक चार्ट में सबसे ऊपर आ जाएगा और मेरे सभी प्रशंसक झूमते हुए इसे बार-बार सुनेंगे।

गाने और डांस के लिए जरूरी सभी तत्वों के साथ सेन्योरीता, अक्षय कुमार अभिनीत सूर्यवंश में ना जा की सफलता के बाद पाव धरिया का एक और जबरदस्त गीत है। पाव के दूसरे गीतों में माहिया, ये ये और जिंदगी तेरे नाल आदि शामिल हैं। भारत एवं विश्व में इस कलाकार के फैन व फौलोअर लगातार बढ़ रहे हैं।

गाने का लिंकः https://smi.lnk.to/Senorita

## एनआरआई सुदर्शन गर्ग जल्द ही स्कूल में लोकार्पित करेंगे लैब और लाइब्रेरी

» विनोद कुमार,मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल दरिया, चंडीगढ में एनआरआई सुदर्शन गर्ग की ओर से तैयार की जा रही लैब और लाइब्रेरी को जल्द ही को समर्पित करेंगे। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ विनोद शर्मा ने बताया कि एनआरआई सुदर्शन गर्ग द्वारा अपने स्वर्गीय दादाजी और माता-पिता की याद में स्कूल में अपनी आय में से अनुमानित लागत लगभग 225000 की कंप्यूटर लैब, साइंस लैब और लाइब्रेरी तैयार करवा रहे हैं। ग्रामीण शिक्षा क्षेत्र में क्वालिटी एजुकेशन प्रदान करने के लिए इसका उद्घाटन उनके कर कमलों द्वारा करके समाज और राष्ट्र को अर्पित किया जाएगा। डॉ विनोद शर्मा ने बताया कि सुदर्शन गर्ग जो आर्य विचारधारा से जुड़े हैं, सात्विक एवं सरल व्यक्तित्व के धनी हैं। इन्हें ईमानदारी, चारित्रिक एवं अन्य विशेषताएं पैतृक परंपरा से प्राप्त हुई है। सामाजिक विशेषकर ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में इनकी अग्रणीय भूमिका है। इनके बहुमूल्य योगदान के कारण ही शिक्षा से वंचित रह रहे कई बच्चों को शिक्षा प्राप्त हो रही है। बच्चों के प्रति इनका अगाध स्नेह है। पिछले कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से यह सेवा कर रहे हैं। इन जैसी महान हस्ती से ही राष्ट्र की संस्कृति और सभ्यता कायम रहती है।

## भारत विकास परिषद शाखा नारनौल को मिले उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान

» अशोक सैनी, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। उल्लेखनीय सेवाओं और बेहतरीन कार्यों के लिए भारत विकास परिषद शाखा नारनौल को प्रांत स्तर पर पांच सम्मान प्राप्त हुए हैं ' इस विषय में जानकारी देते हुए शाखा सचिव नरोत्तम सोनी ने बताया कि आज फरीदाबाद में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य मंत्री के राजनीतिक सलाहकार अजय गौड़,भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनीत गर्ग, राजकुमार अग्रवाल राष्ट्रीय महामंत्री और तरुण प्रताप त्यागी द्वारा शाखा नारनौल को सम्मानित किया गया ' इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने कहा कि सेवा कार्यों के क्षेत्र में नारनौल शाखा को यह उल्लेखनीय उपलब्धियां उनके दायित्वधारियों और शाखा के सभी सदस्यों के समर्पण भाव का परिणाम है ' पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन प्रांत सचिव संजय शर्मा ने किया ' इस कार्यक्रम में सादर महाराणा प्रताप शाखा गुरुग्राम ने सर्वाधिक 10 पुरस्कार प्राप्त किए तथा केशव शाखा फरीदाबाद ने 7 पुरस्कार प्राप्त किए ' शाखा की तरफ से प्रांत उपाध्यक्ष हितेंद्र बोहरा, अध्यक्ष डॉ जितेन्द्र भारद्वाज, संजय शर्मा सचिव नरोत्तम सोनी, संस्कार प्रमुख भीमसेन, भारत को जानो प्रतियोगिता के संयोजक राकेश शर्मा ने सम्मान ग्रहण किया ' कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि लगभग 30 वर्षों से नारनौल शाखा सेवा के नए आयाम स्थापित करती जा रही है ' शाखा की तरफ से डॉ जितेन्द्र भारद्वाज ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपने उल्लेखनीय कार्यों का विवरण दिया '

## वूमेंस डे पर महिलाओ ने दिया संदेश हमेशा हस्ते हुए मजिल तक पहुंचे

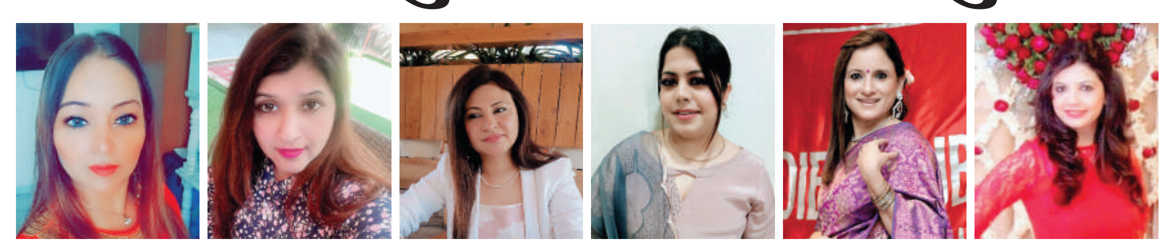

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः इंटरनेशनल वूमेंस डे पर लुधियाना की फेमस महिलाएं जो अपने अपने क्षेत्र में अपना नाम कमा रही है वीनस लेडीज क्लब की पवनीत पहवा ने बताया कि जब फैमिली के साथ हो तो आप कोई भी मुकाम हासिल कर सकते हो अपनी फैमिली को पहले नंबर और अपने बिजनेस को दूसरे नंबर पर रखोगे तो सभी कामयाब होगे डॉक्टर मोनिका चोपड़ा ने नारी दिवस पर कहा कि नारी रख अपने पर भरोसा अपने पर विश्वास कर हर सपने को पूरा जी अपने लिए अपनी खुशी के लिए न बन अब और त्याग की मूरत वही श्वेता अरोड़ा ने कहा कि ने कहा अपनी लिमिट में महिलाओ को रह कर आगे बढ़ कर काम करना चाहिए और फैमिली की स्पोर्ट करनी चाहिए प्रिया कपूर इंटीरियर डिजाइनर ने कहा कि अपनी जिंदगी में कभी भी कुछ छुपना नही चाहिए जिस मर्जी उम्र में आप अपना टैलेंट बाहर ला सकती है बस परिवार का साथ होना चाहिए फिर आप किसी भी मुकाम पर पहुंच सकती है बिजनेस वूमेन रोजी कपूर ने कहा कि आज की नारी सभी मुकाम हासिल कर सकती है आदमियों के साथ कंधा मिला कर चलने वाली नारी है जब वो कुछ करने का सोच लेती हैं तो करके ही दम लेती है प्रीत अरोड़ा डिजाइनर ने कहा कि महिलाओ को अपनी जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए अगर परिवार का साथ हो तो वो अपनी खुशी से जी सकती है चाहे खेल का मैदान हो या राजनेतिक, या जंग का मैदान हो आज के जमाने में नारी सबसे आगे हैं।

## दुगरी के इलाके निवासी ट्रैफिक जाम और उड़ती धूल से परेशान

### सभी पार्टियों के उम्मीदवार वोट लेने के बाद हुए गायब

» हरप्रीत सिंह,मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः आत्म नगर हल्के की सड़को की इतनी खस्ता हालत ऊपर से दुगरी में ट्रैफिक व्यवस्था बुरी तरह फैल साबित हो रही है दुगरी फेस दो की मोना ने बताया कि सारा दिन घर के बाहर ट्रैफिक जाम रहता है और सुबह बच्चो को स्कूल छोड़ने के लिए घंटो जाम में खड़ा होना पड़ता है ट्रैफिक पुलिस प्रशासन द्वारा कोई भी ट्रैफिक मुलाजिम नहीं होता ऊपर से सारी धूल घर के अंदर उड़ कर आती है बड़े बड़े दावे करने वाले चुनावो में अब गायब हो गए हैं नगर निगम, गलाडा या पुलिस प्रशासन द्वारा कोई भी कारवाही नहीं की जा रही है दुगरी फेस वन की कशिश ने बताया कि सड़को पर गड्ढे और ऊपर से जाम वो भी घरों के बाहर पैदल निकालना भी मुश्किल हो गया है यहां के पार्षद का तो चुनावो के बाद अता पता भी नहीं है सभी पार्टियां कुंभ करण की नीद सो गए हैं आत्म नगर की जनता को भुगतना पड़ रहा है सड़को का काम तो शुरू कर दिया मगर तीन महीने हो गए दुकानदारो ने अपनी दुकान पर कोई कस्टमर नही देखा वो भी दुकानें छोड़ कर जा रहे हैं कांग्रेस के उम्मीदवार ने बुरा हाल कर दिया दुगरी फेस वन और दो की जनता का चारो तरफ जाम ही जाम नजर आता है नगर निगम अधिकारियों को ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई चाहिए जो तीन महीने से सड़क का काम रोक कर बैठा है मगर कोई भी प्रशासन द्वारा आत्म नगर हल्के का हाल नहीं पूछने आया

## छह घंटे तक सड़क पर रही पुलिस, चलाया अभियान

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। पुलिस ने शनिवार-रविवार रात जिले में नाइट डोमिनेशन अभियान चलाया। इसके तहत जिले की 80 फीसदी फोर्स छह घंटे तक सड़कों पर मुस्तैद रही। जिसमें जिले के 313 पुलिस कर्मचारियों और 4 राजपत्रित अधिकारियों द्वारा जिले भर में नाइट डॉमिनेशन अभियान चलाया गया। जिला पुलिस द्वारा 33 स्थानों पर नाकाबंदी कर चैकिंग की गई और 16 भिन्नझभिन्न स्थानों पर पैदल गश्त की गई। पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 33 स्थानों पर नाकाबंदी कर 1035 वाहनों की जांच की।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अभियान के तहत रात दस से सुबह चार बजे तक पुलिस फोर्स अलर्ट रही। अपराध की रोकथाम के लिए सभी पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना और चौकी प्रभारी समेत स्पेशल टीमें भी मुस्तैद रहीं। पुलिस टीमों ने होटल, रेस्टोरेंट धर्मशाला, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व अन्य सार्वजनिक स्थानों की गहनता से जांच की गई। जिला में तैनात सभी पीसीआर ने प्रभावी रुप से गस्त की और महिला पुलिस ने भी गस्त व नाकाबंदी में उपस्थिति दर्ज करवाई। अभियान के तहत 86 सार्वजनिक स्थानो की चैकिंग की गई।

मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने पर 77 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, 105 लोगों के पर्चे अजनबी काटे गए। प्रवक्ता ने बताया कि नाइट डोमिनेशन अभियान के दौरान जिला पुलिस टीमों को कई सफलताएं भी हाथ लगीं। अवैध शराब की बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा अवैध शराब की बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करते हुए देशी शराब की 217 बोतल और अंग्रेजी शराब की 24 बोतल बरामद की गई और आरोपितों पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

अपराध पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस लगातार प्रयासरत है। इसी के तहत नाइट डोमिनेशन अभियान चलाया गया। नशाखोरी रोकने के लिए जनता सहयोग करे और गैरकानूनी काम करने वाले असामाजिक तत्वों की जानकारी पुलिस को दें। इस प्रकार की सूचनाओं पर तुरंत एक्शन होगा।

## एक आइकन का पुनर्जन्म: शिवाज 12 ने पेश किया एक नया बोल्ड और आधुनिक लुक

पटियाला : ब्लेंडेड स्कॉच व्हिस्की, शिवाज ने अपने फ्लैगशिप ब्लेंड के एक नए लुक से पर्दा उठाया है। यह शिवाज की डिजाइन में इसके 112 साल के इतिहास में सबसे बड़ा बदलाव है। दुनिया की सबसे अधिक बिकने वाली स्कॉच व्हिस्की में से एक शिवाज 12 ने अपनी बोतल, लेबल, और पैक पूरी तरह से नया स्वरूप दिया है। नए लुक वाली शिवाज 12 स्कॉच व्हिस्की पीने वालों की एक सफल तथा स्टेटस एवं स्टाइल को लेकर जागरूक नई पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करेगी। शिवाज की लक्जरी और बेमिसाल विरासत की झलक पेश करता इसका यह नया आकर्षक लुक बोल्डनेस, मार्डर्निटी और स्टेटस का एक खास संगम है। इस नई डिजाइन में शिवाज 12 की आइकॉनिक बोतल को एक नया आकार दिया गया है। लोकप्रिय राउंड शोल्डर्स को बरकरार रखते हुए यह बोतल लंबी और गौरव से भरपूर दिखाई देती है। रिडिजाइन किया गया क्रेस्ट शिवाज के धड़कते हुए दिल 'लक्कनबूथ' पर झिलमिलाती हुई रोशनी डालती है। यह सिंबल शिवाज के मूल्यों जैसे महत्वाकांक्षा, उदारता और सफलता को प्रदर्शित करता है। इसके बाहरी बॉक्स को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है। इसकी परिचित सिल्वर और गोल्ड टोन वाली कलर स्कीम को बदलकर वाइब्रेंट बरगंडी रूप दिया गया है। हालांकि दुनिया भर में शिवाज के चाहने वालों द्वारा पसंद की जाने वाली खास डिटेलिंग और टेक्सचर फिनिश को इस पैकेज में पहले की तरह ही बरकरार रखता है। पैरेंट कंपनी शिवाज ब्रदर्स के 2025 लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सस्टेनेबिलिटी की मूल भावना के साथ इस पूरे रिडिजाइन प्रोजेक्ट को अंजाम दिया गया है। शिवाज ब्रदर्स ने 2025 तक 100% रिसाइकल योग्य, दोबारा उपयोग के योग्य, कंपोस्टेबल या बायो-बेस्ड पैकेजिंग का लक्ष्य तय किया है। नई बोतल हल्की है, जिससे सालाना 1000 टन से अधिक कांच की बचत होती है, वहीं बाहरी पैकेजिंग अब पूरी तरह से रिसाइकिल सामग्री से तैयार की गई है। इन सभी बदलावों के बावजूद इस बोतल में व्हिस्की का वही प्रसिद्ध स्मूथ, रिच और जेनेरस शिवाज 12 ब्लेंड मिलता है। यह रिडिजाइन स्कॉच व्हिस्की पीने वालों की एक नई, स्टाइल के प्रति जागरूक पीढ़ी से प्रेरित है। यह पीढ़ी लक्जरी के मौजूदा स्वरूप में बदलाव ला रही है और इसे पहले से बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। स्लीक, लक्जरी, और बेहद खूबसूरत नई शिवाज 12 आने वाले वर्ष में शिवाज के पोर्टफोलियो में होने वाले बदलाव की श्रृंखला में पहला पड़ाव है।आइकॉनिक शिवाज 12 के न्यू लुक पर बात करते हुए, कार्तिक मोहिंद्रा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पेरनॉड रिकॉर्ड इंडिया ने कहा, ह्ययह ब्रांड के लिए एक बहुत बड़ा बदलाव है, यह शिवाज पीने वालों की नई पीढ़ी को बोल्ड चॉइस से रूबरू कराता है। नया डिजाइन शिवाज की प्रतिष्ठित और लंबी विरासत में बोल्डनेस, आधुनिकता और एक खास चमक पेश करता है। इस रिडिजाइन के साथ, हम अपने मिलेनियल कस्टमर्स के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाना चाहते हैं, जो जीवन में अपनी सफलता और चॉइस को लेकर ज्यादा फिक्रमंद नहीं है। नई जागरूक पीढ़ी के लिए शिवाज 12 में हुए बदलाव के मूल में सस्टेनेबिलिटी रही है। यह रिडिजाइन सस्टेनेबिलिटी के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।₹ नए बदलाव के साथ शिवाज 12 जल्द ही भारत में आने वाला है। इसके साथ ही एक कैंपेन शुरू किया जाएगा। यह कैंपेन ग्राहकों को स्टेटस और हाइप के नए लेवल पर ले जाएगा। अधिक जानकारी के लिए www.Chivas.com पर जाएं या हमें इंस्टाग्राम पर @ChivasIndia पर फॉलो करें।

## निकाय चुनावों के लिए भाजपा की बैठक संपन्न

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। निकाय चुनाव को लेकर कल देर साय रेवाड़ी रोड स्थित सैनी धर्मशाला में भारतीय जनता पार्टी की एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से नारनौल नगर परिषद चुनाव प्रभारी राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओम प्रकाश यादव, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एडवोकेट, प्रदेश मंत्री मनीष मित्तल, जिला प्रभारी विजय सिंह आहलूवालिया, पूर्व चेयरमैन गोविंद भारद्वाज, नारनौल मंडल अध्यक्ष मनीष संघी, पूर्व चेयरमैन भारती सैनी व मार्केट कमेटी पूर्व चेयरमैन जेपी सैनी विशेष रूप से मौजूद रहे। चुनाव प्रभारी व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को आम मतदाताओं तक पहुंचा कर नारनौल नगर परिषद चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताना है। उन्होंने कहा त्रिदेव पार्टी की रीढ़ है और उनको अपने-अपने वार्डों में ज्यादा से ज्यादा मेहनत कर पार्टी के पक्ष में काम करना है। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो आम कार्यकर्ता को भी किसी भी समय महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे सकती है। उन्होंने कहां कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रभक्त नेतृत्व को देखते हुए यूक्रेन से काफी बच्चों को भारत लाने का साहसिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही राष्ट्रवादी पार्टी है जो सभी देशभक्तों और महापुरुषों को याद कर देश को विश्व गुरु बनाने का प्रयास कर रही है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। इस मौके पर चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि जिले में चहुमुखी विकास को देखते हुए नगर निकाय चुनाव में जनता भारतीय जनता पार्टी के ही पक्ष में मतदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस चुनाव को लेकर जिस तरह से कार्यकर्ता मेहनत कर रहे हैं व हमने जिन टीमों का गठन किया है वे पूरी निष्ठा के साथ इस चुनाव में भाजपा की नीतियों को घर-घर पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि इन चुनावों में भी अन्य पार्टियां हमारे आसपास भी नहीं रहेगी। उन्होंने इन चुनाव को लेकर कार्यकताओं को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एडवोकेट ने कहा की आमजन भारतीय जनता पार्टी के शासन से अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहा है। इसके अलावा विकास कार्यों में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही जिससे यह तय है कि नगर निकाय चुनाव में हमारे प्रत्याशी की भारी बहुमत से जीत होगी। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में पार्टी हाईकमान द्वारा निर्णय लेकर किसी एक अच्छे कार्यकर्ता को चुनाव मैदान में उतारेगी जिसका हम सभी को इमानदारी से साथ देना होगा। जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकताओं से कहा कि जिस तरह विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर मेहनत की थी उसी प्रकार नगर निकाय चुनाव में भी पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने को कहा। इस मौके पर जिला के सभी पदाधिकारी वार्ड प्रमुख शक्ति केंद्र प्रमुख सभी प्रकोष्ठ के प्रमुख वार्ड प्रभारी और त्रिदेव वहां मौजूद थे।

# नफरत और युद्ध के बीच सद्भावना की कड़ी बन रही महिलाएं

सोनम लववंशी

किसी ने क्या खूबसूरत लिखा है कि, ह्लहर दुःख-दर्द सहकर वो मुस्कुराती है, पत्थरों की दीवार को औरत ही घर बनाती है।ह्व लेकिन आज भी महिलाओं की स्थिति समाज में संतोषजनक नहीं और हम 8 मार्च को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए एकत्रित हो रहें हैं। महिलाओं के साथ हो रहें दोयम दर्जे के व्यवहार को आप एक हालिया घटनाक्रम से भी जोड़कर देख सकते हैं। अभी बीते दिनों ही भारत और पाकिस्तान के बीच महिलाओं का क्रिकेट मैच हुआ। जिसमें जीत भारतीय महिलाओं की हुई, लेकिन वो शोर-शराबा हमारे समाज में देखने को नहीं मिला। जो माहौल हम पुरुष क्रिकेट टीम के जीतने पर देखते हैं। वैसे ये सिर्फ एक उदाहरण मात्र है और ऐसे हमारे समाज में अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे। जो महिलाओं के साथ हो रहें दोयम रवैये की पोल-पट्टी खोलते हैं, फिर भी आज बात कुछ सकारात्मक होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि महिलाएं भले सदैव समाज में एक सम्मानित स्थान पाने के लिए जद्दोजहद करती हो, लेकिन वो महिलाएं ही हैं। जो सदैव युद्ध और नफरत के बीच शांति और प्रेम का परचम लहराने का प्रयास करती हैं।

अब भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच हुए बीते दिनों का मुकाबला ही उठाकर देख लीजिए। जहां पाकिस्तानी टीम की कप्तान बिस्मा मारूप अपनी छोटी सी बेटी को गोदी में लेकर जब क्रिकेट के मैदान पर आती हैं। उसके बाद भारतीय महिला खिलाड़ियों का दल उन्हें और उनकी बिटिया को घेर लेता है और जमकर नन्हीं सी बेटी के साथ सभी प्यार-दुलार करते हैं। जिसके विडियोज और फोटोज अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहें हैं। ऐसे में एक बात स्पष्ट है कि भले सियासतदां दोनों मुल्कों के कितना भी दुश्मनी अदा कर लें, लेकिन जब बात इंसानियत और मानवता की आती है। फिर शत्रुता और वैमनस्यता उसके सामने टिक नहीं पाते। एक अन्य उदाहरण देखें तो अभी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। इसी बीच यूक्रेन की पूर्व मिस ग्रैंड इंटरनेशनल ने रूस के खिलाफ बंदूक उठाई और फैसला किया कि वो अपने देश के लिए रूस के खिलाफ लड़ेंगी, लेकिन उन महिलाओं के खिलाफ भी सोशल मीडिया पर काफी अनाप-शनाप प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा। जो अपने देश के अस्तित्व को बचाने के लिए उठ खड़ी हुई है। ऐसे में देखें तो यहां भी महिलाएं एक अलग प्रकार से ही समाज के निशाने पर हैं। फिर भी गौर करने वाली बात है कि मिस यूक्रेन एक ब्यूटी क्वीन रही हैं, लेकिन वक्त आने पर उन्होंने अपने स्वभाव के ठीक उलट जाकर अपने देश की रक्षा करने के लिए बंदूक उठाई और यह गुण कहीं न कहीं एक महिला के भीतर ही मिल सकता है।

बात अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की निकली ही है तो महिलाएं समाज का एक अहम हिस्सा हैं लेकिन वक्त के साथ महिलाएं समाज और राष्ट्र के निर्माण का भी एक अहम हिस्सा बन चुकी हैं। घर-परिवार से सीमित रहने वाली महिलाएं अब चारदीवारी से बाहर निकलकर अन्य क्षेत्रों की ओर बढ़ी हैं। खेल जगत से लेकर मनोरंजन तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा मंत्रालय तक में महिलाएं न केवल शामिल हैं बल्कि बड़ी भूमिकाओं में हैं।इन सबके बावजूद अभी भी कुछ खामियां हैं हमारे समाज में जिन्हें दूर किए बिना महिला दिवस की सार्थकता सिद्ध नहीं की जा सकती और शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय महिला की थीम ह्यजेंडर इक्वालिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारोह्ल रखी गई है। वैसे देखें तो आज हमारे समाज में लैंगिक असमानता बहुत बढ़ गई है। जिसका परिणाम यह हुआ है कि वैश्विक आर्थिक मंच की अंतरराष्ट्रीय लैंगिक रिपोर्ट 2021 में हम 156 देशों की लिस्ट में 140 वें पायदान पर पहुँच गए हैं। ऐसे में बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ के दौर में महिला समानता के दावों की पोल अपने आप खुलकर सामने आ रही है और रही- सही कसर कोरोना महामारी ने पूरी कर दी है। दुनिया में जब कोई विपत्ति या महामारी आती है। तब- तब महिलाओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है और यह बात कोरोना काल पर भी लागू होती है। इस दौरान विश्व भर में लाखों महिलाओं ने अपनी जॉब खोई। अब सवाल यही उठता है कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में महिलाओं को ही क्यों जॉब से निकाला गया। विश्व भर में जब महिलओं के लेकर बात समता समानता की होती है तो यह बात धरातल पर क्यों नहीं दिखाई देती।

ऐसे में भले ही आज दुनिया के तमाम देश और हमारा समाज अधिक जागरूक बन गया है लेकिन महिलाओं के अधिकारों और हक की लड़ाई अभी भी जारी है और कई मामलों में महिलाओं को आज भी समान सम्मान और अधिकार नहीं मिले हैं। महिलाओं के इन्हीं अधिकार, सम्मान के लिए समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। वहीं एक आंकड़े की बात करें तो ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 कहती है कि विश्व भर में 35,500 संसदीय सीटों में महिलाओं का अनुपात सिर्फ 21.6 फीसदी ही है। इतना ही नहीं इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि 156 देशों में से 81 देश ऐसे है जहां उच्च राजनीतिक पदों पर कोई महिला नेता नहीं रही है और इसमें आश्चर्य की बात तो यह है कि अमेरिका, स्पेन, नीदरलैंड जैसे देश इसमें शामिल है। जहां लैंगिक भेदभाव ना के बराबर माना जाता है। हमारे देश में भी सक्रिय राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम ही देखी जाती है और 2018 के आर्थिक सर्वे में सभी विधानसभाओं में मात्र 9 फीसदी महिलाएं ही विधायक है। फिर आखिर में सवाल एक ही है कि जब इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम भी ह्यएक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानताह्ल रखी गई है तो क्या महिलाओं की दशा और उनके प्रति समाज की दिशा में बदलाव आएगा? या सिर्फ दिखावे की तरह ही महिला दिवस हर बार हम मनाते रहेंगे और समाज अपनी ढपली बजाते रहेगा?

(स्वतंत्र लेखिका एवं टिप्पणीकार)

## संपादकीय

# जवानों में तनाव

सुरक्षाबलों में बढ़ते तनाव की एक और घटना सामने आई है। पंजाब के अमृतसर जिले में बीएसएफ हेडक्वार्टर में रविवार सुबह एक जवान ने मेस में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। फायरिंग में 4 जवानों की मौत हो गई और 2 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं फायरिंग करने वाले जवान ने कुछ समय बाद खुद को भी गोली मार ली। अस्पताल ले जाते हुए उसकी भी मौत हो गई। फायरिंग की वजह ड्यूटी का विवाद बताया जा रहा है। जवानों द्वारा साथियों पर फायरिंग की यह पहली घटना नहीं है। कभी-कभार इस तरह के हादसे सामने आते रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर जवानों में इस तरह की हिंसक प्रवृत्ति जन्म कैसे ले लेती है जो वे अपने ही साथियों के हत्यारे बन जाते हैं। इस कारण की पड़ताल के लिए सीआरपीएफ ने एक ड्राइव चलाई थी, जिसमें जवानों से बात की गई। बातचीत में सामने आया कि दूरदराज के क्षेत्रों में तैनाती, लंबे समय से परिवार से दूरी, त्योहारों के समय अपनों की याद। ऐसी तमाम वजहें हैं जो जवानों को ऐसा कदम उठाने पर मजबूर कर देती हैं। जवानों को ऐसे हालात से बचाने के लिए विभिन्न उपायों की खोज की जा रही है। हालांकि अभी बहुत बेहतर उपाय मिल नहीं सके हैं। हथियारों की आसानी से मौजूदगी इन मामलों का सबसे घातक पहलू है। सभी पैरामिलिट्री फोर्स के जवान हैं और उनके पास हथियार भी हैं। ऐसे में वह खुद को या अन्य साथियों को गोली मार देते हैं। आमतौर पर आत्महत्या की प्रवृत्ति उन जवानों में सर्वाधिक देखी जाती है जो सीमा पर पहरा देते हैं या जोखिम भरे क्षेत्रों में काम करते हैं। अक्सर इन कार्यों में जवानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत-पाक सीमा पर गोलीबारी, आतंकवादी और उग्रवादी गतिविधियों के कारण पिछले तीन वर्षों में सुरक्षा बलों के तकरीबन चार सौ से अधिक जवानों ने जान गंवाई है। इनमें सबसे अधिक जवान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शहीद हुए हैं। इस बल ने 2015 से 2017 के दरम्यान 167 जवानों को खोया है। अपने साथी जवानों की शहादत को देख कर अन्य जवानों का विचलित होना स्वाभाविक है। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो इनमें से कुछ जवान अवसाद में चले जाते हैं। गृह मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में जवानों की आत्महत्या और अवसाद के कई कारण गिनाए थे, जिसकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न अर्धसैनिक बलों के चार सौ से अधिक जवानों ने आत्महत्या की और साथ ही अपने साढ़े तीन दर्जन से अधिक साथियों को निशाना बनाया। ध्यान दें तो आत्महत्या और साथियों को निशाना बनाने के अलावा बड़ी संख्या जवान नौकरी भी छोड़ रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि जवान अपनी नौकरी की सेवा शर्तों को लेकर बहुत संतुष्ट नहीं हैं। सुरक्षा बलों में उच्चाधिकारियों को ऐसे मामलों पर गंभीरता से विचार करना ही होगा क्योंकि अगर वह ऐसी हरकतें करने लगे तो उससे सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। विषम परिस्थितियों में काम कर रहे जवानों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना आवश्यक है क्योंकि काम का बोझ, परिजनों से दूरी, सुविधाओं तथा मनोरंजन का अभाव जवानों में तनाव का कारण बन रहे हैं।

# माँ शक्ति है, साहस है

डॉ. वंदना सेन

महिलाओं के बारे में यह कहना किसी प्रकार की अतिशयोक्ति नहीं है कि नारी समाज की शिल्पकार होती है। वह परिवार और समाज को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का अभूतपूर्व सामर्थ्य भी रखती है। आज परिवार में जो वातावरण दिखाई देता है, उसे बनाने में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह सर्वथा प्रामाणिक तथ्य है कि जब हम एक आदमी को शिक्षित करते हैं तो मात्र एक व्यक्ति ही शिक्षित होता है, लेकिन जब आप किसी नारी को शिक्षित करते है तो एक पूरी पीढ़ी को तो शिक्षित किया ही जाता है, बल्कि पूरे वातावरण में शिक्षा की सुरभि को प्रवाहित करते हैं। कहा जाता है कि जब आसपास के वातावरण में शिक्षा की सुगंध प्रसारित होती है तो वहां निवास करने वाले व्यक्ति सुख और शांति के साथ जीवन यापन करते हैं। वर्तमान में महिलाओं ने जिस शक्ति का अहसास कराया है, वह अतुलनीय है। हालांकि भारत में नारी की महत्ता को किसी भी जमाने में कम नहीं माना गया। पुरातन काल में भी भारतीय नारी ने पुरुषों के उत्थान में कदम कदम पर सहारा दिया है। जहां तक आध्यात्मिक और धार्मिक पक्ष की बात है तो यही कहा जाता है कि पुरुष यदि शिव है तो नारी उसकी शक्ति है। सीता हैं तो राम है, राधा है तो कृष्ण है।

(महिला दिवस पर विशेष)

बहुत समय पहले मैंने एक फिल्म देखी थी। फिल्म का नाम था दीवार। इस फिल्म की कहानी कितनी ही सही हो लेकिन फिल्म की एक लाइन लंबे समय तक याद की जाती है, जिसमें अभिनेता शशि कपूर अपने भाई अमिताभ बच्चन से कहते थे कि मेरे पास माँ है। इस शब्द को सुनकर अमिताभ बच्चन निरुत्तर हो जाते हैं। वास्तव में भारतीय संस्कृति में माँ शब्द में एक ऐसा अपनापन है। जिसमें ममता की गहराई है, वात्सल्य का ऐसा अमूल्य खजाना है, जो दुनिया में कहीं अन्यत्र नहीं मिल सकता। इसीलिए हमारे महापुरुषों ने माँ को भगवान का दर्जा दिया है, वहीं किसी भी बच्चे के लिए प्रथम गुरु भी केवल माँ ही है। वास्तव में आज के वातावरण में भी माँ की अद्भुत ममता का कोई मुकाबला नहीं है। कहते हैं किसी व्यक्ति के पास दुनिया की सारी दौलत है और माँ नहीं है, तो वह दुनिया का सबसे बड़ा गरीब आदमी है। दुनिया में धन तो परिश्रम करके भी कमाया जा सकता है, लेकिन माँ का प्यार पैसे से कभी नहीं खरीदा जा सकता है।

कहते हैं भगवान हर समय हर जगह उपलब्ध नहीं हो सकता हैं, इसी लिए भगवान ने माँ को बनाया हैं। हालांकि माँ की महानता को प्रदर्शित करते हुए बहुत कुछ लिखा जा चूका है, पढाया जा चुका हैं पर फिर भी माँ की महिमा इतनी अपरंपार है कि इसके बाद भी सब कम ही लगता हैं। वास्तव में माँ की महानता के लिए शब्द दे पाना अत्यंत ही दुष्कर कार्य है। भारत में माँ को पूजने के लिए एक दिन नहीं, पूरी जिंदगी लोग लगा देते हैं। कहा जाता है कि माँ की ममता अनमोल है, उसकी कीमत कोई नहीं चुका सकता है। जन्म से पूर्व भी माँ हमको नौ महीने तक संभाल कर रखती है।

यत्र नार्यन्तु पूज्यते, रमन्ते तत्र देवता। जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। यहां देवता का आशय किसी मूर्ति या चित्र से नहीं है, बल्कि एक ऐसे वातावरण से है, जो भारतीय वातावरण से ओतप्रोत है। जहां ऐसी मानसिकता का आंतरिक बोध है जो समस्त भूमंडल पर नारी की शक्ति को प्रकट करती हैं। वास्तविकता यह है कि नारी भगवान द्वारा की गई ऐसी रचना है, जिसके हृदय में सूर्य जैसा तेज, समुद्र जैसी गहरी गंभीरता, मन को स्नेह भाव सिक्त करने वाली चन्द्रमा जैसी शीतलता और पृथ्वी जैसी सहनशील करने वाली क्षमता है। इसलिए भारतीय संस्कृति में नारी का सर्वोच्च स्थान है। कहने का तात्पर्य यही है कि नारी ही शक्ति है और नारी ही नारायणी है।

वर्तमान समय में घर का उचित रूप से कामकाज संभालने वाली नारी दोहरी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। अपने कुशल प्रबंधन के चलते नारी इस भूमिका में अपनी सार्थकता को बेहतर तरीके से प्रमाणित करती है। कहा जाता है किसी भी व्यक्ति की प्रथम गुरु उसकी माँ होती है। किसी व्यक्ति में जो भाव और संस्कार माँ देती है, वह उसके सम्पूर्ण जीवन का महत्वपूर्ण आधार होती है। यह भाव ही व्यक्ति के जीवन की दिशा तय करते हैं। कहते हैं कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं, इस मामले में माँ की बड़ी भूमिका होती है। माँ चाहे तो अपने बच्चों का भविष्य बना सकती है, चाहे तो बिगाड़ सकती है। इसलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मां का स्थान पूजा के स्थान से कम नहीं होता। जिसके मन में माँ या नारी के प्रति श्रद्धा भाव रहता है, उसके जीवन में समाधान की राह प्रशस्त होती जाती है।

महिलाओं के बारे में यह कहना किसी प्रकार की अतिशयोक्ति नहीं है कि नारी समाज की शिल्पकार होती है। वह परिवार और समाज को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का अभूतपूर्व सामर्थ्य भी रखती है। आज परिवार में जो वातावरण दिखाई देता है, उसे बनाने में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह सर्वथा प्रामाणिक तथ्य है कि जब हम एक आदमी को शिक्षित करते हैं तो मात्र एक व्यक्ति ही शिक्षित होता है, लेकिन जब आप किसी नारी को शिक्षित करते है तो एक पूरी पीढ़ी को तो शिक्षित किया ही जाता है, बल्कि पूरे वातावरण में शिक्षा की सुरभि को प्रवाहित करते हैं। कहा जाता है कि जब आसपास के वातावरण में शिक्षा की सुगंध प्रसारित होती है तो वहां निवास करने वाले व्यक्ति सुख और शांति के साथ जीवन यापन करते हैं।

वर्तमान में महिलाओं ने जिस शक्ति का अहसास कराया है, वह अतुलनीय है। हालांकि भारत में नारी की महत्ता को किसी भी जमाने में कम नहीं माना गया। पुरातन काल में भी भारतीय नारी ने पुरुषों के उत्थान में कदम कदम पर सहारा दिया है। जहां तक आध्यात्मिक और धार्मिक पक्ष की बात है तो यही कहा जाता है कि पुरुष यदि शिव है तो नारी उसकी शक्ति है। सीता हैं तो राम है, राधा है तो कृष्ण है। महिला भगवान से भी बड़ी है। तभी तो दोनों के नाम का एक साथ उच्चारण करने पर नारी का नाम पहले आता है। माँ के उपकारो का वर्णन करना तो असंभव है। हम यह भली भाँती जानते हैं कि माँ बाप ने हमें आज इस लायक बनाया है, माँ नहीं होती तो हम इस धरती पर भी नहीं होते। लेकिन वर्त्तमान में हम माँ बाप की सेवा से विमुख होते जा रहे हैं। देश में वृद्धाश्रम में अनेक बुजुर्ग अपने बच्चों की अकर्मण्यता को दिखा रहे हैं, इसके बाद भी माँ के दिल में बच्चे के लिए जगह होती है। यही होता है माँ का रूप।

(लेखिका सहायक प्राध्यापक हैं)

# सीहोर धर्म अनुष्ठान.... राजनीति के चक्रव्यूह में.... !

ओमप्रकाश मेहता

क्या मध्यप्रदेश में अगले साल के अंत में होने वाला विधानसभा चुनाव देश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी धार्मिक आधार पर लड़ेगी? भाजपा चाहे इस कयास को गलत बताये किंतु प्रदेश में जिस तरह धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है और प्रदेश का धार्मिक या धर्म सम्बंधी कार्यों के लिए छः करोड़ से बढ़ाकर दो हजार करोड़ किया जा रहा है, उससे तो ऐसा ही लग रहा है। पूर्व कांग्रेस सरकार ने धर्म तथा धार्मिक कार्यों हेतु 2019 में मात्र छः करोड़ की राशि पारित की थी जिसे महज तीन साल बाद भाजपा सरकार बढ़ाकर तीन सौन गुना से भी अधिक करने जा रही है। आगामी सप्ताह जो राज्य का बजट सरकार विधानसभा में प्रस्तुत करने जा रही है, उसमें धर्म व धर्मस्व विभाग के लिए दो हजार करोड़ और गायों पर 90 करोड़ रूपए खर्च करने का प्रावधान किया जा रहा है।

वैसे बजट सम्बंधी तथा भाजपा सरकार के धर्म व धार्मिक आयोजन के प्रति झुकाव का ताजा उदाहरण पिछले सोमवार को इन्दौर- भोपाल राजमार्ग पर सीहोर के निकट आयोजित रूद्राक्ष महोत्सव है, जिसमें तीन लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति और उसके कारण राजमार्ग पर हुआ भीषण जाम है, मैं स्वयं भी इस जाम का शिकार हुआ, जिसे आष्टा से भोपाल पहुंचने में करीब छः घण्टे का समय लगा। यह राजमार्ग सोमवार 28 फरवरी को प्रातः दस बजे से रात ग्यारह बजे तक वाहनों द्वारा जनित जाम के कारण बाधित रहा। इससे व्यथित होकर इस आयोजन के आयोजकों ने यद्यपि छः दिवसीय आयोजन उसी दिन स्थगित कर दिया, जिसे लेकर सत्तारूढ़ दल में आपसी खिंचतान शुरू हो गई है, जिला प्रशासन का कहना है कि उसे पचास हजार लोगों के आयोजन में शामिल होने की सूचना दी गई थी जबकि करीब तीन लाख से भी ज्यादा लोगों ने उक्त आयोजन में शिरकत की। मैंने देखा लोग अंधेरे में मोबाइल की फ्लेश लाईट में रास्ता खोजते और राजमार्ग पर ह्यलिफ्टह्ल मांगते नजर आये।

मैंने इस मजमें को देखकर अपने सह-यात्रियों से कह दिया था कि इस आयोजन के पीछे राजनीति अवश्य है और सत्तारूढ़ दल के किसी बड़े नेता का आयोजन महाराज को समर्थन अवश्य है, जो अब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय द्वारा मुख्यमंत्री के लिये नाराजी भरे पत्र से उजागर हो गया। उस दिन सुबह से लेकर देर रात तक इसी कारण राजमार्ग का यातायात बाधित रहा, इसकी किसी को कोई चिंता नहीं थी। न वहां पीने के पानी की व्यवस्था थी, न प्रकाश की? सभी लोग अंधेरी रात में परेशान होते नजर आए, कारों की गति जाम के कारण डेढ़ घण्टा प्रति किलोमीटर थी, बच्चे भूख-प्यास से सड़क पर बिलख रहे थे और माँ-बाप परेशान थे, उनकी चिंता करने वाला कोई नहीं था, न जिला प्रशासन व धार्मिक आयोजन के कर्ताधर्ता ही? और जब एक दिन की इस भीषण परेशानी के बाद आयोजन स्थगित कर दिया गया तो इस पर राजनीति प्रारंभ हो गई। मैं स्वयं चूंकि इस दुःखद अवसार का भुक्तभोगी हूँ, इसलिए मैं आदरणीय कैलाश जी से पूछना चाहता हूँ कि वे स्वयं उस जाम के समय वहां थे और क्या अब ऐसी राजनीति ही चलेगी? इस आयोजन के स्थगन से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी व्यथित है, इस पर प्रदेश के गृहमंत्री को धार्मिक आयोजन के आयोजक कथाकार पंडित जी से व्यंग में कहना पड़ा कि ह्यह्यक्षमाप्रार्थी है, भविष्य में कुछ सेवा हो तो बताईयेगा, आपकी कृपा से ही यह सरकार चल रही है।ह्लह्ल

अब यहाँ मुख्य सवाल यह पूछ जा रहा है कि क्या अब इस तरह के धार्मिक आयोजनों तक ही प्रदेश की राजनीति सीमित होकर रह गई है, जबकि हमारे उस संविधान में जिसे मौजूदा सरकार ने श्रीमद्भागवत गीता की तरह लाल कपड़े में बांधकर रख दिया है और विशेष अवसरों पर उसकी पूजा की जा रही है, धर्म और राजनीति को एक-दूसरे से काफी दूर रखा गया है, धार्मिक आधार पर वोट बटौरना संविधान में कानूनन अवैध प्रयास माना गया है, जो अब आज की राजनीति का आधार बन गया है।

क्या अब इसी तरह के धार्मिक भावना भड़काने वाले आयोजन सत्ता की राजनीति के आधार बने रहेगें? इस सवाल का जवाब खोजना देश व देशवासियों के हित में ही होगा?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

## संक्षिप्त समाचार

### गर्भवती महिलाओं को आवश्यक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाए-डीएम

मदरलैण्ड संवाददाता, मोतिहारी। जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने सोमवार को बासमनपुर कॉलोनी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 94 पर मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर किया।मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत चिन्हित छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया।आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम को भी जिलाधिकारी ने स्वयं देखा एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं को आवश्यक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाए।इस अवसर पर सिविल सर्जन, एसीएमओ,डीपीएम, डब्ल्यूएचओ, एएनएम,सीडीपीओ, सेविका,सहायिका आदि उपस्थित थे।

### आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन

मदरलैण्ड संवाददाता, अररिया। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत सोमवार को बथनाहा स्थित एसएसबी के कम्पोजिट हॉस्पिटल में देश की सेवा में योगदान देने वाले विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित किया गया। देश की हिफाजत देश की सुरक्षा की थीम के साथ आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में आज वनविभाग एवं चिकित्सा विभाग के लोगों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर डीआईजी मेडिकल बिरम सिंह के हाथों सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में वनविभाग अररिया के जिला वन पदाधिकारी नरेश प्रसाद, बथनाहा के क्षेत्रीय वन पदाधिकारी बाणेश्वर पाठक, बथनाहा के वनपाल प्रभात मिश्रा, फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल की डीएस डॉ रेशमा रजा, डॉ केएन सिंह, वनपाल के सहायक दीपक, जीएनएम आरती कुमारी, सुषमा कुमारी सहित दो आशा कर्मी को भी शामिल थे। इस अवसर पर डीआईजी मेडिकल बिरम सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव कार्यकर्म के तहत देश की हिफाजत देश कि सुरक्षा की पवित्र भावना को लेकर देश की सेवा में जुटे विभिन्न विभाग से आए अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मौके पर कमांडेंट मेडिकल केएस थोरे, डॉ मनोज निरंजन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

### अंचल कर्मी हों मेहरवान तो भूमिहीन भी बन सकते हैं संपत्तिवान, मामला फर्जी जमाबंदी का।

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। अगर अंचल कर्मी आप पर मेहरवान हों तो आप भूमिहीन नहीं रह सकते. आपको दूसरे की जमीन मिल जाएगी.आपके नाम से किसी की जमीन का भी जमाबंदी कर दिया जाएगा.भले ही आपके लिए चौकाने वाली बात हो सकती है, परंतु अंचल कार्यालय खोदावन्दपुर के लिए यह कोई नयी बात नहीं है.ऐसा ही एक वाक्या बरियारपुर पूर्वी पंचायत का सामने आया है.भला हो उस युवक का जिसने अपने पूर्वजों के नाम पर वास्तविक से अधिक भूमि की जमाबंदी किए जाने के मामले का पदार्फाश करते हुए इनसानियत दिखायी है.बरियारपुर पूर्वी गांव निवासी स्वर्गीय बाबू प्रसाद वर्मा के पुत्र विवेक कुमार ने जमाबंदी कार्य में फजीर्वाड़ा किए जाने का मामला उजागर किया है. उन्होंने बताया है कि उनके दादा राम उदगार महतो के नाम से जमाबंदी संख्या 1493 है. इस जमाबंदी में रकवा 6 एकड़ 49.9 डिसमिल जमीन है. और इसका लगान अद्यतन है.इनका कहना है कि उनके दादा के नाम से खोदावन्दपुर अंचल कर्मियों द्वारा जमाबंदी संख्या 2072 कायम किया गया है. जिसमें रकवा 11 एकड़ 84.8 डिसमिल दशार्या गया है.श्री कुमार का कहना है कि उनके पूर्वजों के पास इतनी जमीन नहीं थी.और न तो इस जमाबंदी से संबंधित कोई रशीद ही उसके पास है.उनका कहना है कि रजिस्टर टू में जमाबंदी संख्या 2072 में सुदामा देवी पति रामविलास महतो अंकित है.इसका रकवा 6 कट्ठा 9 धुर है. रजिस्टर टू में अंकित रैयत का नाम एवं रकवा को वाइटनर लगाकर रैयत का नाम राम उदगार महतो व रामबिहारी महतो कर दिया गया है.इस जमाबंदी के रकवा को भी बढ़ा चढ़ाकर 15 बिगहा 18 कट्ठा 10 धुर कर दिया गया है. इतना ही नहीं जमाबंदी संख्या 277 में खाता एवं खेसरा अंकित नहीं है. विवेक कुमार का कहना है कि जमाबंदी संख्या 278 में रैयत का नाम खंतर सहनी है.जिसका उल्लेख रजिस्टर टू में नहीं है.यह जमाबंदी राम उदगार महतो के नाम से है.वित्तीय वर्ष 69-70 की रशीद के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है. उन्होंने यह भी बताया है कि जमाबंदी संख्या 2072 फर्जी है.इतना ही नहीं जमाबंदी संख्या 5946 मुकेश्वर महतो के नाम से है.रजिस्टर टू में जमाबंदी संख्या 1493 रैयत राम उदगार महतो के नाम से जमीन का खाता एवं खेसरा नंबर फर्जी तरीके से जमाबंदी संख्या 5946 में अंकित किया गया है.

कहते हैं अधिकारी-

इस संदर्भ में अंचलाधिकारी अमरनाथ चौधरी ने बताया कि इस तरह का मामला उनके कार्यकाल का नहीं है.यह मामला कई वर्ष पूर्व का है.मामला संज्ञान में आया है.जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई की जाएगा.

# अपने-अपने घरों से दहेज कुप्रथा को खत्म करने की करे शुरूआतः उपायुक्त

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा सत्संग कॉलेज के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर दहेज कूप्रथा व कन्या भ्रूण हत्या को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त, कॉलेज के प्राचार्य व जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि 08 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर पिछले वर्ष से इस मुहिम को चलाया जा रहा है, ताकि समाज में बेटियों के प्रति कुरीतियों को दूर किया जा सके। समाज में कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, बाल विवाह, बेटियों को शिक्षा से वंचित रखना जैसी कुरीतियों के अलावा महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रुप से सशक्त बनाने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति को अपनी सोच व नजरिया बदलने की आवश्यकता है, यूँ तो 08 मार्च ही नहीं पूरे वर्ष समानता का अधिकार बेटियों को मिलना चाहिए। कन्या भ्रूण हत्या व जिला में लिंगानुपात को सुधारने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी की सहभागिता आवश्यक है। सरकार के साथ-साथ समाज मे रहने वाले हर व्यक्ति व सामाजिक संस्थाओं का यह दायित्व बनता है कि वह जिले में दहेज कूप्रथा व लिंग अनुपात में आ रही गिरावट को गंभीरता से ले और बेटे-बेटी में अंतर न रखने को केवल नारेबाजी तक सीमित न रखकर समाज को जागरूक बनाने के लिए अपने स्तर से सभी ठोस प्रयास करे। ये हम सभी को समझना होगा कि आजकल बेटी-बेटा एक समान होते हैं और आज के युग में लड़किया लड़कों से कहीं बेहतर अपने आप को साबित करने में कामयाब रहीं हैं। समाज से इस कुप्रथा को पूर्ण रूप से खत्म करने में सभी को आगे आना होगा तभी एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव हो पायेगा। वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण है कि बेटियों को शिक्षित करते हुए महिलाओं को उनका हक और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सभी मिलकर कर कार्य करें। वहीं दूसरी दहेज कूप्रथा को समाज से खत्म करने के उदेश्य से सबसे महत्वपूर्ण है कि बेटियों का शिक्षित, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएं। साथ ही अपने-अपने घरों से इसकी शुरूआत अपने परिजनों और भाइयों को करते हुए करे। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के साथ मतदान के महत्व से सभी को अवगत कराये। इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान एएस कॉलेज की छात्र-छात्राओं को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा पुरस्कृत किया। इस दौरान उपरोक्त के अलावे* जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, प्राचार्य डॉ अशोक कुमार, डीसी सेल से प्रतिनियुक्त अधिकारी अमृता सिंह, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, महिला कोषांग की संयोजिका डॉ नीलिमा वर्मा, सचिव डॉक्टर पुष्प लता, डॉ रंजीत वर्णवाल, डॉ अरविंद झा, डॉ विजय लक्ष्मी, श्रीमती भारती प्रसाद ,डॉ टी पी सिंह, डॉ महेश सिंह, डॉ पायल प्रियदर्शिनी, डॉ अनुराधा, डॉ उमा, डॉ विनीता ,डॉ सुनीता कुमारी, डॉ ए के मांझी ,डॉ पी मित्रा आदि शिक्षक शिक्षिकाओं , धीरेंद्र कुमार, श्री भगवान जी रीता जी आदि शिक्षकेतर कर्मी एवं राजेंद्र, युवराज, प्रगति, चांदनी, पवन ,पिंटू,राजू,रवि, उमेश,सौरभ आदि सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

## खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को कृषकों से जोड़ने की आवश्यकताः उपायुक्त

### दलहन एवं तिलहन प्रसार तकनीकी पुस्तिका का किया गया विमोचन

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। दो दिवसीय वार्षिक क्षेत्रीय (तीलहन एवं दलहन) कार्यशाला का आयोजन शिल्पग्राम ऑडिटोरियम में किया गया, जिसका आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा आयोजित एवं केवीके सुजानी के सहयोग से किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी , बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर के कुलपति डॉ0 अरूण कुमार एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि दो दिवसीय कार्यशाला में बिहार व झारखण्ड के 68 कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुखों का देवघर में स्वागत है। वर्तमान में कृषि के क्षेत्र में आपार संभावनाएं है।वहीं आवश्यकता है कि आधुनिक तकनीकों को कृषकों के साथ जोड़ते हुए उन्हें सशक्त बनाया जा सके। कृषि विज्ञान केन्द्र को वर्तमान में जिला प्रशासन से जोड़कर ज्यादा से ज्यादा जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। कृषकों को फसलों संबंधी जानकारी व समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर कृषि विज्ञान केन्द्र को कार्य करते हुए कृषि के क्षेत्र को और भी बेहतर बनाते हुए किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करने की आवश्यकता है। आगे उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि देवघर जिले में एक्सपेरिमेन्ट के तौर पर ग्रामीण महिलाओं को बटन मशरूम के उत्पादन से जोड़ा गया था। इसकी विशेषता है कि आप इसे झोपड़ी में लाभप्रद खेती कर सकते हैं। मशरूम स्वास्थ्य फायदे की वजह से लगातार बाजार में भी इसकी मांग बढ़ती जा रही है। वही कम लागत में बटन मशरुम की मौसमी खेती करने के लिए अक्तूबर से मार्च तक का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है। ऐसे में कृषि पाठशाला के माध्यम से संबंधित प्रशिक्षकों द्वारा बटन मशरूम की वैज्ञानिक खेती के तकनीकों से ग्रामीण महिलाओं को अवगत कराया गया।एक महीने में लगभग 2.5 क्विंटल बटन मशरूम उत्पादन किया गया। वहीं इन्हें जल्द हीं योजना से जोड़ते हुए पूरे साल यहां बटन मशरूम का उत्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में योजना बनाई जा रही है। साथ हीं देवघर जिले में बाबा मंदिर, सत्संग आश्रम, रिखिया आश्रम व धार्मिक स्थल होने की वजह से गैंदा फूल की मांग अत्यधिक है। ऐसे में इस दिशा में भी बेहतर कार्य योजना बनाकर कार्य किया जा सकता है, ताकि स्थानीय लोगों को कृषि के माध्यम से बेहतर रोजगार मुहैया करायी जा सके। साथ हीं खेती को व्यवसायीकरण से कैसे जोड़ा जाय इस पर कार्य करने की आवश्कता है और समय-समय पर जिले के किसानों से सम्पर्क करते हुए उन्हें आधुनिक जानकारियों व तकनीकों से जोड़ने की आवश्यकता है।

कार्यशाला के दौरान बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर के कुलपति डॉ0 अरूण कुमार द्वारा जानकारी दी गई की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए देश को 4-5 मिलियन टन अतिरिक्त दलहन उत्पादन करने की जरूरत है और इसे तभी पूरा किया जा सकता है जब हम सही तरीके से इस दिशा में कार्य करें। आगे उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए दलहन और तिलहन के अपने अनुभवों को साझा किया और साथ ही दलहन प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और सीड हब कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई किस्मों और परिस्थिति विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर ध्यान देने की जरूरत है तथा साथ ही अधिकतम उपज लाभ लेने के लिए प्रदर्शनों का प्रबंधन करने, गुणवत्ता बीज के रूप में किसानों से किसानों के बीच उत्पादों का प्रसार करने और किसान के स्तर पर दलहन के मूल्य वर्धन को बढ़ावा देने की जरूरत को रेखांकित किया। साथ ही दलहन में बीज प्रतिस्थापन दर में बढ़ोतरी करने, किसानों द्वारा प्रमाणित एवं गुणवत्ता बीजों का कहीं अधिक इस्तेमाल करने और ऐसी फसलों विशेषकर सर्दियों के मौसम के दौरान संरक्षित सिंचाई के प्रावधानों पर बल दिया।

इसके अलावे कार्यशाला के दौरान निर्देशक, अटारी पटना डॉ अंजनी कुमार ने सभी का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यशाला में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से सभी को अवगत कराया।

*इस दौरान उपरोक्त के अलावे* डॉ आर.के सोहने, डॉ एम.एस कुंडू, वरीय वैज्ञानिक सह प्रमुख आनंद तिवारी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, केवीके सुजनी के वैज्ञानिक राजन ओझा, बिहार व झारखंड के 68 कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

## बालिकाओं को खेल में आगे बढ़ाने के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी-डीएम

### अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में खेल स्पर्धा का किया गया आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर के गांधी मैदान में बालिकाओं एवं महिलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक के द्वारा मशाल जलाकर किया गया।बालिकाओं के शारीरीक एवं मानसिक विकास हेतु खेल प्रतिस्पर्धा को जिला प्रशासन के द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।जिलाधिकारी ने कहा कि बालिकाओं को खेल में आगे बढ़ाने के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।ताकि जिला स्तर पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन कर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भेजा जा सके।एथलेटिक्स सौ मीटर दौड़ में प्रभा कुमारी प्रथम,चार सौ मीटर दौड़ में प्रभा कुमारी प्रथम,लॉन्ग जंप में सोनी कुमारी प्रथम स्थान पर रही।वहीं बॉक्सिंग में

निकी कुमारी,अंजली कुमारी,तलवारबाजी में अंशिका कुमारी, केसर राज बॉल बैडमिंटन में ज्योति कुमारी,मेघा श्री, सुनीता कुमारी विजेता रहे।कबड्डी में मोतिहारी की बालिका टीम विजेता रही।वहीं शॉट पुट में रिया राज,प्रभा कुमारी व आरती कुमारी विजेता रहीं।सभी विजयी खिलाड़ियों को जिलाधिकारी ने मेडल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर डीपीओ आईसीडीएस,समादेष्टा मोतिहारी,श्रम अधीक्षक राकेश रंजन,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी गुप्तेश्वर कुमार,खेल पदाधिकारी,सहायक निदेशक बाल संरक्षण, पुलिस पदाधिकारी गण,स्कूली छात्राएं, सीडीपीओ के अलावा आदि उपस्थित थे।

## परमाण पुल का निरीक्षण

» मदरलैण्ड संवाददाता

अररिया। मीरगंज पुराने लोहे के पुल के धस जाने के कारण गाड़ियों का आवागमन की बहाली के लिए सोमवार को विशाल मिश्रा कार्यवाहक प्रबंधक, एलपीएआई, अरविंद कुमार पीडी, (पीआईयू एनएचएआई) पूर्णिया, अरविंद ईई (आरसीडी) अररिया, विभूति भूषण प्रबंधक (एनएचएआई) आरओ पटना की उपस्थिति में परमन नदी पर आरओबी की स्थिति पर साइट चर्चा की गई। हम विश्वास व्यक्त करते हैं कि आने वाले महीनों में अगले महीने से आईसीपी जोगबनी को वाहनो की बहाली हेतु कोशीश और तेज की जाएगी। हालांकि, रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी के लिए सीआरएस की मंजूरी आईसीपी जोगबनी को व्यवस्थित कनेक्टिविटी के पूरक है, जो लंबे समय से सीआरएस, कोलकाता से एनएचएआई द्वारा अपेक्षित है।

## बांका सांसद पहुंचे प्रखंड मुख्यालय रजौन

### कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

» मदरलैण्ड संवाददाता

बाँका। सोमवार को बांका के सांसद गिरधारी यादव भागलपुर जाने के क्रम में रजौन प्रखंड अंतर्गत दीप नारायण सिंह महाविद्यालय में रुककर कॉलेज कर्मियों की समस्याओं को सुना। जिसके बाद वहां से वो सीधे प्रखंड मुख्यालय में स्थित जदयू कार्यालय पहुंचे जहां कार्यकताओं ने उनका स्वागत गर्मजोशी के साथ किया। जिसके बाद उन्होंने बैठक आयोजित कर आगामी 10 मार्च को होने वाले जदयू द्वारा घोषित उम्मीदवार विजय कुमार सिंह के नामांकन की चर्चा की गई। जिसके बाद प्रखंड जदयू अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह ने पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवार को पूर्णतया समर्थन देने का वादा किया और नामांकन के दिन अधिक से अधिक पंचायत प्रतिनिधि पहुंचने का आश्वासन भी दिया। जबकि जदयू राज्य परिषद सदस्य मनोज सिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवार को पूर्णरूपेण समर्थन प्राप्त रहेगा और नामांकन के दिन अधिक से अधिक प्रतिनिधि पहुंचेंगे। वही इस अवसर पर मीडिया प्रभारी अंजनी कुमार चौधरी, अचल कुमार, कुमोद मंडल, समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे

## सात दिवसीय टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

### पंचायत स्तर पर लगाया गया टीकाकरण शिविर

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को टीकाकरण के लिए अब भटकने की जरूरत नहीं होगी.अपने पंचायत में ही इसकी व्यवस्था की गयी है.प्रत्येक पंचायत में सुगम स्थल पर टीकाकरण शिविर लगाया गया है.इसकी जानकारी देते हुए सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ जगत रंजन ने बताया कि सोमवार से सात दिवसीय टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है.प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में टीकाकरण शिविर लगाया गया है.जहां गर्भवती महिलाओं व बच्चों को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टीका दिया जाएगा. बाड़ा गांव में इस शिविर का उद्घाटन करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि विभिन्न रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है. मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार, बीसीएम दयाशंकर पासवान, एएनएम मालती कुमारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रुबी कुमारी, अनिता कुमारी, मन्नू कुमारी, आशा कार्यकर्ता नीलम देवी, रिंकू देवी, सुधा देवी, रीना देवी आदि मौजूद थे।

## चार मार्च को शिक्षक ने किया योगदान एवं पांच मार्च को की गयी अन्यत्र प्रतिनियुक्ति

### विद्यालय के प्रभारी एच एम को नहीं दी गयी कोई सूचना

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। शिक्षा विभाग के आलाधिकारियों भले ही अपना राग अलापते रहें, परंतु धरातल पर उनकी कौन सुनता है. शिक्षकों को पठन-पाठन के अलावे किसी अन्य कार्य में प्रतिनियुक्त नहीं किए जाने का सख्त आदेश है. लेकिन उन्हीं के विभाग के अधिकारी शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति का खेल कर रहे हैं.हद तो तब हो गया जब नवनियुक्त शिक्षक ने अपने मूल विद्यालय में योगदान किया और अगले ही दिन उनकी प्रतिनियुक्ति दूसरे कार्य में जिला मुख्यालय में अगले आदेश तक के लिए कर दी गई. आश्चर्य की बात तो यह है कि संबंधित विद्यालय के प्रभारी एच एम को भी इसकी सूचना देना मुनासिब नहीं समझा गया. यह मामला खोदावन्दपुर प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाड़ा का है. मिली जानकारी के अनुसार पिछले दिनों बेगूसराय निवासी अभिषेक कुमार की नियुक्ति प्रखंड शिक्षक के रुप में हुई थी. इन्हें उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाड़ा में योगदान करने का आदेश दिया गया. शिक्षकों की कमी झेल रहे उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाड़ा में अभिषेक कुमार ने पिछले चार मार्च को इस विद्यालय में अपना योगदान किया, परंतु अगले ही दिन पांच मार्च को इस नवनियुक्त शिक्षक की प्रतिनियुक्ति सर्व शिक्षा अभियान से जुड़ें दूसरे कार्यों के लिए जिला मुख्यालय में डीईओ द्वारा कर दी गयी, लेकिन विभाग ने अबतक उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाड़ा के प्रभारी एच एम को इस संदर्भ में कोई भी सूचना अबतक नहीं दिया गया.

**कहते हैं प्रभारी एच एम-**

विद्यालय के प्रभारी एच एम मोहम्मद शाहजहां आलम ने बताया कि उनके विद्यालय में 473 बच्चे नामांकित हैं.बेगूसराय- रोसड़ा मुख्य पथ एस एच 55 के बगल में स्थित इस विद्यालय में कई समस्याएं हैं.विद्यालय में चाहरदीवारी नहीं है. विद्यालय में कुल सात शिक्षक पदस्थापित हैं. जिसमें छह महिला शिक्षक हैं.इनमें एक शिक्षिका नंद देवी पिछले 24 नवम्बर 2021 से रुगना अवकाश में हैं.उन्होंने बताया कि शिक्षकों की कमी से विद्यालय संचालन में कठिनाई हो रही है.इसी को लेकर इस विद्यालय में एक पुरुष शिक्षक देने की गुहार लगायी गयी थी.जिसके आलोक में अभिषेक कुमार का योगदान यहां करवाया गया, परंतु योगदान के साथ ही इस शिक्षक की प्रतिनियुक्ति अन्यत्र किए जाने से इस विद्यालय की समस्या यथावत बनी हुई है. नवनियुक्त शिक्षक की अन्यत्र प्रतिनियुक्ति से अभिभावकों में असंतोष देखा जा रहा है.बताते चलें कि सोमवार से विद्यालयों में वर्ग पंचम एवं अष्टम के बच्चों की वार्षिक परीक्षा शुरू हो चुकी है.

## संक्षिप्त समाचार

### ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लोगो को जागरूक करने हेतु चलाया गया अभियान

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा प्रखंड के 8 पंचायतों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सामाजिक अंकेक्षण सोसायटी बेतिया द्वारा सामाजिक अंकेक्षण किया जा रहा है। अंकेक्षण दल का नेतृत्व करते हुए टीम लीडर अरविंद कुमार ने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण तीन तरह से हो रहे है। भौतिक सत्यापन, मौखिक सत्यापन तथा दस्तावेजीकरण प्रकिया से, जिसमे अंकेक्षण दल के सदस्य के द्वारा घर-घर जाकर लाभार्थी सत्यापन की जा रही है।इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगो को अपने हक के लिए जागरूक करना है कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी योजना का लाभ लोगो तक पहुंच रहा है अथवा नही। उन्होंने बताया कि इस अभियान में जनवितरण दुकानदार द्वारा राशन वितरण में पारदशीर्ता, मनरेगा के तहत मजदूरों को उनका मेहनताना, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों को आवास मिलना, लोहिया स्वच्छ अभियान के तहत लोगो को जागरूक करना तथा इन कल्याणकारी योजना का लाभ उठा रहे लाभुकों से जानकारी प्राप्त करना है। शुक्रवार को भितिहरवा व दोमाठ पंचायत का अंकेक्षण किया गया। दोमाठ पंचायत के वार्ड नम्बर-3 में अंकेक्षण कर रही सिमा कुमारी ने बताया कि अंकेक्षण के दौरान यह पाया गया कि इस वार्ड में सभी लाभुकों को उचित लाभ मिल रहा है। अंकेक्षण उपरांत सोमवार को उक्त पंचायत में ग्राम सभा सह जनसुनवाई आयोजित की गई। ग्रामसभा में दो जीविका दीदियों को तथा एक आम व्यक्ति को ग्रामसभा का अध्यक्ष बनाया गया, अंकेक्षण किये गए सभी सरकारी योजनाओं का रिपोर्ट कार्ड आम लोगो के बीच पेश किया गया। ग्रामसभा में उचित निर्णय लेते हुए अधूरे कार्य को पूर्ण कराने का सम्बंधित वार्ड को निर्देशित किया गया। मौके पर दोमाठ मुखिया अंतिमा देवी,उक्त पंचायत के सभी जनवितरण दुकानदार ब्रजेन्द्र पाठक, दिलीप कुमार, हरिहर महतो, नंद कुमार, उपमुखिया सुजीत राय, बीएओ वीरेंद्र प्रताप, पंचायत के वार्ड सदस्य के साथ अंकेक्षण दल की सदस्य बेबी कुमारी, खुशबू कुमारी, सिमा कुमारी, मिंटू कुमारी, संजू कुमारी, पिंकी कुमारी, फूलकुमारी देवी आदि शामिल थी।

### युक्रेन से सकुशल गांव पहुंचा अमित

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा के मोर बेलवा गांव निवासी मेडिकल का छात्र अमित का रविवार की रात अपने घर पहुंच गया हैं। अमीत को घर पहुंचने की सूचना मिलते ही अमीत को देखने व उनका हाल जानने के लिए बीडीओ अजय प्रकाश राय, बुधेश्वर प्रसाद, पंजाबी पासवान व गांव वाले उनके घर पहुंच उनकी आपबीती की जानकारी ली। मिली जानकारी के अनुसार अमित 5 मार्च को दिल्ली सुबह में पंहुचे और वहां से उन्हें तुरंत दोपहर 1 बजे पटना फ्लाईट से उतार कर सकुशल 9 बजे रात में घर छोड़ दिया गया। अमीत ने बताया कि जब हम सभी एक साथ दिल्ली पहुंच गए तब मन से डर समाप्त हुआ। हमलोगों ने राहत की सांस ली। अमीत ने बताया कि वे पश्चिमी युक्रेन में चैनवीथी शहर में थें। रुस और युक्रेन के बीच पूर्वी युक्रेन में युद्ध चल रहा था। उन्होने बताया कि आने वालें कुछ ही समय में यहां भी युद्ध जैसा माहौल उत्पन होने वाला था। इसलिये डर लग रहा था। वतन वापस लौटने व सकुशल घर पहुंच जाने के बाद वे बहुत खुश हैं।

### जदयू नेता सह केन्द्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह का हुआ भव्य स्वागत

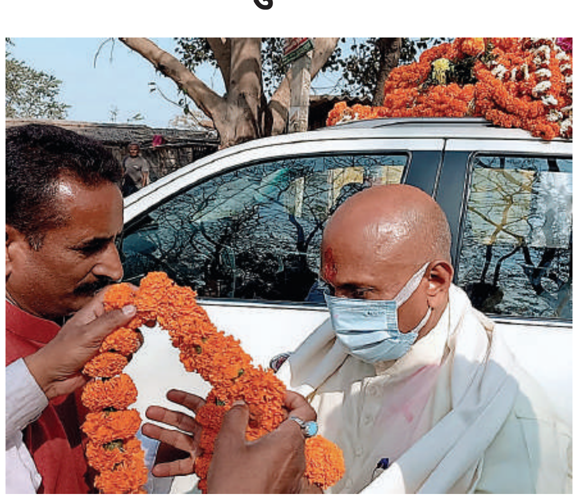

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। भारत सरकार के केन्द्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह के स्वागत हेतु लौरिया में करीब एक दर्जन जगहों पर त्वारण द्वार लगाए गए थे।वहीं चनपटिया रोड में जदयू नेता मालिक ठाकुर के नेतृत्व में। वहीं गोलमबर चौक पर संजय मिश्रा के नेतृत्व में तथा उनके सिसई जाने के क्रम में सुगौली मोर पर प्रखंड जद यु के अध्यक्ष कंनहैया कुशवाहा के नेतृत्व में इस्पात मंत्री को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। भारत सरकार के केन्द्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र सिंह लौरिया प्रखण्ड के सिसई गांव पहुंच कर जदयू के दिवंगत कार्यकर्ता स्व इंद्रासन बिंद के मृत्युपरांत उनके परिजनों के हाल चाल जानने पहुंचे।इस दौरान श्री सिंह ने कहा की कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं जद अपने पुराने साथी को खोया है यह बहुत बड़ी क्षति है स्व बिंद का पार्टी में अमुलय योगदान रहा।वे हमेशा दल को आगे बढ़ाने में लगे रहे।वहीं केन्द्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र सिंह ने बताया की दल के कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए लौरिया पहुंच कर जनता दल यूनाइटेड दल को मजबूत करने में कार्यकताओं को संगठन की मजबूती में लगने के लिए कहा।मौके पर हिंमाशु पासवान श्रीकांत प्रसाद सुनिल कुमार शर्मा राजकुमार वृजकिशोर नरेश ठाकुर डीपीटी राम शहाना परवीन नंदकिशोर चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।श्री सिंह सिसई के स्व इंद्रासन बिंद के परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना तथा हर संभव सहयोग करने की बात कही।

# जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोदभराई कार्यक्रम आयोजित

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सोमवार को गोदभराई दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान सेविका व सहायिका द्वारा पोषक क्षेत्र के अधीन सात से नौ महीने की गर्भवती महिलाओं के बीच गोदभराई रस्म की गयी। गौरतलब है कि गर्भावस्था के दौरान माताओं को उचित पोषण सहित संबंधित अन्य जानकारियों से अवगत कराने के लिये प्रत्येक माह के सात तारीख को आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोदभराई रस्म का आयोजन किया जाता है। इस क्रम में गर्भवती महिलाओं को उपहार स्वरूप पोषण की पोटली भेंट की जाती है। पोटली में गुड़, चना, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन की गोली, पोषाहार व फल आदि शामिल होते हैं।

**स्वस्थ्य बच्चे के लिये मां का सेहतमंद होना जरूरी :**

डीपीओ आईसीडीएस सुगंधा शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि गर्भावस्था के आखिरी दिनों में गर्भवती माताओं को बेहतर पोषण की जरूरत अधिक होती है। बेहतर पोषण के आभाव में महिलाओं में खून की कमी होने की आशंका होती है। इससे प्रसव प्रक्रिया के जटिल होने का खतरा होता है। डीपीओ आईसीडीएस ने बताया कि स्वस्थ्य बच्चे के लिये मां का सेहतमंद होना जरूरी है। गर्भवती माताओं के बेहतर पोषण से मातृ मृत्यु दर के मामलों में काभी हद तक कमी लायी जा सकती है। साथ ही नवजात को कई जन्मजात बीमारियों के खतरों से भी बचाया जा सकता है।

**गर्भावस्था के दौरान जरूरी है सही पोषण:**

राष्ट्रीय पोषण अभियान के जिला समन्वयक अनमोल गुप्ता ने बताया कि गर्भावस्था के आखिरी महीनों में शरीर को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इस दौरान आहार में प्रोटीन, विटामिन, काबोर्हाइड्रेट के साथ वसा पर्याप्म मात्रा में शामिल होना जरूरी है। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के बीच साप्ताहिक पुष्टाहार वितरित किया जाता है। महिलाएं अपने घर में आसानी से उपलब्ध होने वाले भोज्य पदार्थ का नियमित सेवन से भी सही पोषण का आसानी से ध्यान रखा जा सकता है। हरी साग-सब्जी, सतरंगी फल, दाल, सूखे मेवे व दूध के सेवन से आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति आसान हो जाती है।

# मनरेगा से निर्माण हो रहे ईट सोलिंग सड़क का बीडीओ ने किया निरीक्षण

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत भेड़मारा पंचायत के हरिप्रसाद में पीडब्ल्यूडी सड़क से परिमल झां के घर तक पहले पाठ में वहीं दूसरे पाठ में रंजन झा के घर से मनिहारी सीमा अख्तर के घर तक ईट सोलिंग सड़क का निर्माण हो रहा हैं।जिसमें भाजपा नेता अशोक कुमार झा ने ईट सोलिंग सड़क निर्माण का विरोध जताया था, वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी मंजू कुमारी को मोबाइल पर सड़क निर्माण हो रहे जांच करने की बात कही थी।इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी मंजू कुमारी,मनरेगा जेई ने ईंट सोलिंग हो रहे सड़क का जांच किया एवं ग्रामीणों से भी पूछताछ किया, जिस पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सबो की बातों को सुनते हुए बताया कि मनरेगा से यह सड़क का निर्माण 2 पाठ में हो रहा हैं। पहला पाठ पीडब्ल्यूडी सड़क से परिमल झा के घर तक ,वहीं दूसरा पाठ में रंजन झा के घर से मनिहारी सीमा अख्तर के घर तक ईट सोलिंग सड़क का निर्माण हो रहा हैं जो निरीक्षण के क्रम में ईट को उखाड़ कर भी देखा गया। इस बाबत अशोक झा ने बताया कि सड़क का हो रहे निर्माण का बीडीओ को मोबाइल पर जानकारी दिए थे। इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी ने भी सड़क का निरीक्षण किया जिसमें वे संतुष्ट दिखे। इस अवसर पर वार्ड सदस्य दस नंदन भुईया, मोहम्मद मालेकुस्तुर उर्फ लाबू आमीन, रंजन झा, कमल किशोर गुप्ता, राजेंद्र पोद्दार, राजकिशोर मंडल, रंजीत भुईया, उत्तम भुईया, शिवचरण भुईया आदि लोग मौजूद थे।

# तेजस्वी के नेतृत्व में सूबे के भ्रष्ट नीतीश सरकार को हटाने के लिए नौजवान आगे आएं : युवा राजद

## युवा राजद प्रदेश में 10 लाख और जिला में 50 हजार सदस्य बनायेगी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कटिहार जिला युवा राष्ट्रीय जनता दल द्वारा राजद सदस्यता अभियान की सफलता और स्थानीय प्राधिकार विधान परिषद चुनाव को लेकर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता युवा राजद के जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने किया। बैठक के मुख्य अतिथि युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष मो०कारी सोहैब और विशिष्ट अतिथि युवा राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव थे। युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष मो०कारी सोहैब ने संबोधित करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में सूबे के भ्रष्ट नीतीश सरकार को हटाने के लिए युवा आगे आएं। नीतीश सरकार में नौजवान आत्म हत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। श्री सोहैब ने कहा कि सदस्यता अभियान को गति और स्थानीय प्राधिकार निकाय कोटे से होने वाले चुनाव में विधान परिषद के राजद उम्मीदवार कुंदन यादव को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए युवा राजद के कार्यकर्ता पूरी ताकत झोंक दें। बिहार में विधानपरिषद की सभी उम्मीदवार भारी मतों से चुनाव जीत रहे हैं। युवा राजद के प्रदेश प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण कुमार यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की लोकप्रियता और कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर भारी संख्या में युवा नौजवान राजद की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। युवा राजद ने बिहार प्रदेश में 10 लाख और कटिहार जिला में 50 हजार राजद का सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 30 जून तक सदस्यता अभियान चलेगा। युवा राजद निर्धारित समय पर अपने लक्ष्य को पूरा करेगा।

इस मौके पर युवा राजद के प्रदेश प्रवक्ता अरूण यादव, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री रामप्रकाश महतो, पूर्व विधायक नीरज यादव, जिलाध्यक्ष अब्दुल गनी, प्रधान महासचिव भोला पासवान, युवा प्रधान महासचिव हसन आरजू, साकिर रेजा, अरविंद कुशवाहा, कन्हैया पासवान, प्रदेश के नेता रविकांत यादव, चिंटू यादव, अंबू यादव, मिनहाज आलम, ललिता तिर्की, अख्तर आलम बबलू, सगीर शेरसाह, नीलांबर वर्मा, नगर अध्यक्ष बासू लाल, बच्चू भट्टाचार्य, श्यामलाल यादव, विजय राय के साथ साथ सैकडों साथी मौजूद रहे।

# ट्रेन की चपेट में आने से शख्स की हुई मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

## पुलिस मामला दर्ज कर आगे के अनुसंधान में जुटी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बैगना रेलवे फाटक के समीप शनिवार की देर रात हरी गंज निवासी मोहम्मद सद्दाम का शव संदेहास्पद स्थिति में मिला। लेकिन परिजनों के द्वारा इसे हत्या का आरोप दिया गया। उनकी माने तो कुछ लोगों ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर शव को रेलवे गेट के पास फेंक दिया था। परिजनों के द्वारा नगर थाना में हत्या का मामला दर्ज कराया गया और कुछ लोगों पर इस हत्या का आरोप भी लगाया गया पुलिस ने हत्या का आरोप दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम भी कराया और अनुसंधान में जुटे है। लेकिन इस हत्या के पीछे की सच्चाई कुछ और ही है। मो सद्दाम की मौत पीट-पीटकर नहीं बल्कि ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। इस घटना को देखने वाले बैगना रेलवे फाटक के गेट में घनश्याम कुमार ने बताया है उन्होंने बताया कि रात 10 बजे गुवाहाटी से 05628 ट्रेन कटिहार आ रही थी। जिसके लिए उन्होंने रेलवे फाटक को 5 मिनट पहले बंद कर दिया था। 14 गेट बंद करने से दो-तीन मिनट के बाद एक शख्स गेट पार्क पटरी के बीच खड़ा हो गया और फोन पर बात करने लगा जिसे देख कर गेटमैन के द्वारा उस शख्स को बार-बार बताया जा रहा था कि ट्रेन आने वाली है। वह उस जगह से हट जाए। लेकिन वह शख्स उसी जगह खड़ा रहा। जब ट्रेन पास आ गई तो वह शक्स ट्रेन को रोकना चाह रहा था। इसी दौरान वह ट्रेन के चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई।

मो सद्दाम के मौत पर उनके पिता ने बताया कि उनका पुत्र जमीन खरीद बिक्री का काम करता था। इसी दौरान उनका कई दुश्मन बन गया था। जो उसे जान से मारने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने अपने पुत्र की मौत का जिम्मेदार उन लोगों को बनाया है। जिसमें कई लोगों का उन्होंने नाम भी लिया है। पिता के द्वारा नगर थाना में भी हत्या का ही मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल मामले के अनुसंधान में पुलिस जुटी है। लेकिन शख्स की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुआ है। इसका पूरा खुलासा हो गया है। क्योंकि जिस जगह पर यह दुर्घटना हुई है उस जगह रेल प्रशासन के तरफ से सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। जिसमें वह घटना पूरी तरह रिकॉर्ड हो चुकी है। फिलहाल पुलिस के द्वारा सभी बिंदुओं पर जांच करते हुए आगे के अनुसंधान में जुटी हुई है। वही अभियुक्त ने बताया कि कि मेरा मृतक सद्दाम से काफी अच्छा घरेलू संबंध था और मुझे केस में झूठा फसाया जा रहा है।

# कुरसेला में चलाया गया कांग्रेस पार्टी का डिजीटल सदस्यता अभियान

## दर्जनो लोगों ने ग्रहण की कांग्रेस की डिजिटल सदस्यता

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस पार्टी के कटिहार जिला अध्यक्ष ने कुरसेला प्रखंड मे कार्यकताओं के साथ डिजिटल सदस्यता अभियान चलाया। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रेम राय की अगुवाई में सोमवार को कुरसेला प्रखंड के एजी बाजार, बस स्टैंड, बल्थी महेशपुर पहुंच कर कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं के बीच डिजिटल सदस्यता अभियान चलाया। डिजिटल सदस्यता अभियान में कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रखंडों के निचले स्तर तक डिजिटल सदस्यता गति प्रदान करने के लिए कुरसेला प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता के लिए दौरा किया। जिसमें दर्जनों लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्य बने। वहीं क्षेत्र भ्रमण के बाद उत्तरी मुरादपुर पंचायत में कांग्रेस के जिला रीसर्च कोऑर्डिनेटर रूमी खान निवास पर सदस्यता अभियान चलाया गया। वहीं इस दौरान कांग्रेस का संदेश भी लोगों के बीच दिया गया। कोढा की पूर्व कांग्रेस विधायक पूनम पासवान ने बताया कि सोमवार को कुरसेला प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में सदस्यता अभियान चलाया गया है। जहां बड़ी तादाद में लोग कांग्रेस का सदस्य बन रहे हैं। कांग्रेस को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। बढ़ती बेरोजगारी महंगाई, भ्रष्टाचार को लेकर घिरी भाजपा सरकार के विरुद्ध लोगों में काफी नाराजगी है। 31 मार्च तक पूरे जिले में सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। इस डिजिटल सदस्यता अभियान में प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार , कटिहार नगर अध्यक्ष सौरभ कुमार , अंशुमान कुमार अग्रवाल , राजीव रंजन झा , अशोक कुमार मंडल , सत्यनारायण चौधरी , बिहारी मंडल , विंदेश्वरी मंडल , परवेज अंसारी , अर्जुन कुमार शर्मा , मधुसूदन मंडल आदि शामिल थे।

# आंगनबाड़ी केंद्रों पर हुई गोद भराई की रस्म

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मातृ-शिशु मृत्युदर में कमी लाने के उद्देश्य व गर्भवती माताओं को कुपोषण से बचाने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों में गर्भवती महिलाओं का गोद भराई कार्यक्रम आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित किए गए। इस दौरान फलका प्रखंड के गोपालपट्टी आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 62 पर सेविका संयुक्ता कुमारी के द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की देखभाल को लेकर कई जानकारियां दी गई।

इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पोषण की दृष्टि से सिर्फ दाल ही दी गई। आपको बताते चलें कि हर माह के सात तारीख को गोद भराई का कार्यक्रम कराया जाता है। गर्भवती महिलाओं को कई बीमारियों की आशंका रहती है। इसको लेकर विभाग के निर्देश पर पोषक क्षेत्रों के गर्भवती महिलाओं को पोषण की दृष्टि से कई चीजें आंगनबाड़ी केंद्र की ओर से दी जाती है।

गोद भराई का मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दिनों में बेहतर पोषण की जरूरत के बारे में गर्भवती महिलाओं को अवगत कराना है। माता एवं गर्भस्थ शिशु के बेहतर स्वास्थ्य एवं प्रसव के दौरान होने वाली संभावित जटिलताओं में कमी लाने के लिए गर्भवती के साथ परिवार के लोगों को भी अच्छे पोषण पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर पोषण एक स्वस्थ बच्चे के जन्म में सहायक होने के साथ गर्भवती महिलाओं में मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी भी लाता है।

# आवास प्लस लाभुकों का भुगतान यथाशीघ्र करना सुनिश्चित करें-जिलाधिकारी

## पीएम आवास योजना,इंदिरा आवास योजना एवं आवास प्लस की डीएम ने की विस्तृत समीक्षा

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना,इंदिरा आवास योजना एवं आवास प्लस की विस्तृत समीक्षा की गई।इस क्रम में जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि आवास प्लस लाभुकों का भुगतान यथाशीघ्र करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आवास प्लस लाभुकों को प्रथम किस्त का भुगतान शुरू हो चुका है।दो दिनों में शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों से नाजायज वसूली करने वालों पर एवं बिचौलियों पर विशेष निगरानी रखें।ऐसे मामलों में संज्ञान मिलते ही संबंधित कर्मियों एवं संदिग्धों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि लाभुकों के बीच जागरूकता फैलाएं कि वे बिचौलिए या किसी दलाल के बहकावे में ना आए।गरीबों के उत्थान के लिए सरकार की योजना को धरातल तक पहुंचाये।समीक्षा के क्रम में उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बिहार विधान परिषद चुनाव 2022 के निमित्त अपने कर्तव्य एवं दायित्वों का ससमय निर्वहन करेंगे।नगर निगम क्षेत्रों एवं नगर परिषद क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिम, बैडमिंटन मैट,क्रिकेट पिच,फुटबॉल ग्राउंड,इंडोर स्टेडियम, कबड्डी, कुश्ती, बॉक्सिंग आदि खेलों को विकसित करें।ताकि खेलो इंडिया एवं फिट इंडिया के तहत जिला के खेल पारा मीटर को सुरक्षित किया जा सके।इस अवसर पर संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

## संक्षिप्त समाचार

### भागलपुर ब्लास्ट में सामने आया झारखंड कनेक्शन, टेरर एंगल से रही जांच

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर ब्लास्ट में झारखंड कनेक्शन सामने आया है। इस मामले की जांच कर रहे एटीएस भागलपुर के खुलासे में जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक भागलपुर के जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां विस्फोटक झारखंड के साहेबगंज जिले से लाया गया था। उल्लेखनीय है कि भागलपुर जिले में गुरुवार रात तातारपुर थाना क्षेत्र के काजबली चक के एक घर में धमाके में 15 लोगों की मौत हो गई थी। एटीएस की टीम जांच के साहेबगंज के लिए निकाल चुकी है। अब इस मामले में टेरर एंगल से भी जांच की जा रही है। वहीं धमाके के बाद से घर का मालिक मोहम्मद आजाद फरार है जिसके गिरफ्तारी के लिए पुलिस लागतार छापेमारी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार एटीएस की जांच जो खुलासा हुआ है, उसके बाद से अब इस मामले में टेरर एंगल से भी जांच शुरू हो गई। बताया जाता है कि भागलपुर के जिस घर में विस्फोट हुआ है, वहां विस्फोटक झारखंड के साहेबगंज जिले से लाया गया था। भागलपुर पुलिस की एसआईटी झारखंड जाकर पूरे मामले का अनुसंधान करेगी। बता दें, भागलपुर के जिस घर में विस्फोट हुआ वहां से एसआईटी की टीम को प्रेशर कुकर में बारूद भी बरामद हुआ है। अब बरामद बारूद की जांच भागलपुर एफएसएल की टीम करेगी। जानकारी के अनुसार भागलपुर के मोहम्मद आजाद के घर से एसआईटी को बारूद बरामद किया गया है, वहीं उसके परिजनों के घर से भी बारूद मिला है। अब एफएसएल की टीम दोनों जगह से मिली बारूद का मिलान करेगी। बारूद मिलने के बाद एसआईटी ने मो आजाद के परिजनों से पूछताछ भी की है। हालांकि मो आजाद अबतक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। मो आजाद की गिरफ्तारी भागलपुर पुलिस के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है। हालांकि भागलपुर एसएसपी ने बताया आजाद की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताया जाता है कि एटीएस की टीम धमाके मामले की जांच के लिए झारखंड के साहेबगंज जिला पहुंच चुकी है। हालांकि, झारखंड के अधिकारियों की ओर से इस मामले में अब तक कोई बयान सामने नहीं आया है।

### 24 कुंडीय यज्ञ के प्रथम दिन जयकारा, शंख घड़ियाल, पुष्प वृष्टि के बीच विराट कलश शोभायात्रा निकाली

बनमनखी (पूर्णिया)। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय महायज्ञ के प्रथम दिन गायत्री शक्तिपीठ राजहाट से मां गायत्री के जयकारों एवं शंख घड़ियाल के गुंजायमान वातावरण एवं भव्य पुष्प वृष्टि के बीच विराट कलश शोभायात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा शुरू होने से पहले शांतिकुंज से आए पुरोहितों की टोली ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत कलश पूजन कराया। इस दौरान भव्य एवं विशाल शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गायत्री यज्ञ स्थल सुमरित उच्च विद्यालय के क्रीड़ा मैदान के परिसर में पहुंचा। इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में पीत वस्त्र के परंपरागत परिधानों से युक्त माथे पर कलश एवं पौराणिक ग्रंथों के साथ लिए महिलाओं एवं कुमारी कन्याओं की यह विशाल यात्रा बनमनखी वासियों के लिए ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय रहा। शोभायात्रा के आगे मां गायत्री एवं गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा की भव्य संयुक्त तस्वीर से सुसज्जित रथ शोभा यात्रा के आगे आगे चल रहा था। उसके पीछे पंक्ति वध हजारों की संख्या में नर-नारी मां गायत्री के जयकारों के साथ-साथ आम जनों को आगामी 24 कुंडीय यज्ञ में आने का आमंत्रण दे रहे थे। शोभा यात्रा के स्वागत अभिनंदन में दर्जनों स्थानों पर स्वयंसेवी, धार्मिक, राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों के द्वारा अनेक तोरण द्वार लगाकर पुष्प वृष्टि के साथ-साथ पानी शरबत चॉकलेट एवं फल की व्यवस्था किया गया था। नगर के विभिन्न मार्गों पर यात्रा के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में नर-नारी एवं आमजन उपस्थित होकर कलश यात्रा के स्वागत के लिए खड़े दिखाई पड़ रहे थे। कलश यात्रा के समापन पर शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे टोली के सदस्यों का विशाल मंच पर परिचय एवं स्वागत अभिनंदन किया गया और अंत में आरती एवं प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। इसके उपरांत सबों ने सामूहिक प्रसाद अमृता सन खिचड़ी भोज का आनंद लिया। मंगलवार को प्रातः काल से शांतिकुंज से पधारे डोली के द्वारा यज्ञ और हवन एवं प्रवचन का कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएगा।

### दो हजार सरकारी विद्यालयों में फिर गर्म हुई रसोई

पूर्णिया। करीब दो साल से सरकारी विद्यालयों में ठंडी पड़ी रसोई एक बार फिर गर्म हो गई है। जिले के दो हजार से अधिक प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में मार्च के पहले सप्ताह से मध्याह्न भोजन योजना शुरू कर दिया गया है। छात्रों को दोपहर में अब एक बार फिर गर्म खाना नसीब होने लगा है जिससे छात्रों एवं अभिभावकों में खुशी है। कोविड-19 ने पूरी दूनिया में व्यवस्था को प्रभावित किया। कोरोना काल में सबसे अधिक बुरा असर शिक्षा परर पड़ा तथा स्कूलों को बंद करना पड़ा। इस दौरान जिले के 2052 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में बच्चों को मिलने वाला मध्याह्न भोजन भी ठप हो गया। सभी स्कूलों में वर्ष 2020 से ही ताला लटका दिया गया। हालांकि बीच मे स्कूल खुले लेकिन सिर्फ शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई थी। न छात्र आए न रसोई शुरू हुई। इस बीच छात्रों के बीच पका-पकाया भोजन की जगह सूखा राशन का वितरण किया गया। लेकिन कोरोना का कहर थमते ही स्थिति सामान्य होने लगी है।

## मिशन इन्द्रधनुष 4.0 रोगमुक्त देवघर के निर्माण में सहायकः उपायुक्त

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। दीनबंधु मीडिल स्कूल के सभागार में उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में फाईलेरिया से बचाव हेतु मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (टऊअ) कार्यक्रम एवं मिशन इन्द्रधनुष 4.0 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, सिविल सर्जन डॉ0 सीके शाही, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार एवं विद्यालय के प्राचार्य सभी शिक्षक, कर्मचारियों व स्कूल की छात्राओं ने कृमिनाशक एलवेंडाजोल की गोली खाकर देवघर को फाईलेरिया मुक्त जिला हेतु प्रेरित किया।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि फाईलेरिया से बचाव हेतु जिले में 7-12 मार्च तक लगभग 16 लाख लोगों को अभियान के तहत दवाई खिलाई जानी है। साथ हीं इससे बचाव हेतु सबसे महत्वपूर्ण है कि किस प्रकार एल्बेंडाजोल की गोली को चबाकर खाना है और इसे खाने के क्या-क्या लाभ है। आगे उन्होंने स्कूली छात्राओं को जानकारी देते हुए कहा कि हमारे शरीर के अंदर बहुत सारे जीवाणु, विषाणु, प्रोटोजोआ आदि निवास करते हैं। इनमें से कुछ हमारे शरीर के लिए लाभदायक है, परंतु कुछ ऐसे भी हैं जिससे हमारे शरीर को हानि पहुँचती हैं। ऐसे में हमारे लिए यह आवश्यक होता है कि हम उसे चिन्ह्ति कर उसका नाश करें, ताकि हमारे शरीर की रक्षा वैसे हानिकारक जीवाणुओं से हो सकें। इसके लिए हम तरह-तरह के औषधियों का सेवन भी करते हैं। इसी प्रकार कृमि संक्रमण भारत के लिए जनस्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण विषय है एवं बच्चों में यह सर्वाधिक होता है, जिससे बच्चों के शारीरिक विकास, पोषण और ज्ञान संबंधी विकास के साथ-साथ विद्यालय की उपस्थिति पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ता है। अतः इसके रोकथाम हेतु आवश्यक है कि 01 से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को निश्चित समयांतराल पर कृमि नाशक दवाई का सेवन करायी जानी चाहिए। वहीं उपस्थित लोगों को उपायुक्त ने एल्बेंडाजोल गोली को लेने के फायदे व स्वच्छता संबंधी व्यवहार को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि साफ-सफाई को आत्मसात करते हुए शौच हेतु हमेशा शौचालय का ही प्रयोग करें। साथ हीं दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें, ताकि सभी के जनसहयोग से इसे शतप्रतिशत किया जा सके।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने फाईलेरिया उन्मूलन के लिए दी जा रही दवा का सेवन करने का आग्रह जिलावासियों से किया। साथ हीं उन्होंने जानकारी दी गयी कि 2161 बूथों पर फाईलेरियारोधी दवा खिलाई जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे खा सके। वहीं आज के बाद 8-12 तारीख तक स्वास्थ्य कर्मियों, आंगनबाड़ी सेविका व सहियों द्वारा घर-घर जाकर फाईलेरिया मुक्त जिला बनाने के उदेश्य से दवाई खिलाई जायेगी। वहीं कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने फाईलेरिया से बचाव हेतु मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (टऊअ) कार्यक्रम एवं मिशन इन्द्रधनुष 4.0 के सफल संचालन हेतु हस्ताक्षर अभियान एवं फाईलेरिया से बचाव हेतु जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, ताकि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जागरूक किया जा सके।

इस दौरान मौके पर उपस्थित सिविल सर्जन डॉ0 सीके शाही द्वारा जानकारी दी गयी कि कार्यक्रम के तहत दो वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को डीईसी व एल्बेंडाजोल की दवा की खुराक खिलाई जाती है। यदि यह दवा सामुदाय द्वारा लगातार कम से कम पांच वर्ष तक की आयु को दिया जाय तो मानव सामुदाय से फाइलेरिया पारासाइट का खात्मा हो सकता है। उन्होंने बताया की यह दवा दो वर्ष से कम आयु के बच्चे, गर्भवती महिला और गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को नहीं देनी है। साथ हीं दवाई पूरी तरह से सुरक्षित है और इसका कोई साइड इफेक्ट्स नहीं है। वहीं फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से जिला अंतर्गत एमडीए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुथ कार्यक्रम एवं घर-घर जाकर दवा खिलाई जाएगी।

इसके अलावे जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार द्वारा जानकारी दी गयी कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मन का निवास होता है। ऐसे में मिशन इन्द्रधनुष 4.0 एवं फाईलेरिया मुक्त समाज बनाने की दिशा में सभी के सहयोग की आवश्यकता है। हम सभी को जागरूकता से इस बीमारी को दूर भगाना है। उन्होंने कहा कि पहले हाथीपाव की बीमारी को गंभीर बीमारी माना जाता था लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने ऐसी दवा का अविष्कार किया है कि गोली का सेवन करने से इसके परजीती हमारे पास ही नहीं फटक पाते है। ऐसे में सभी फाईलेरियारोधी दवाओं का सेवन करते हुए दूसरों को भी एल्वेंडाजोल की गोली खाने हेतु प्रेरित करें।

## शराब व एक मोटरसाइकिल के साथ धंधेबाज गिरफ्तार भेजा गया जेल

### यूपी-बिहार को जोड़ने वाली सभी मार्गो पर पुलिस की पैनी नजर

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहाँ होली पर्व के मद्देनजर ठकराहां पुलिस ने शराब व शराब कारोबारियों के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे छापामारी अभियान के तहत रविवार की शाम ठकराहां थाने की पुलिस ने पीपा पुल से 43 पीस 8पीएम फ्रूटी अंग्रेजी शराब प्रत्येक मात्रा 180ह्व कुल मात्रा 7.74 लीटर व एक मोटरसाईकिल के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर सोमवार की सुबह जेल भेज दिया। इस बात की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की शराब कारोबारी शराब की खेप लेकर पीपा पुल के रास्ते दियारे में प्रवेश करने वाला है । सूचना के आधार पर छापेमारी की कार्रवाई की गई। जिसमे 43 पीस 8पीएम फ्रूटी व मोटरसाइकिल के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान श्रीनगर थानां क्षेत्र के पटजिरवा निवासी धुरन्धर यादव पिता त्रिवेणी यादव के रूप में हुई। गिरफ्तार कारोबारी के खिलाफ थाने में मद्य निषेध अधिनियम व उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए सोमवार की सुबह जेल भेज दिया गया। वही उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में शराब कारोबारियों के खिलाफ लगातार छापेमारी जारी है। शराब पीकर या शराब लेकर थाना क्षेत्र में प्रवेश करने वाले की खैर नहीं है यूपी-बिहार को जोड़ने वाली सभी मार्गो पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है।

## यूक्रेन में फंसे चंपारण के छात्रों को स्वदेश लाने के लिए आगे आया इंसान वेलफेयर फाउंडेशन

### केन्द्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र सिंह से मिलकर अध्यक्ष शोएब कमल ने सौंपा ज्ञापन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। यूक्रेन में फंसे चंपारण जिले के मेडिकल के छात्र छात्राओं को स्वदेश वापस बुलाने के लिए पश्चिम चम्पारण जिला के प्रमुख संस्था इंसान वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष शोएब कमल और सचिव द्वारा आज लौरिया में भारत सरकार के केन्द्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र सिंह से मिलकर यूक्रेन में फंसे लोगों को वापस देश बुलाने के लिए आग्रह कर फाउंडेशन के तरफ से लिखित मांगपत्र सौंपा गया। जिस पर भारत सरकार के केन्द्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र सिंह ने हर संभव सहायता करने का भरोसा इंसान वेलफेयर फाउंडेशन के पदाधिकारियों को दीया गया। फाउंडेशन के पब्लिक विंग के अध्यक्ष जनाब एकरामूल हक ने बताया की हमारे चम्पारण जिला के मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र को रूस और यूक्रेन की लड़ाई में तंग, तबाह हो गए हैं। छात्र छात्राए जो इस विषम परिस्थिति में डर के साए में अपना जीवन गुजार रहे हैं। उन्होने कहा की अब मुझे पुर्ण विश्वास है की भारत सरकार के केन्द्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र सिंह की पहल पर यूक्रेन में फंसे हुए छात्र छात्राए अब वापस आ जाएंगे।

## अज्ञात बदमाशों की फायरिंग में सीवान के महेंद्र नाथ मंदिर के पुजारी घायल

सीवान, एजेंसी। सीवान में बेखौफ अपराधियों ने मेंहदार स्थित बाबा महेन्द्रनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अपराधियों ने उन्हें उस वक्त गोली मारी, जब पुजारी अपने घर से मंदिर के लिए बाइक से निकले थे। घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने अपराधियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों ने तीन राउन्ड फायर किए जिसमें दो गोलियां पुजारी को लगीं।

गोली लगने से पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गए। गोलीबारी की घटना चैनपुर ओपी थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव के समीप की है। पुजारी के भाई ओम प्रकाश उपाध्याय ने बताया कि प्रसिद्ध मेंहदार मंदिर के मुख्य पुजारी तारकेश्वर उपाध्याय बाइक से जा रहे थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने पुजारी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

पुजारी पर पहले भी हमला किया जा चुका है। पुजारी के गाल और कमर पर गोली लगी हैं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सीवान सदर अस्पताल में इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया है। इस घटना को अंजाम देकर अपराधी आसानी से फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंची।

## सभी केंद्रों पर बेधड़क हो रहा कम टीएचआर वितरण

### आंगनबाड़ी केन्द्रो पर टीएचआर वितरण में धांधली के खिलाफ लाभुकों ने किया प्रदर्शन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकरहा प्रखंड स्थित बालविकास परियोजना के अंतर्गत संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों पर बरती जा रही अनियमितता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन केंद्रों में वितरण होने वाले टीएचआर के खाद्य सामग्री को तौलने के लिए लोटा व मग का प्रयोग किया जाता है। इससें मिलने वाले सामग्री विभागीय मानक से बहुत ही कम होते है। बावजूद इसके यह वितरण कार्य प्रखंड के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर बेधडक हो रहा है। वही जिम्मेदार अधिकारी मौन धारण किए हुए है। इसको ले नाराज लाभुकों ने प्रदर्शन करते हुए पारदर्शिता से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि जिला से तिथि निर्धारित होने में देरी होने पर फरवरी माह का टीएचआर का वितरण सोमवार को किया गया। इस दौरान धरातलीय जांच के दौरान पाया गया कि पूरे प्रखंड में कुल 71 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित होते है। इन सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर तौल यंत्र एक साथ खराब पाया गया। इस दौरान सभी केंद्रों पर तौल का माध्यम लोटा व मग बना हुआ है। इससें विभाग की कारस्तानी सामने आ रही है। वही सरकार की कल्याणकारी योजना पर अधिकारियों की कारस्तानी के कारण गरीब परिवार वंचित हो रहे है। विभागीय मानक के अनुसार सामान्य कुपोषित को 2.500 ग्राम चावल, एक किलो 250 ग्राम दाल व 500 ग्राम सोयाबीन दिया जाना है। वही अतिकुपोषित को 3.750 ग्राम चावल, 1.750 ग्राम दाल व 875 ग्राम सोयाबीन व गर्भवती और धात्री को 3.500 चावल, 1.750 ग्राम दाल व 450 ग्राम सोयाबीन वितरण करना है लेकिन ठकरहा प्रखंड के केंद्रों पर एक किग्रा चावल, 250 ग्राम दाल व 100 ग्राम सोयाबीन ही दिया जाता है। वही दियारा के आंगनवाड़ी केंद्र संख्या 2, 3, 4, 26, 39, 43,20 पर तो व्यवस्था और ही दयनीय है।केन्द्र संख्या 20 के उपभोक्ताओं ने भी प्रदर्शन करते हुवे कहा बताया कि सेविका रीमा देवी के पति मुन्ना चौहान ने राशन दिये बेगैर महज खानापुर्ती कर बैरंग लौटा दिया है।वही केंद्र संख्या 2 धुमनगर के लाभुक कुमारी देवी, पूनम देवी, पूजा देवी, लालझरी देवी, रीमा देवी, कलावती देवी आदि ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि केंद्रों पर बरती जा रही अनियमितता की शिकायत बालविकास कार्यालय में करने पर कोई कार्रवाई नही होती है। वही केन्द्र संख्या 48 के लाभुको ने बताया कि टीएचआर वितरण में घटतौली का विरोध करने पर सेविका प्रिया कुशवाहा मारपीट करने तक उतारु हो जाती है।शिकायत के बाद जांच व कारवाई की जानकारी आइसीडीएस कार्यालय से साली सेविकाओं को साझा कर दी जाती है और वे लोग झगड़े पर उतारू हो जाती है। वही सीडीपीओ अरुणा कुमारी ने बताया कि केन्द्र संख्या 22,23,24 पर टीएचआर वितरण में धांधली की शिकायत मिलने पर उक्त केन्द्रों की जांच की गई।जांच में अनियमितता पाया गया है, सेविकाओं पर वे खुद कार्रवाई करेंगी।वही अन्य केन्द्रों पर शिकायतों के जांचोपरान्त कारवाई की जायेगी।

## प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पेंशन कार्ड बनाने को लेकर आयोजित पेंशन सप्ताह का डीएम ने किया शुभारंभ

### सात से 13 मार्च तक मनाया जाएगा पेंशन सप्ताह

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। संयुक्त श्रम भवन के सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक के द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पेंशन कार्ड बनाने को लेकर सात से 13 मार्च तक चलने वाले पेंशन सप्ताह तथा आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मनाये जाने वाले आईकॉनिक वीक का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस क्रम में श्रम अधीक्षक राकेश रंजन के द्वारा जिलाधिकारी को बुके देकर स्वागत किया गया।अपने स्वागत भाषण में श्रम अधीक्षक के द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के बारे में विस्तार से बताया गया।इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों,विभिन्न यूनियन संगठनों के प्रतिनिधियों तथा उपस्थित सभी कामगारों को संबोधित करते हुए यह बताया गया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार की यह बहुत ही अच्छी योजना है।यह योजना समाज के असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाले लाखों-करोड़ों कामगारों के वृद्धावस्था को ध्यान में रखकर बनाई गई है।क्योंकि एक कामगार की शारीरिक एवं मानसिक क्षमता 60 वर्ष की आयु के पश्चात कम हो जाती है जिसकी वजह से उनकी उपार्जन क्षमता भी घट जाती है।उनके बेटे और बेटियां भी शादी विवाह या कार्य करने हेतु घर से दूर चले जाते हैं तथा बुढ़ापे में कामगारों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।उन्होंने कहा कि यदि कामगार प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत अपना पेंशन कार्ड बनवाते हैं तो वृद्धावस्था में 60 वर्ष की आयु के पश्चात उन्हें तीन हजार प्रति माह का पेंशन मिलेगा।जिससे न उनकी आर्थिक परेशानी दूर होगी बल्कि वे अपनी मूलभूत जरूरतों को भी आसानी से पूरा कर सकेंगे।उन्होंने जिले के सभी असंगठित कामगारों से अपील करते हुए कहा कि सात से 13 मार्च तक चलने वाले इस पेंशन सप्ताह में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत अपना पेंशन कार्ड बनवा लें।उन्होंने कहा कि 10 मार्च को संयुक्त श्रम भवन मोतिहारी में आयोजित वृहद नामांकन कैंप में भाग लेकर भी अपना कार्ड बनवा सकते हैं।श्रम संसाधन विभाग के द्वारा पूर्वी चंपारण जिले में 15 सौ असंगठित कामगारों का कार्ड बनवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।जबकि श्रम अधीक्षक के द्वारा सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को 27 प्रखंडों में प्रति प्रखण्ड एक-एक सौ श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।इस अवसर पर जिला समादेष्टा होमगार्ड अशोक कुमार प्रसाद, प्रभारी नगर आयुक्त सुनील कुमार,सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा धीरज कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी मुकुंद माधव,श्रम प्रवर्तनपदाधिकारीमोतिहारीसदरजूलीकुमारी,शंभूनाथ प्रसाद गुप्ता,रवींद्र भूषण,विकास कुमार, रामप्यारे लाल,पुरुषोत्तम कुमार, मनोज कुमार,जिला कौशल प्रबंधक सुधीर कुमार,शशि स्नेही,राजीव नयन के अलावा श्रम अधीक्षक कार्यालय के सभी कार्यालय कर्मी,स्थानीय जनप्रतिनिधि,सभी श्रमिक एवं मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## रात के अंधेरे में हैवान बने परिजन, पिता ने भाइयों के साथ मिलकर बेटी का गला रेता

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज में के पिता ने अपने भाइयों के साथ मिलकर अपनी बेटी की हत्या कर दी है। घटना के बाद घर के पास खेत में शव फेंक दिया गया। घटना नगर थाना क्षेत्र के कोटवा गांव की है। मृतक युवती का नाम 19 वर्षीय किरण कुमारी बताया जाता है, जो कोटवा गांव के इंद्रदेव राम की पुत्री थी।

वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। पुलिस हत्या के पीछे ऑनर किलिंग समेत अन्य बिंदु पर जांच कर रही है। मृतक युवती की मां कलावती देवी ने आरोप लगाया कि किरण कुमारी की शादी उसके पिता इंद्रदेव राम मशानथाना गांव के बिरछा के नाती से कराना चाहते थे, लेकिन किरण और उसकी मां को लड़का पसंद नहीं था। इसलिए उसने शादी करने से इंकार कर दिया था।

मृतका की मां कलावती देवी का यह भी आरोप है कि उसके पति इंद्रेव राम हमेशा शराब पीकर घर आते थे और बेटी इसका विरोध करती थी। रविवार की रात में किरण के पिता, उसके चाचा और बड़े पापा शराब के नशे में घर पहुंचे और उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। विरोध करने पर किरण की मां कलावती देवी को भी घायल कर दिया गया। सुबह वारदात की सूचना पाकर पुलिस जब पहुंची तो शव खेत में मिला, जबकि तीनों आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। सदर एसडीपीओ संजीव कुमार ने कहा फरार आरोपियों को जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# एमजी मोटर इंडिया ने भारत में ऑल-न्यू जेडएस ईवी लॉन्च की

चंडीगढ़ । एमजी मोटर इंडिया ने आज दुनिया भर में सफल ऑल-न्यू जेडएस ईवी के लॉन्च की घोषणा की है। ऑल-न्यू जेडएस ईवी अपने सेग्मेंट में सबसे बड़ी 50.3 ह्यहँ की बैटरी के साथ आधुनिक तकनीक से पूरी तरह लैस होकर आती है।यह एक बार चार्ज करने पर 461 किमी की सर्टिफाइड रेंज प्रदान करती है। यह ऑल-न्यू जेडएस ईवी 2 वैरिएंट्स (एक्साइट और एक्सक्लूसिव) में उपलब्ध है, जिसकी कीमत क्रमशः 21,99,800 और 25,88,000 रुपये रखी गई है। अभी गाड़ी के एक्सक्लूसिव वैरिएंट के लिए बुकिंग शुरू हो गई है, जबकि गाड़ी के एक्साइट वैरिएंट के लिए बुकिंग जुलाई 2022 से शुरू होगी। ऑल न्यू जेड-एस ईवी को बेहतरीन डिजाइन के तत्वों के साथ फिर से

आकार दिया गया है। इसमें सुविधाजनक और प्रीमियम इंटीरियर के साथ अपने सेग्मेंट में पहली बार ड्यूल पेन पैनोरमिक स्काईरूफ, डिजिटल ब्लूटूथ की, रियर ड्राइव असिस्ट, 360 डिग्री कैमरा, आई-स्मार्ट के साथ 75 से ज्यादा कनेक्टेड फीचर्स जोड़े गए हैं।इसमें पूरी दुनिया में प्रमाणित (एएसआईएल-डी, आईपी-69के और यूएल 2580) बैटरी लगाई गई है, जिसने 8 विशेष सुरक्षा परीक्षण पास किए हैं, जिसमें आग, टक्कर, धूल मिट्टी और धुएं से संबंधित टेस्ट शामिल हैं।एमजी मोटर इंडिया के प्रवक्ता ने लॉन्चिंग पर कहा, ह्यअपनी लॉन्चिंग के बाद जेडएस ईवी की मांग में काफी उत्साहजनक बढ़ोतरी हुई है। नई जेडएस ईवी उपभोक्ताओं से हमारे जुड़ाव को और मजबूती देगी।जेडएस-ईवी ने दुनिया भर में सफलता अर्जित की है, जिसमें इंग्लैंड, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया शमिल हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य के प्रति समर्पित रहते हुए हम मजबूत और स्थायी ईवी इकोसिस्टम का निर्माण कर उपभोक्ताओं को स्वामित्व का सर्वश्रेष्ठ अनुभव दिलाना सुनिश्चित करते हैं। नई जेडएस ईवी के साथ हमारा विश्वास है कि हम इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर लोगों के सोचने का ढंग पूरी तरह से बदल देंगे और भारत में ईवी को अपनाने में तेजी आएगी।'

## हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड का नया कैंपेन बिन बॉय लॉन्च

चंडीगढ़ : भारत में रोजाना हजारों टन कूड़ा लैण्डफिल्स, नदियों और समुद्रों में डाला जाता है। हालांकि देश में अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए कई सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं, किंतु नागरिकों की ओर से सामुहिक प्रयासों की बात करें तो इस दिशा में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इसी के मद्देनजर हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड (एचयूएल) ने एक कैंपेन का लॉन्च किया है, जो लोगों को अपने घरों में कूड़ा अलग करने का संदेश देता है और सुनिश्चित करता है कि यह कूड़ा पर्यावरण में जाने के बजाए सर्कुलर इकोनोमी में जाकर समा जाए।अभियान के बारे में बात करते हुए संजीव मेहता, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, हिंदुस्तान युनिलिवर लिमिटेड ने कहा, ह्यह्यकूड़े को अलग करने की आवश्यकता आज से जितनी गंभीर पहले कभी न थी। एचयूएल में हमने इस संदर्भ में अपनी भूमिका को पहचाना और हम सरकार एवं एजेन्सियों के साथ मिलकर इस दिशा में सकारात्मक प्रभाव लाने के लिए काम कर रहे हैं। हम समुदायों को स्वच्छता एवं जीरो-वेस्ट सर्कुलर इकोनोमी के लक्ष्य हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं। समाज में इस बदलाव को लाने में बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।हमारा मानना है कि बालनायक के साथ हमारा यह नया अभियान आम नागरिकों को एकजुट होकर हरित एवं अपशिष्ट से रहित कल के निर्माण के लिए प्रेरित करेगा।ह्यइस अभियान ह्यबिन बॉयह्र को एक बालनायक ह्यअप्पूह्र के साथ पेश किया गया है जो आम नागरिकों को अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है, उनसे अपील करता है कि अपने घर से निकलने वाले कूड़े को पूरी जिम्मेदारी के साथ घर में या रिहायशी सोसाइटियों में ही अलग करें। प्रेरणादायी एवं विचारोत्तेजक शब्दों में यह अभियान संदेश देता है कि हर तरह के कूड़े को मिलाना पर्यावरण के लिए कितना गंभीर हो सकता है।ऐसे में इस दिशा में जल्द से जल्द कदम उठाना समय की मांग है।

## संक्षिप्त समाचार

### मध्यपूर्वी देशों में अनाज संकट का कारण बनेगा रूस-यूक्रेन युद्ध

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के युद्ध का असर अन्य देशों पर भी पड़ता नजर आ रहा है। खबर है कि दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष के चलत मध्यपूर्वी देशों में अनाज का कमी का संकट गहरा सकता है। खास बात है कि गेंहू निर्यात के मामले में रूस पहले स्थान पर है। जबकि यूक्रेन चौथे स्थान पर है। गेंहू के वैश्विक निर्यात के मामले में दोनों देश मिलकर 30 फीसदी का योगदान देते हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई की घोषणा की थी। जानकारी के अनुसार युद्ध कुछ सप्ताह और चला तो इसे यूक्रेन वासियों को गेंहू नहीं बो सकेंगे। साथ ही पश्चिम की तरफ लगाए प्रतिबंधों के चलते रूस अपना अनाज बेच नहीं पाएगा। ऐसे में अनाज की कीमतें तेजी से बेढ़ेंगी, जिसका असर ब्रेड, दूध, मांस और अन्य उत्पादों की कीमतों पर पड़ेगा। मध्य पूर्व के अलावा दुनिया के कई और हिस्से में भी आपूर्ति के लिहाज से प्रभावित हो सकते हैं। एजेंसी ने एफएओ की 2020 की बैलेंस शीट के हवाले से बताया कि लेबनान ने गेंहू की राष्ट्रीय खपत का 80 फीसदी यूक्रेन और 15 फीसदी रूस से खरीदा था। मिस्त्र ने 60 प्रतिशत रूस और 25 फीसदी खरीद यूक्रेन से की थी। वहीं तुर्की में 66 फीसदी गेंहू रूस और 10 फीसदी यूक्रेन से आया। मध्य पूर्व के कई देशों की सरकारों को अनाज की बढ़ी हुई कीमतों पर भुगतान करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मिस्त्र, लेबनान, लीबिया और तुर्की में हालात खासतौर से खराब हैं। यूक्रेन के किसानों को अपने खेतों को छोड़कर जाना पड़ा है, खेत खलिहान सूने पड़े हैं। लाखों किसान भाग चुके हैं या फिर संघर्ष कर रहे हैं या जिंदा बचे रहने की जद्दोजहद में फंसे हैं। बंदरगाह बंद कर दिए गए हैं, जहां से गेहूं एवं अन्य खाद्यान्न ब्रेड, नूडल्स या पशुचारा बनाने के लिए भेजे जाते थे। ऐसी चिंता है कि दूसरे कृषि पावर हाउस रूस से पश्चिम देशों के प्रतिबंधों के चलते अनाज निर्यात रूक गया है।फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय अनाज बाजार अनिश्चितता का शिकार है. कारोबारी भी ऐसे किसी सौदे में नहीं शामिल होना चाहते, जिसमें रूस पर लगे प्रतिबंधों का असर और वे किसी परेशानी में पड़ जाएं. एजेंसी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और बड़े मानवीय संकट के बाद यूक्रेन पर आक्रमण का असर अंतरराष्ट्रीय अनाज बाजार पर भी होगा. ऐसे में बढ़ी हुई कीमतों के चलते लोगों को मजबूर हो कर खपत कम करने की नौबत आ सकती है. हालांकि, सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध कब तक चलेगा. एक ओर जहां रूस ने अपना उत्पादन तो बरकरार रखा है, लेकिन उसे निर्यात करने में मुश्किलों का सामना कर रहा है. वहीं, यूक्रेन का अनाज उत्पातन कई महीनों तक अंतरराष्ट्रीय बाजार से गायब रहेगा।

### जायडस को एनीमिया दवा के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जायडस लाइफ साइंसेज ने सोमवार को कहा कि उसे ऑक्सिमिया (डेसिडुस्टैट) के लिए भारत के दवा महानियंत्रक (डीसीजीआई) से मंजूरी मिल गई है। इस दवा का इस्तेमाल पुराने किडनी रोग से जुड़े एनीमिया के इलाज में होता है। दवा कंपनी जिसे पहले कैडिला हेल्थकेयर के नाम से जाना जाता था, ने कहा कि उसे अपनी नई दवा के उत्पादन के लिए मंजूरी मिल गई है। जायडस लाइफ साइंसेज के अध्यक्ष पंकज आर पटेल ने कहा कि इस समय इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध एरिथ्रोपोइटिन स्टिमुलेटिंग एजेंट्स (ईएसए) की जगह एक ओरल, सुरक्षित विकल्प की काफी जरूरत थी।

### रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के विश्व अर्थव्यवस्था पर हो सकते हैं गंभीर प्रभावः आईएमएफ

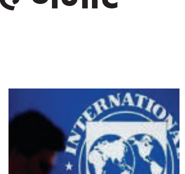


नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि यूक्रेन में चल रही लड़ाई और उसको लेकर रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों का विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मुद्रा कोष ने कहा कि हम उभरती स्थिति का लगातार आकलन कर रहे हैं और अपने सदस्य देशों को समय से नीतिगत सलाह, वित्तीय और तकनीकी सहायता दे रहे हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशिका क्रिस्तालिना जॉर्जीएवा की अध्यक्षता में इस वैश्विक वित्तीय संगठन के कार्यकारी निदेशक मंडल की वॉशिंगटन में हुई एक बैठक में कहा गया है कि यूक्रेन में युद्ध से भारी नुकसान हो रहा है। वहां के दस लाख से अधिक लोग शरणार्थी बनकर अन्य देशों में चले गए हैं और रूस के खिलाफ अभूतपूर्व आर्थिक प्रतिबंध घोषित किए जा चुके हैं। मुद्रा कोष के बयान में कहा गया है, ति बहुत तेजी से बदल रही है और भविष्य के बारे में असाधारण अनिश्चितता है। इसके आर्थिक प्रभाव पहले ही बहुत गंभीर हो चुके हैं। खनिज ईंधन और अन्य वस्तुओं की कीमतें जिनमें गेंहू और अन्य अनाज हैं, उछाल पर हैं। इससे मुद्रा स्थिति का दबाव और बढ़ रहा है। मुद्रा स्फीति कोविड-19 महामारी के कारण आपूर्ति श्रृंखला के टूटने से और महामारी के बाद मांग में सुधार से पहले ही ऊंची हो गई थी। बयान में कहा गया है कि महंगाई का झटका पूरी दुनिया को लगेगा। गरीब परिवार जिनकी आय का ज्यादातर पैसा भोजन और ईंधन पर चला जाता है, वे इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

## वैश्विक बाजारों में ईरानी कच्चा तेल न आने से बढ़ी कीमतें

न्यूयार्क, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में ईरानी कच्चे तेल के न आने से तेल की कीमतें 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी रूसी तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। विश्व शक्तियों के साथ ईरान के 2015 के परमाणु समझौते को फिर से जीवित करने के लिए वार्ता रविवार को अनिश्चितता के भंवर में फंस गई। रूस की यूएस गारंटी की मांग के बाद कि यूक्रेन संघर्ष पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। वह तेहरान के साथ अपने व्यापार को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। सूत्रों के मुताबिक चीन ने भी नई मांगें उठाई हैं। रूस की मांगों के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन के आक्रमण पर रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि रविवार शाम 6:50 बजे तक ब्रेंट 11.67 डॉलर 129.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 10.83 डॉलर बढ़कर 126.51 डॉलर हो गया।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच रूस से तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बारे में बातचीत चल रही है। ब्लिंकन ने सीएनएन से रविवार को कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक दिन पहले इस विषय पर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की थी। बाइडन और पश्चिमी देशों ने अब तक रूस के ऊर्जा उद्योग पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं ताकि इससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर असर नहीं पड़े। ब्लिंकन ने कहा कि हम अपने यूरोपीय साझेदारों और सहयोगियों से रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर बात कर रहे हैं साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि दुनियाभर के बाजारों में तेल की पर्याप्त आपूर्ति रहे।

## पर लेकर जायेगा ।' ऑरा ने 0% इंटरेस्ट ईएमआई के साथ एस्ट्रा कलेक्शन में लॉन्च किए नए डिजाइन

चंडीगढ़ : भारत के अग्रणी डायमण्ड ज्वैलरी ब्राण्ड ऑरा ने डायमण्ड ज्वैलरी में निवेश को कहीं आसान और व्यवहारिक बना दिया है। ब्राण्ड बेहद किफायती दामों, एक्सक्लुजिव ईएमआई और 0% ब्याज के विकल्पों के साथ अपने एस्ट्रा कलेक्शन में नए डिजाइन लेकर आया है। ज्वैलरी में निवेश करना कभी भी इतना आसान नहीं था जितना कि यह आज बन गया है। क्योंकि उपभोक्ताओं को निवेश के किसी भी अन्य पारम्परिक विकल्प की तुलना में डायमण्ड की खरीद पर बेहतर रिटर्न मिल रहा है। एस्ट्रा कलेक्शन के तहत 14 कैरट मैटल प्योरिटी के साथ रोज गोल्ड में चार नए डिजाइन पेश किए गए हैं। एस्ट्रा कलेक्शन के नए डिजाइन बेहद भव्य और आकर्षक हैं। आज की महिलाओं को ध्यान में रखते हुए खूबसूरत डायमण्ड नैकलैस और ईयररिंग्स का डिजाइन तैयार किया गया है। इन्हें मात्र रु 9999 की कीमत देकर खरीदा जा सकता है और शेष कीमत को 0% इंटरेस्ट ईएमआई के द्वारा आसानी से चुकाया जा सकता है।हीरों से जड़े तीन और चार लाइनर नैकलैस के साथ, ओप्युलेन्ट लुक वाली शानदार लेयर्स इस सेट को बेहद खूबसूरत बनाती हैं। इनमें से एक नैकलैस आकर्षक रैड स्टोन में आता है, जो महिला की खूबसूरती में चार-चांद लगा देता है। श्री दीपू मेहता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ऑरा ने कहा, ह्यज्वैलरी में निवेश करना कभी भी इतना आसान नहीं था, जितना कि ऑरा के ईएमआई ऑप्शन्स के साथ हो गया है। आजकल लोग डायमण्ड ज्वैलरी खरीदना चाहते हैं। हमारे एस्ट्रा कलेक्शन के साथ वे अपने बजट को ध्यान में रखते हुए डायमण्ड ज्वैलरी खरीद सकते हैं। हमारे बेहतरीन डिजाइन हर महिला को लुभाते हैं और हर जेब पर फिट बैठते हैं, ऐसे में एस्ट्रा आज के उपभोक्ताओं के लिए परफेक्ट कलेक्शन है।

## यौन पीड़ितों की मदद के लिए पर्पल ने यामी गौतम के साथ गठबंधन किया

चंडीगढ़ : आँकड़ों के मुताबिक भारत में हर 17 मिनट में एक बलात्कार होता है। इस महिला दिवस यामी गौतम ने बलात्कार और यौन पीड़ित महिलाओं के लिए धन राशि जुटाने के लिए पर्पल डॉट कॉम के साथ गठबंधन किया है, जिसके तहत उन्हें पीड़ितों की जगह साझेदारों के साथ सरवाईवर बनने में मदद की जाएगी। 5 मार्च से 11 मार्च, 2022 के बीच पर्पल वीमेंस वीक के दौरान होने वाली बिक्री का 5 प्रतिशत हिस्सा पर्पल मजलिस और परी (पीपल अगेंस्ट रेपस इन इंडिया) को देगा।इन फंड्स का इस्तेमाल सरवाईवर्स को मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, शिक्षा देने के लिए किया जाएगा, ताकि पीड़ित के कलंक को दूर कर उन्हें कानूनी मदद व प्रशिक्षण दिया जा सके और उपयोगी मदद द्वारा सशक्तीकरण लाया जा सके। इस अभियान के बारे में यामी गौतम ने कहा, जहां हम महिलाओं की उपलब्धियों की खुशी मना रहे हैं, वहीं हमें उन समस्याओं के लिए भी योगदान देना चाहिए, जो उनके जीवन

को प्रभावित कर रही हैं। इस महिला दिवस पर मैं पर्पल के साथ जुड़कर गौरवान्वित हूँ क्योंकि हम यौन पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास में सहयोग करने के लिए धनराशि एकत्रित कर रहे हैं। इस गठबंधन के बारे में मजलिस के डायरेक्टर, एडीवी., ऑड्रे डमेलो ने कहा, 30 सालों से ज्यादा समय से मजलिस की महिला अधिवक्ताओं और सामाजिक कर्मचारियों की टीम ने यौन एवं घरेलू हिंसा की शिकार महिला और बच्चों को सामाजिक व कानूनी मदद दी है। जब महिलाएं यौन हिंसा की शिकार होती हैं, तो इससे उनका आत्मविश्वास टूट जाता है। उन्हें पीड़ित से सर्वाईवर बनने के लिए कानूनी व सामाजिक सहयोग, दोनों की जरूरत होती है। योगिता भयाना, परी इंडिया ने कहा, परी इंडिया पीड़ित के कलंक को दूर करने और यौन पीड़ितों को अपनी सामान्य जिंदगी पुनः शुरू करने में मदद करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय से काम कर रहा है। हमें महिलाओं को सक्रिय हो अपने लिए एक सपोर्ट सिस्टम विकसित करने में समर्थ बनाने के लिए यामी गौतम और पर्पल.कॉम के साथ गठबंधन करने की खुशी है।

## क्यूनेट के टाईमलेस पीस के साथ जीवन में महिलाओं को सम्मानित कीजिए

चंडीगढ़ : महिलाओं के संघर्षों और शक्ति को सम्मानित करने के लिए निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमारे जीवन में महिलाओं को सम्मानित किए जाने की याद दिलाता है, जो अपनी मौजूदगी से जीवन में परिवर्तन ला देती हैं।यहां पर कुछ घड़ियां वॉच दी गई हैं, जो आप अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिलाओं को उपहार में दे सकते हैं। यह सूची आपको सही घडी वॉच चुनकर अपने असीम प्रेम का प्रदर्शन कर उन्हें खुशी प्रदान करने में मदद करेगी और साथ ही उनका मौजूदा घडी वॉच कलेक्शन बेहतर बनकर उन्हें शो-स्टॉपर बनने में मदद करेगा। क्यूनेट की कायरोस डिजायर घडी वॉच आज के डिजिटल युग में भी सफलता के मूलभूत गुणों - जोश, निष्ठा, आदर व सम्मान के साथ उपलब्धि का उत्तम प्रतीक हैं। कायरोस डिजायर के साथ अपने अंदर की साहसी फैशनिस्टा का स्वागत करें। इसमें फोकल प्वाईंट के रूप में अटैच्ड इंडैक्सेज के साथ खूबसूरत पर्पल स्ट्रैप और

एक ब्लैक डायल है। इस खूबसूरती का मूल मजबूत स्विस-मेड रोंडा क्रोनोग्राफ मूवमेंट तथा फ्लैट सफायर क्रिस्टल ग्लास पर एक एंटी-रिफ़्लेक्टिव कोटिंग है। महिला एवं पुरुषों के लिए अभिनव डिजाईन और हाई क्वालिटी के तत्वों के साथ कायरोस ने ओनिक्स का अनावरण किया है, यह आकर्षक एवं स्टाईलिश महिला के लिए डिजाईन की गई घडी वॉच है।इसमें खूबसूरती और उत्तम कारीगरी की झलक मिलती है। यह अत्यधिक स्टाईलिश घडी वॉच बिल्कुल आपके स्टाईल के अनुरूप है।इसके डायल में अत्यधिक मनोहर डिजाईन के साथ ग्रीन सर्कुलर पैटर्न एवं आईपी रोज गोल्ड प्लेट है। अतिरिक्त रोमन इंडिसेज डिजाईन, ओपन-हार्ट मूवमेंट इंडीकेटर एवं रोज-गोल्ड ट्रीटमेंट के साथ स्टेनलेस स्टील बेंजेल इसकी खूबसूरती को बढ़ा देते हैं। ओनिक्स खूबसूरती एवं उपयोगिता का सर्वश्रेष्ठ संगम है।कायरोस ट्वाईलाईट (लैदर स्ट्रैप वैरिएशन) अपनी तरह की अलग मून फेज फंक्शन वॉच है, जो आपको चकित कर देगी। इस टाईमपीस में मून की स्पष्ट स्थितियां दिखाई देती हैं, जैसे यह वास्तविक रूप में धरती के चारों ओर घूमता है।29.5 डे लुनार साईकल में मून की मौजूदा स्थिति को ट्वाईलाईट क्लॉक के बेजेल पर अपर्चर में देखा जा सकता है।इसके अलावा आधुनिक फीचर्स, जैसे रोप डिजाईन बेजेल, मून-फेज फंक्शन, मदर ऑफ पर्ल डिस्प्ले, रोज गोल्ड स्क्वायर मैटल इंडीसेज एवं फैशनेबल डार्क ब्लू जैन्युइन लैदर स्ट्रैप इस वॉच को नय आयाम में ले जाते हैं।

## जियो और गूगल का स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट अब मप्र-छग में मोबाइल स्टोर्स पर उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो और गूगल ने साथ में रिसर्च कर किफायती स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट बनाया है जो अब मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 40 हजार से अधिक मोबाइल विक्रेता के यहां उपलब्ध हो गया है। ये फोन गूगल के नए प्रगति ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है। जियोफोन नेक्स्ट 6499 रुपए मात्र का है। इसको 1999 रुपए मात्र की डाउनपेमेंट देकर ईएमआई पर भी खरीदा जा सकता है और बची हुई रकम का पेमेंट 18 से 24 महीने की 300 से 600 रुपए मात्र की ईएमआई में किया जा सकता है। अच्छी बात ये है कि फोन की ईएमआई में ही कॉलिंग और डेटा की कीमत शामिल होगी। है। जियो फोन नेक्स्ट 7000 रुपए के नीचे के सेगमेंट में सबसे अच्छा विकल्प है। इस फोन में कई ऐसे बेहतरीन फीचर्स हैं जो इसको अलग बनाते हैं। जियोफोन नेक्स्ट के कैमरा में ही इनबिल्ट स्नैपचैट और ट्रांसलेशन का फीचर है। ट्रांसलेशन फीचर के जरिए किसी भी भाषा के टेक्स्ट का फोटो खींचकर उसका ट्रांसलेशन अपनी भाषा में कर सकते हैं और उसे सुन भी सकते हैं। साथ ही आप फोन के कैमरा में ऊपर देख सकते हैं कि स्टोरेज के हिसाब से कितने फोटो खींच सकते हैं या कितनी देर की वीडियो रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट में 5000 से ज्यादा फोटो स्टोर किए जा सकते हैं। जियोफोन नेक्स्ट में हाथ से टाइपिंग का झंझट नहीं है। आप लाइव ट्रांसक्राईब एप का उपयोग कर आप आसानी से अपनी भाषा में टाइप कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लास के लिए अगर आप फोन बच्चों को देते हैं तो इसमें पेरेंटल कंट्रोल का विकल्प भी है। जियोफोन नेक्स्ट में स्क्रीन रिकॉर्डिंग के लिए नोटिफिकेशन पैनल में बटन है इससे आप स्क्रीन पर जो भी चल रहा है उसकी रिकॉर्डिंग कर सकते हैं। साथ ही एक टच में ही स्क्रीन शॉट ले सकते हैं।

फोन में स्क्रीन रीडिंग और ट्रांसलेशन का बेहतरीन फीचर है जो सिर्फ एक टच पर सामने आ जाता है। इसमें आपको 10 भारतीय भाषाओं में अनुवाद की सुविधा मिलती है। इससे आप 10 अलग-अलग भारतीय भाषाओं में लिखा टेक्स्ट आसानी से सुन या पढ़ सकते हैं। फोन में आपको ओटीजी सपोर्ट भी है। इसका मतलब आप अपनी ओटीजी पेनड्राईव को फोन में लगाकर उपयोग कर सकते हैं। इससे आपको फोन का स्टोरेज मैनेज करने में आसानी होगी। ग्राहक बिना फाइनेंसिंग के भी जियोफोन नेक्स्ट को 6499 रुपए देकर खरीद सकते हैं।

## एमआरएल पास तो गाड़ी फर्स्ट क्लास' के साथ कार्स24 ने एमएस धोनी अभिनीत नया एड कैम्पेन लॉन्च किया

चंडीगढ़ : प्रिओन्ड वाहनों के लिए भारत के अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, कार्स24 ने आज अपना लेटेस्ट कैम्पेन, ह्यएमआरएल पास तो गाड़ी फर्स्ट क्लासह्र प्रस्तुत किया, जिसमें सबसे धैर्यवान, एम एस धोनी दिखाई देंगे। यह अभियान कार्स 24 द्वारा भारत में हाल ही में लॉन्च की गई मेगा रिफर्बिशमेंट लैब्स (एमआरएल) पर केंद्रित होगा और ग्राहकों को क्वालिटी कारें प्रदान करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता और लीडरशिप को प्रदर्शित करेगा। यह अभियान कार्स24 के सभी सोशल मीडिया हैंडल्स पर और टेलीविजन पर दिखाई देगा।हाल ही में किए गए कार्स24-इपसोस अध्ययन में सामने आया कि ग्राहक कार खरीदने के लिए सबसे ज्यादा महत्व क्वालिटी को देते हैं। इसलिए यह अभियान कार्स24 के समाधानों पर ध्यान केंद्रित करता है, जो कार खरीदने की प्रक्रिया को सरल बनाकर सर्वश्रेष्ठ क्वालिटी की कार प्रदान करते हैं। ओगिल्वी (नॉर्थ) द्वारा तैयार इस फिल्म में एमएस धोनी विशाल एमआरएल के साथ हीरो के रूप में सामने आते हैं। एमएस धोनी पहली बार रैपर के अद्वितीय अवतार में दिखाई दिए हैं। धोनी पूरी फिल्म में रैप के माध्यम से एमआरएल के बारे में बताते हैं। विज्युअल्स द्वारा बहुत आसान व रोचक तरीके से कार की

विभिन्न तरह की जाँचों के बारे में बताया जाता है। ह्यक्वालिटीह्र की थीम के साथ निर्मित यह फिल्म युवा खरीददारों के लिए बनाई गई है, जिसमें धोनी इस बारे में मनोरंजक व आसान तरीके से समझा रहे हैं। फिल्म में रैप और ह्यचेकह्र शब्द का बार-बार इस्तेमाल व्यक्ति में यह फिल्म बार-बार चलाने की इच्छा जगाता है। इस फिल्म में लोकप्रिय बनने की क्षमता है।इस घोषणा के बारे में सुधीर शुक्ला, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (भारत), कार्स24 ने कहा, भारत में पहले से ज्यादा लोगों द्वारा कार खरीदने की इच्छा हमने दर्ज की है, और खरीदने से पहले सबसे ज्यादा ध्यान क्वालिटी पर दिया जाता है। इस अभियान द्वारा हम ज्यादा उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त कारों की एक नई दुनिया प्रस्तुत करने के अपने प्रयासों पर बल देना चाहते हैं। कार्स24 में हमने भारत की सबसे बड़ी रिफर्बिशमेंट सुविधाओं, मेगा रिफर्बिशमेंट लैब्स में निवेश किया है, जो सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों, प्रक्रियाओं और टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल कर गुणवत्तायुक्त कारें प्रदान करती हैं। ये कारें हमारी वॉरंटी और कस्टमर-फ्रेंडली रिटर्न पॉलिसी के साथ ग्राहकों को शानदार अनुभव प्रदान करती हैं। क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ हस्ती और कार प्रेमी, एमएस धोनी प्रिओन्ड कार उद्योग की सर्वश्रेष्ठ कंपनी को एन्डॉर्स करें, इससे अच्छा संयोग और कोई नहीं हो सकता था क्योंकि वो प्रदर्शन, भरोसे और विश्वसनीयता के सबसे लोकप्रिय आईकंस में हैं।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org



# टी20 विश्व कप के लिए टीम वह वापस चाहता है यह विकेटकीपर बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक टीम इंडिया में वापसी के प्रयास में लगे हैं। कार्तिक का मानना है कि अभी वह टी20 प्रारुप खेल सकते हैं। इसी को देखते हुए वह अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से दो साल पहले 2019 में एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में खेला था। कार्तिक भारत के लिए खेलने को लेकर पहले की तरह प्रतिबद्ध हैं और साथ ही चाहते हैं कि उनके छह महीने के जुड़वां बेटे अगले कुछ वर्षों में उन्हें शीर्ष स्तर पर खेलता हुआ देखें। कार्तिक ने कहा कि टी20 मेरे लिए शुरूआत की तरह होगा। साथ ही कहा कि आईपीएल जैसे टूनार्मेंट में आपको दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है और आपको अपना कौशल दिखाने का मौका मिलता है। इसलिए मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में मैं इसमें बेहतर प्रदर्शन का

प्रयास कर सकता हूं।

विश्व कप के बाद सीमित ओवरों के प्रारूप की टीम से बाहर होने से पहले कार्तिक ने टी20 में फिनिशर की भूमिका में निभाई थी। इसके अलावा 2018 निदाहस ट्रॉफी के फाइनल में आखिरी ओवर में उनकी शानदार बल्लेबाजी से भारत ने खिताब जीता था। जिस प्रकार टीम प्रबंधन सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए मध्यक्रम में खिलाड़ियों को आजमा रहा है उसको देखते हुए कार्तिक को अपने लिए अवसर नजर आ रहा है। कार्तिक ने कहा कि टीम में चयन की पात्रता अब उम्र नहीं है। यह अब फॉर्म, फिटनेस और अनुभव पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर आयु ऐसी चीज नहीं है जिसे भारतीय टीम में वापसी के दौरान देखा जाता है। 36 साल की उम्र में शिखर धवन ने दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बेहतरीन बल्लेबाजी की। कार्तिक का मानना है कि छोटे प्रारूप में उम्र के साथ खिलाड़ी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि लोग अपने शरीर को समझते हैं, वे कितना क्रिकेट खेल सकते हैं। अधिक उम्र के बाद भी शोएब मलिक और हफीज टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से खेल रह हैं।

# 68वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशि में भाग लेगी जम्मू-कश्मीर महिला टीम

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की सीनियर नेशनल कबड्डी टीम जम्मू-कश्मीर एमेच्योर 68वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशि में भाग लेगी। महिला कबड्डी चैंपियनशिप 10 से 13 मार्च तक हरियाणा के चरखी दादरी में होगी। मिताली मन्हास टीम की कप्तानी संभालेंगी। चैंपियनशिप के लिए संभागीय खेल अधिकारी अशोक सिंह की उपस्थिति में चयनित खिलाड़ियों को खेल किट का वितरण किया। एमए स्टेडियम के प्रबंधक सक्तिश चोपड़ा, सुरिदर मोहन महासचिव, कोषाध्यक्ष संग्राम सिंह, संजीत कुमार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राकेश कुमार और सीनियर कबड्डी कोच अनिल शर्मा इस मौके पर मौजूद थे। संभागीय खेल अधिकारी अशोक सिंह और उनकी टीम ने खिलाड़ियों की स्क्रीनिंग की। जम्मू-कश्मीर एमेच्योर

कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने भी चैंपियनशिप के लिए यूटी कबड्डी टीम को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे खेल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मिताली मन्हास टीम की कप्तानी संभालेंगी। टीम में रोशी जम्वाल, शालू देवी, रजनी रानी, सिया सैनी, सोनिया देवी, मनो बीबी, इफला मजीद, मारीफत जान, प्रिया कुमारी, रिफत बशीर और रंजू देवी शामिल हैं। टीम के कोच मोहम्मद अमीन होंगे। टीम की मैनेजर अर्चना कौशल हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### भारत के प्रमोद ने स्पेन में जीते तीन स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रमोद भगत ने स्पेन के विटोरिया में जारी स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टू टूनार्मेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों ही वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। भगत ने जीत के बाद उत्साहित होते हुए कहा है कि मेरा ध्यान फोकस अब ग्रेड वन टूनार्मेंट पर है। वहीं भारत के ही सुकांत कदम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। एकल वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भगत ने कुमार नीतेश को 17-21, 21-17, 21-17 से हराया। पुरूष युगल में भगत और मनोज सरकार ने अपने ही हमवतन सुकांत और नीतेश को 21-19, 11-21, 21-11 से हराया। इसके अलावा मिश्रित युगल में भगत और पलक कोहली ने अपने ही देश के रूथिक रघुपति और मानसी जोशी को 14-21, 21-11, 21-14 से पराजित किया। दूसरी ओर सुकांत ने एकल वर्ग में मार्शेल एडम को 21--8, 21-18 से हराकर स्वर्ण जीता पर पुरूष युगल में खिताबी मुकाबले में हार के कारण उसे रजत पदक ही मिल पाया।

### विराट ने अपने दिव्यांग प्रशंसक को जर्सी दी

मोहली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपने 100 वें टेस्ट मैच के बाद अपने एक दिव्यांग प्रशंसक को जर्सी देकर सम्मानित किया। मोहाली टेस्ट समाप्त होने के बाद विराट ने होटल से निकलकर टीम बस में सवार होने से पहले प्रशंसक धर्मवीर पाल को टीम इंडिया की नीली जर्सी उपहार में दी। धर्मवीर को टीम इंडिया का अनौपचारिक 12वां खिलाड़ी माना जाता है। वह टीम इंडिया के साथ देश ही नहीं बल्कि विदेश भी गये हैं। धर्मवीर ने इसका वीडियो भी अपने ट्विटर हैंडल पर जारी किया है। कोहली के इस प्रकार अपने प्रशंसक को जर्सी दिये जोन की लोगों ने जमकर प्रशंसा की है। मोहाली टेस्ट में विराट हालांकि शतक नहीं लगा पाये और 45 रनों पर ही आउट हो गये थे। ऐसे में उनके 71 वें शतक का इंतजार और बढ़ गया है।

### चेन्नई के पिच क्यूरेटर ने नहीं मानी थी शास्त्री और प्रबंधन की मांग

मुम्बई, एजेंसी। साल 2021 में इंग्लैंड के भारत दौरे के समय चेन्नई के पिच क्यूरेटर के मनमानी करने के मामले में जांच की मांग उठी है। एक रिपोर्ट के अनुसार तब पिच क्यूरेटर ने पूर्व मुख्य कोच समेत घरेलू टीम प्रबंधन द्वारा दिए गए निदेर्शों का पालन नहीं किया था। इसके कारण मुकाबले में भारतीय टीम को नुकसान हुआ था।

# राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल कल से : एनआरएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने कहा है कि इस साल मार्च और अप्रैल में राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल आयोजित किये जाएंगे। एनआरएआई के अनुसार राइफल के लिए पहला और दूसरा चयन ट्रायल भोपाल में आठ से 21 मार्च तक होगा। वहीं इस दौरान पिस्टल ट्रायल दिल्ली में होंगे। चयन ट्रायल तीन और चार का आयोजन 26 मार्च से सात अप्रैल तक होगा, जिसमें राइफल का ट्रायल भोपाल जबकि पिस्टल का ट्रायल दिल्ली में किया जाएगा। कोरोना संक्रमण के खतरे के कम होने के कारण एनआरएआई ने यह फैसला किया है।

हालांकि काहिरा में 26 फरवरी से शुरू होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी टीम का चयन 64वीं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के अंतिमरैंकिंग अंक के साथ-साथ क्वालीफिकेशन स्कोर को ध्यान में रखते हुए किया गया था क्योंकि तब महामारी के कारण चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया जा सका था। एनआरएआई ने कहा, ह्यह्यकोविड-19 हालातों के कारण इस साल जनवरी 2022 में प्रस्तावित चयन ट्रायल नहीं हुए थे क्योंकि आईएसएसएफ विश्व कप, काहिरा के लिए टीमों के चयन से पहले ट्रायल आयोजित करने का समय नहीं था ह्णह्ण वहीं सत्र के पहले विश्व कप की इस भारतीय टीम में मनु भाकर और अभिषेक वर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल नहीं हैं।

मैनचेस्टर में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

# श्रीलंका के खिलापफ दूसरे टेस्ट के लिए अक्षर की वापसी , कुलदीप बाहर हुए

मुम्बई, एजेंसी। स्पिनर अक्षर पटेल की टीम इंडिया में वापसी हुई है। अभी तक फिट नहीं होने के कारण वह टीम से बाहर थे। अक्षर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह दिन-रात्रि टेस्ट मैच 12 मार्च से बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू होगा। भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। अक्षर की टीम में वापसी के कारण चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को टीम से बाहर बैठाया गया है। अक्षर मोहाली टेस्ट के दौरान ही टीम इंडिया से जुड़ गये थे। इसी कारण कुलदीप को अब टेस्ट दल से बाहर होना पड़ा है।

टीम प्रबंधन के अनुसार टीम में अब दो बाएं हाथ के स्पिनर हो चुके हैं, ऐसे में कुलदीप की जगह नहीं बनती है। 18 सदस्यीय भारतीय टीम में आर अश्विन और जयंत यादव के रूप में दो अन्य स्पिनर भी उपलब्ध हैं। अक्षर पटेल ने अंतिम बार पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में खेला था। इसके बाद से ही वह चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे।

भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), प्रियांक पांचाल, मयंक अग्रवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत, रवींद्र जडेजा, जयंत यादव, आर अश्विन, अक्षर पटेल, सौरभ कुमार, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह।

# बीसीसीआई ने भारतीय टीम के जश्न का वीडियो जारी किया

मोहाली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका के खिलाफ हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के बाद जबरदस्त तरीके से जश्न मनाया। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि यह पूर्व कप्तान विराट कोहली का 100 टेस्ट था। इसके अलावा इस मैच में रविन्द्र जडेजा ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। रोहित शर्मा ने इस मैच से टेस्ट कप्तानी की शुरूआत भी की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो जारी किया है। इसमें होटल के बाहर केक रखा हुआ है और भारतीय खिलाड़ी केक को घेरे खड़े हैं। कुछ देर बाद जडेजा आते हैं और वह केक को काटते हैं। वहीं इसके बाद सभी खिलाड़ी केक खाते नजर आ रहे हैं। बीसीसीआई ने इस वीडियो के साथ लिखा, 'मैन ऑफ द मैच रवींद्र जडेजा का

तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत।'

अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस मैच में कपिल देव के 434 टेस्ट विकेट के रिकार्ड को भी तोड़ा। अब वह अनिल कुंबले 619 के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए थे। अश्विन ने 85वें टेस्ट में इस आंकड़े को छुआ जबकि कपिल ने 131 टेस्ट में इतने विकेट लिए थे।

# आईपीएल के लिए युवाओं के साथ अभ्यास कर रहे धोनी

मुम्बई, एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ओर उनकी टीम ने 26 मार्च से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सत्र के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। सीएसके के कुछ घरेलू खिलाड़ियों ने धोनी के साथ रविवार को अभ्यास भी शुरू किया। अभ्यास सत्र में धोनी को तेज गेंदबाजों के साथ ज्यादा समय बिताते हुए देखा गया। तेज गेंदबाज दीपक चाहर के चोटिल होने के कारण केएम आसिफ , तुषार देशपांडे और सी हरि निशांत में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। इन तीनों ने पहले दिन सूरत में नेट अभ्यासा किया। सीएसके ने 20 दिन के लिए अपना प्री कैंप लगाया है। सीएसके टीम प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र में पहुंचने के लिए कहा है।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी खिलाड़ी बायो बबल में रहकर अभ्यास करेंगे। इस अभ्यास शिविर में युवा खिलाड़ियों को धोनी, ड्वेन ब्रावो जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा। कैंप में 25-30 खिलाड़ी शामिल होंगे। इसके अलावा सहयोगी स्टाफ, मेडिकल स्टाफ, सीएसके प्रबंधन के सदस्य भी यहां मौजूद रहेंगे। सीएसके का पहला मुकाबला 26 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा।

# वजन कम करने वाले डाइट ले रहे थे वार्न : मैनेजर

सिडनी, एजेंसी। विश्व के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न की मौत के बाद उनकी मौत के कारणों को लेकर अलग-अगल बातें सामने आ रही हैं। पहले कहा गया था कि वे काफी अधिक शराब पीते थे तो कुछ रिपोर्ट दावा कर रही थीं कि वे ड्रग्स का अधिक सेवन करते थे पर हाल ही में वॉर्न के मैनेजर ने कहा है कि वार्न शराब और ड्रग्स का सेवन नहीं करते थे। साथ ही कहा कि वॉर्न थाईलैंड में अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मना रहे थे। वह वजन कम करने वाली डाइट ले रहे थे। उनका लक्ष्य पहले की तरह फिट होना था। ऐसे में यह बात सामने आई है कि लोग वजन कम करने के लिए काफी कठोर डाइट चार्ट का पालन करते हैं, जिससे उन्हें कई परेशानियां आ सकती हैं। वॉर्न भी वजन कम करने वाली डाइट का पालन कर रहे थे। ऐसे में अगर आप भी इस प्रकार वजन कम करने का प्रयास कर रहे हैं तो पहले डॉक्टर से सलाह ले

लें। वजन कम करने वाली डाइट से शरीर पर काफी प्रभाव पड़ता है। इससे मस्कुलर स्ट्रेंथ भी कम होती है, बाल झड़ने लगते हैं, डिहाइड्रेशन हो सकता है, हार्ट रेट स्लो हो सकती है इसके अलावा चक्कर भी आ सकते हैं। कई लोगों को डाइटिंग के दौरान भूख भी लगती है और उसे कंट्रोल करके खाना न खाना काफी कठिन हो सकता है। अगर किसी को भूख लग रही है और वह डाइट के कारण खाना नहीं खा रहा है, तो उसे गैस भी बन सकती है या फिर चक्कर भी आ सकते हैं। इसके अलावा विटामिन और मिनरल की कमी भी हो सकती है। इसका कारण है कि लोग डाइट के दौरान कम कैलोरी का सेवन करते हैं, जिससे शरीर की जरूरत के मुताबिक, विटामिन और मिनरल शरीर में नहीं पहुंच पाते। थकान और सुस्तीः पहले जो लोग अधिक खाना खाया करते थे, वे लोग डाइट के कारण कम खाना शुरू कर देंगे, तो बॉडी उस तरह से रिएक्ट नहीं करेगी, जैसा पहले करती थी। ऐसे में थकान और सुस्ती आना काफी आम बात है। इसके साथ ही इससे स्ट्रेस का स्तर भी बढ़ता है।

# राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान देने विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों से बाहर रहेंगी मैरीकॉम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अनुभवी महिला मुक्केबाज एम सी मैरीकॉम ने कहा है कि वह विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में नहीं खेलेंगी। मैरीकॉम ने कहा है कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अपनी तैयारियों पर ध्यान देने के साथ ही युवाओं को अवसर देने के लिए इन दोनो टूनार्मेंटों से अपना नाम वापस ले रहीं है। आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप तुर्की के इस्तांबुल में छह से 21 मई तक खेली जाएगी। वहीं 2022 राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से और 2022 एशियाई खेल 10 सितंबर से शुरू होंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को दिये अपने संदेश में मैरीकॉम ने कहा कि

मैं युवा पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे आने और बड़े टूनार्मेंट का अनुभव हासिल करने का अवसर देने के लिए इन टूनार्मेंट में भाग नहीं लेना चाहूंगी। मैं अपना ध्यान केवल राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों पर ही लगाना चाहूंगी। विश्व चैम्पियनशिप के लिए सभी 12 वर्गों के चयन ट्रायल बुधवार को समाप्त होंगे। एशियाई खेलों के लिये पुरूषों के चयन ट्रायल्स मई में जबकि पुरूष और महिलाओं के लिये राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल्स जून में कराए जाएंगे। ट्रायल्स में एशियाई खेलों के वजन वर्ग भी शामिल हैं जो आईबीए जैसे ही हैं। वहीं बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने एक बयान में कहा कि मैरीकॉम लंबे समय से भारतीय मुक्केबाजी की पहचान रही हैं और उन्होंने दुनिया भर में कई मुक्केबाजों और खिलाडियों को प्रेरित किया है। हम उनके फैसले का पूरा सम्मान करते हैं।

# रोहित ने अश्विन को जमकर सराहा , सर्वकालिक महान गेंदबाज बताया

मोहाली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह समय के साथ बेहतर होते जा रहे हैं। रोहित ने अश्विन को ह्यसर्वकालिक महानह्ण गेंदबाज भी बताया है। अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में महान ऑलराउंडर कपिल देव के 434 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया था। अश्विन के अब कुल 436 विकेट हो गए हैं। रोहित के अनुसार केवल 85 टेस्ट मैचों में यहां तक पहुंचना अहम बात है। उन्होंने कहा, ह्यजब आप टेस्ट क्रिकेट खेलने की चाहत के साथ बड़े होते हो तो आप इन चीजों के बारे में सपना नहीं देखते , इसलिए इसे हासिल करना उसके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मैं

लंबे समय से अश्विन को खेलते हुए देख रहा हूं और जब भी मैं उसे देखता हूं, वह बेहतर से बेहतर होता ही दिखता है।'

कप्तान ने कहा, 'अश्विन एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रहता है।' अश्विन विश्व क्रिकेट रैंकिंग में शीर्ष 10 में नौंवे नंबर पर कायम हैं और रोहित की निगाह में वह सर्वकालिक महान गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी निगाह में वह सर्वकालिक महान खिलाड़ी है। वह इतने वर्षों से खेल रहा है और देश के लिए प्रदर्शन कर रहा है। इतनी बार मैचों में जीत दिलाने वाला प्रदर्शन, इसलिए वह मेरे लिए सर्वकालिक महान खिलाड़ी है। साथ ही कहा कि लोगों के अलग-अलग विचार हो सकते हैं पर जहां से मैं देखता हूं, वह मेरे लिए एक सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं।'

Prof. (Dr.) Mahesh Verma
MDS, MBA, PhD, FDSRCS (Eng), FDSRCS (Edin) FDS RCPSG (Glas)
Vice Chancellor
Padma Shri Awardee
Dr. B. C. Roy Awardee

गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
सेक्टर - १६ सी, द्वारका, नई दिल्ली - ११००७८
Guru Gobind Singh Indraprastha University
Sector - 16 C, Dwarka, New Delhi - 110078
Tel : +91-11-25302104, 25302105
Fax : +91-11-28035243
E-mail : vc@ipu.ac.in, dpmaids@gmail.com
drvermamahesh@gmail.com
Web : www.ipu.ac.in

March 3, 2022

**MESSAGE**

*"A woman is the full circle. Within her is the power to create, nurture and transform."*
*- Diane Mariechild*

It gives me immense pleasure to commemorate the grand occasion of International Women's Day. I extend my heartfelt wishes to all women and salute them for their courage, tenacity and hard work. Their compassion and strength are truly inspiring. Despite all the inequality and discrimination, they have strived for excellence, fought stereotypes and emerged winners in every sphere of life.

We are not born equal; we are all born unique. Equality is not in the status of an individual, but a set of condition that our society must always keep working on. For centuries, we have not been able to build a balanced picture of our civilization. We have progressed by leaps and bounds, gaining access to the future, but we still haven't been able to create a future for everyone. It seems that mankind is walking a tight rope, hoping to catapult into paradise – but the truth is, there will be no paradise, if it is not for everyone.

Women are naturally blessed with the power of creation; without them the existence of life is impossible. They are a huge resource of untapped potential, which if used judiciously can take any nation to greater heights. I truly believe that a nation cannot reach the pinnacle of success unless its women walk shoulder to shoulder with men.

Modern medicine, politics, military, technology, entrepreneurship – you name any field and we can find women succeeding by leaps and bounds. This is because anything requires skill, patience, resilience, and intuition – all of which come naturally to women.

And yet, the most pressing concerns on world forum are that of Women's Health, Women's Rights, Women's Mental Health and Women's Economic Empowerment. All these problems are interconnected; they cannot be looked at as singular problems, we need to take a holistic, broadminded approach to restore the dignity of our women.

I urge all women to stand firm in the face of criticism and inequality, and simply focus on attaining success and staying true to yourself. Remember, discrimination wins when the discriminated against get distracted by it.

I extend my warmest congratulations to Motherland Voice Daily Newspaper, Bhagidari Jan Sahyog Samiti, State Legal Services Authority, Human Foundation and Yug Sanskriti Nyas, on the success of their special event on the occasion of International Women's Day 2022.

Jai Hind.

Maheshverma

**Prof. (Dr.) Mahesh Verma**

---

STUTI KACKER, IAS (Retd).
CHANCELLOR
Former Secretary, Government of India
Former Chairperson, NCPCR & CARA

Swami Vivekanand Subharti University
Subhartipuram, NH-58,
Delhi-Haridwar-Meerut Bypass Road
Meerut-250002, Uttar Pradesh

Ref. No. 2022/1357　　　Date: 03/03/2022

प्रिय विजय जी,

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मदरलैंड वॉइस दैनिक समाचार पत्र अंतराष्ट्रीय महिला वर्ष के अवसर पर एक महिला विशेषांक प्रकाशित कर रहा है। मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करती हूँ। जन जागरूकता में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिसे आपका समाचार पत्र निसंदेह निभा रहा है। जिसका प्रमाण है सामाजिक कार्यक्रमो में आपके समाचार पत्र की सक्रिय भागीदारी।

5 मार्च 2022 को मदरलैंड वाईस की सक्रिय भागीदारी से भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली राज्य की विधिक सेवाएं प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में ह्यूमन फाउंडेशन एवं युग संस्कृति न्यास के सहयोग से आयोजित किये जा रहे कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्र–छात्राओ के नाम प्रकाशित किये जाने से उनको उत्साह मिला है। युवा शक्ति में एक ऊर्जा है जिसे रचनात्मक सोच देने में मीडिया की एक अहम भूमिका है। बदलते परिवेश में जबकि लैंगिक भेदभाव कम हुआ है इसका कारण भी नई पीढी की सोच ही है। महिलाओं के अधिकारो के प्रति जागरूकता के लिए आयोजन समिति ने जो दिल्ली राज्य की विधिक प्रधिकरण सेवाओं को शामिल किया है उनके जुडने से समाज को पता चलेगा कि प्रधिकरण से महिलाओं के लिए निशुल्क कानूनी सहायता कैसे प्राप्त की जा सकती है।

भागीदारी जन सहयोग समिति के जन जागरूकता के कार्यक्रमो से सुभारती विश्वविद्यालय काफी वर्षो से जुडा है। स्वयं मैने भी उनके कार्यक्रमो में भाग लेकर सम्बोधन किया है। मैं सचमुच समिति के प्रयासो से प्रभावित हूँ। अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष पर मैं दिल से मदरलैंड वॉइस समाचार पत्र, भागीदारी जन सहयोग समिति एवं सहयोगी संस्थाओं की टीम को कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामना करती हूँ।

ससम्मान।

Skacker
श्री मति स्तुति कक्कड

Website: www.subharti.org, Email: chancellor@subharti.org, Mobile: 09313789775, Ph: 0121-2439043/52, 0121-3058031-32

---

प्रो. साकेत कुशवाहा
कुलपति
Prof. Saket Kushwaha
Vice Chancellor

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय
केंद्रीय विश्वविद्यालय
रोनोहिल्स,दोइमुख- ७९१ ११२
अरुणाचल प्रदेश, भारत
Rajiv Gandhi University
Central University
Rono Hills, Doimukh – 791 112
Arunachal Pradesh, India

**Message on International Women's Day 2022**

International Women's Day is celebrated annually on 8 March. International Women's Day was celebrated for the first time by the United Nations in 1975. It offers an opportunity to reflect on progress made, to call for change and to celebrate acts of courage and determination by ordinary women who have played an extraordinary role in the history of their countries and communities.

The theme for International Women's Day, 8 March, 2022 (IWD 2022) is, "Gender equality today for a sustainable tomorrow", recognizing the contribution of women and girls around the world, who are leading the charge on climate change adaptation, mitigation, and response, to build a more sustainable future for all.

Advancing gender equality in the context of mounting climate crisis and pressing need for disaster risk reduction is one of the greatest global challenges of the 21st century. Evolutionary history of human civilization suggests that the most vulnerable and marginalized experience the deepest impacts of any global crisis be it climate change, war or pandemic. Widely recognised discourses like 'feminisation of poverty' underline that woman are increasingly being recognized as more vulnerable to adverse socio-economic changes than men, under COVID-19 pandemic the global data on destitution, increased records of violence, higher drop outs from formal education and job losses further highlight and affirm these propositions.

At the same time, women and girls are effective and powerful leaders and change-makers for larger social well-being across borders. They are involved in sustainability initiatives around the world, and their participation and leadership results in more inclusive and effective social change. Continuing to examine the opportunities, as well as the constraints, to empower women and girls to have a voice and be equal players in decision-making in every walk and sphere of life is essential to realise the goals of sustainable development and greater gender equality. Without gender equality today, a sustainable future, and an equal future, remains beyond our reach.

The United Nations Observance of International Women's Day under the theme, "Gender equality today for a sustainable tomorrow", marks and acknowledges the critical need for gender equality across the globe. The theme for International Women's Day is aligned with the priority theme for the upcoming 66th Commission on the Status of Women (CSW66): "Achieving gender equality and the empowerment of all women and girls in the context of climate change, environmental and disaster risk reduction policies and programmes".

On this note, I take this opportunity to congratulate our local, states, national and global leaders for taking up the issue with a remarkable vigour. Any act of social change is a gradual process and involves consistent efforts by each and every stakeholder. As Elie Wiesel has stated "**One person of integrity can make a real difference**", therefore, each one of us need to identify our roles and do our bit to make a gender equal world, not just in binaries of men and women but across gender identities.

Kushwaha
Saket Kushwaha

दूरभाष:/Tel: +91-360-2277252 (Off.) 2277261 (आवास/Resi.) +91-9936451995 (M), फैक्स:/Fax: +91-360-2277317
ईमेल:/E-mail: saket.kushwaha@rgu.ac.in/vc@rgu.ac.in　वेबसाइट:/Website: www.rgu.ac.in

---

SANJAY SINGH
IPS

D.O. No. 310/P.Sec./SPl.CP/Lic. & Legal Div.
Dt – 03/03/2022
विशेष आयुक्त पुलिस
लाईसेंसिंग और विधी विभाग, दिल्ली पुलिस मुख्यालय,
टावर–2, दूसरा तल, जयसिंह रोड, नई दिल्ली–110001
SPECIAL COMMISSIONER OF POLICE
Licensing & Legal Division, Delhi Police Headquarters
Tower-2, 2nd Floor, Jai Singh Road, New Delhi-110001
Ph. : 011-23469510, 23469410

प्रिय विजय,

मुझे यह जान कर प्रसन्नता हुई मदरलैंड वॉइस दैनिक समाचार पत्र की मीडिया भागीदारी से भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में और ह्यूमन फाउंडेशन एवं युग संस्कृति न्यास की भागीदारी से 5 मार्च , 2022 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष की कार्यक्रम कड़ी में कॉलेज छात्र -छात्राओं की एक राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं पर अत्याचार का कारण विषय पर एक वाद विवाद का आयोजन किया जा रहा है। देश की 11 महिलाओं को महिला सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है । आपकी आयोजन समिति के सभी सदस्य इस आयोजन के लिए सचमुच प्रशंसा के पात्र है।

"महिलाओं के लिए सुरक्षा का एक सामान्य वातावरण बनाना और उनके खिलाफ अपराध को रोकना" पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है । राजधानी दिल्ली में दिल्ली पुलिस द्वारा महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनेकों प्रयास किये जा रहे है । पुलिस में महिला कर्मी एवं महिला अधिकारिओं की संख्या को भी बढ़ाया जा रहा है। अभी हाल में पुलिस जिलों में पिंक पुलिस बूथ स्थापित किये है ताकि निस्संकोच महिलायें पुलिस के पास आकर अपनी शिकायतें दर्ज करवा सके। यौन शोषण को रोकने के लिए ऐसी शिकायतों पर अविलम्ब कार्रवाही की जाती है। किन्तु इतने प्रयास काफी नहीं है। इसमे जनता के सहयोग की भागीदारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका और जन चेतना भी आवश्यक है। सामुदायिक हस्तक्षेप लैंगिक असमानता को कम करता है। यह प्रयास आमतौर पर महिलाओं को सशक्त बनाने, उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाता है । मेरी अपील है कि भागीदारी जन सहयोग समिति एवं आपकी टीम-संस्थाओं की तरह अन्य संस्थाएं भी इस पावन प्रयास में सामने आए, महिलाओं को उनके अधिकार एवं राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा किस प्रकार निशुल्क कानूनी सहायता मिल सकती है यह सन्देश जन जन तक पहुचायें।

मेरा विश्वास है कि मदरलैंड वॉइस दैनिक समाचार पत्र का महिला विशेषांक जन चेतना का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा और भागीदारी जन सहयोग समिति भविष्य में भी इसी तरह विभिन्न सरकारी एवं सामजिक संस्थाओं के साथ मिलकर सामाजिक विकास के लिए रचनात्मक प्रयास द्वारा जन चेतना कार्यक्रमों को आयोजित करती रहेगी।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

संजय सिंह
( संजय सिंह )
आईपीएस

विजय गौड़, विशेष संवाददाता
मदरलैंड वॉइस दैनिक समाचार पत्र एवं
महासचिव भागीदारी जन सहयोग समिति

---

# परिचर्चा महिला सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता परिचर्चा संयोजक : विजय गौड़

सिद्धो की सिद्धि क्यों टूटी , भक्तों की माला क्यों रूठी भगवान मिला ना भक्तों को मंदिर की ठेकेदारी में मैं इसीलिए तो कहता हूँ भगवान बसा है नारी मैं इतिहास इस बात का साक्षी है कि नारी को पूजनीय माना है किन्तु बदलते परिवेश में आज नारी सुरक्षा एवं सम्मान के लिए जन जागरूकता एवं कड़े कानून बनाने की आवश्यकता पड़ रही है ,यह चिंता का विषय है इस ज्वलंत विषय पर आईये जाने देश के प्रबुद्ध लोगों के विचार

श्यामला कुंदर सदस्या राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार ने विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि महिला को भारत की संस्कृति में देश में उच्च स्थान दिया गया है और दिलचस्प बात यह है कि वीमेन में मेंन ( पुरुष ) निहित है और इसी तरह इंग्लिश के शब्द शी में ही शब्द निहित है महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए सरकार के प्रयास के साथ सामाजिक जागरूकता की भी जरूरत है । मेरा आग्रह है कि छात्र -छात्राओं को राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय आकर आयोग की गतिविधियों से अवगत होना चाहिए। स्तुति कक्कर चांसलर स्वामी विवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी का कहना है कि यदि हम महिलाओं को सुरक्षित रखना चाहते है तो हमें लड़कों को शिक्षित करना होगा , उन्हें नैतिकता का पाठ पढ़ाना होगा और लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना होगा , तभी हम अनुशासित समाज की कल्पना कर सकते है ।

श्यामला कुंदर　स्तुति कक्कर　प्रो० महेश वर्मा　प्रो० साकेत कुशवाहा　संजय सिंह
रेनू भाटिया　डॉ राजिंदर धर　सुरेश शर्मा　आचार्य धर्मबीर　विजय गौड़

प्रोफेसर महेश वर्मा कुलपति गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी दिल्ली का मानना है कि कोई भी राष्ट्र तब तक सफलता के शिखर पर नहीं पहुंच सकता जब तक कि उसकी महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर न चलें, विश्व मंच पर सबसे अधिक दबाव वाली चिंताएं महिला स्वास्थ्य, महिला अधिकार, महिला मानसिक स्वास्थ्य और महिला आर्थिक सशक्तिकरण की हैं। ये सभी समस्याएं आपस में जुड़ी हुई हैं;

उन्हें एकवचन समस्याओं के रूप में नहीं देखा जा सकता है, हमें पुनर्स्थापित करने के लिए एक समग्र, व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। मैं सभी महिलाओं से आग्रह करता हूं कि वे आलोचना और असमानता का डटकर मुकाबला करें और केवल सफलता प्राप्त करने पर ध्यान दें और खुद के प्रति सच्चे रहना याद रखें । प्रोफेसर साकेत कुशवाहा कुलपति राजीव गाँधी यूनिवर्सिटी अरुणाचल प्रदेश का कहना है कि लैंगिक भेदभाव और लिंग आधारित हिंसा को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए समय के साथ सचेत और लगातार प्रयासों की आवश्यकता होगी। यह बहुत उत्साहजनक है कि सभी बाधाओं के बावजूद आधुनिक महिलाएं न केवल जीवन और काम के हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं, बल्कि यहां और हर बाधा उनके समानता और सम्मान की खोज में जोड़ रही है। संजय सिंह आईपीएस विशेष आयुक्त पुलिस दिल्ली पुलिस ने लड़किओं एवं महिलाओं को साहसी महिलाओं से प्रेरणा लेने का सन्देश देते हुए कहा कि लक्ष्य के प्रति प्रयत्नशील रहने वालों के लिए असंम्भव कुछ भी नहीं है उन्होंने कहा कि समाज में देश के विकास में योगदान दे कर पृथक पहचान बनाना और प्रेरणा का माध्यम बनना , जीवन की सफलता है । वैदिक युग की महिलाओं की समानता और समग्र भागीदारी के गौरवशाली उदाहरणों के रूप में देखा जा सकता है, जिसे आधुनिक दुनिया को एक सुचारु परिवर्तन के लिए सीखने की जरूरत है।

रेनू भाटिया अध्यक्षा हरियाणा राज्य महिला आयोग ने कहा कि आयोग द्वारा पीड़ित महिलाओं के दर्द सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते है आज आवश्यकता है उन्हें कानूनी साक्षर बनाने की और उन्हें अधिकारों के प्रति जागरूक करने की मैं 3 वर्ष 6 माह आयोग सदस्य और वर्तमान में आयोग अध्यक्ष हूँ जब हम लोगों जन सुनवाई करते है तो ऐसे केस भी आते है जहाँ एक वकील पीड़िता को झूठ सीखा कर भेजता है। कभी कहता है कि खुद कपड़े फाड़ कर आरोप लगा देना इससे केस और मजबूत हो जाएगा किन्तु हमें इन्साफ के हक में पूरी संवेदनशीलता से सुनवाई कर सच्चाई को खोजना भी पड़ता है ताकि निर्दोष को गलत सजा ना मिल जाए ।

डिस्ट्रिक्ट कंस्यूमर कोर्ट के सदस्य डॉ राजेंद्र धर ने महिलाओं के प्रति सम्मान भाव को संस्कृति का सम्मान बताया देश की न्याय व्यवस्था में हर महिला को न्याय के लिए निशुल्क कानूनी सहायता का प्रावधान है

पंजाब पुलिस के पूर्व महानिरीक्षक सुरेश शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा की जिले की कानून व्यवस्था में जिले के सुपरिंडेंडेंट ऑफ पुलिस की अहम भूमिका है उनका इतना खौफ होना चाहिए कि उनके डर से अपराधी जिला छोड़ दे

आचार्य धर्मबीर संस्थापक युग संस्कृति न्यास का कहना है कि सब लोग चाहते है कि हमें सीता जैसी पत्नी मिले , किन्तु इस के लिए जरूरी है कि हमें भी राम के आदर्श अपनाने आवश्यक है महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है महिलाएं अत्याचार की खिलाफ आवाज उठायें , साइबर अपराध जैसी शिकायतों के खिलाफ निस्संकोच शिकायतें दर्ज कराएं ताकि अपराधियों के मन में अपराध पर कार्रवाही का खौफ बने समाज के लोग एकमत होकर समाज में महिलाओं के खिलाफ शून्य सहनशीलता का आंदोलन छेड़ें महिलाओं की शिक्षा की उड़ान को प्रोत्साहित करे और उनके अधिकार के प्रति संवेदन बनकर एक आदर्श पहचान बनाएं ।

---

## अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान में समर्पित महिला विशेष पृष्ठ

# मदरलैंड वॉइस समाचार पत्र की मीडिया पार्टनरशिप से भागीदारी जन सहयोग समिति , दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं , ह्यूमन फाउंडेशन एवं युग संस्कृति न्यास द्वारा राउज एवेन्यू कोर्ट के गोष्ठी हॉल , नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की कुछ झलकियां